हिंदी दैनिक
कोयलांचल संवाद
www.ksnewsupdates.com
धनबाद, गुरुवार 26 जून, 2025, वर्ष : 34, अंक : 91, मूल्य : 3 रूपए
धनबाद एवं रांची से एक साथ प्रकाशित
YouTube Subscribe Koylanchal sambad news

संक्षिप्त खबरें

तमाड़ में नक्सली के घर पुलिस ने इश्तेहार चिपकाया

रांची(ईएमएस)।चाईबासा के कराईकेला थाना की पुलिस ने बुधवार को तमाड़ थाना क्षेत्र के तामराना गांव पहुंची। कराईकेला पुलिस ने ढोल नगाड़ा बजाकर नक्सली अमित मुंडा के घर इश्तेहार चिपकाया। अमित के खिलाफ कराईकेला थाना में प्राथमिकी दर्ज है। पुलिस टीम ने परिजनों से आग्रह किया है कि अमित को आत्मसमर्पण करने के लिए प्रेरित करें।

हजारीबाग में अपराधियों ने दो व्यक्ति को मारी गोली

हजारीबाग(ईएमएस)। हजारीबाग जिले के सीकरी थाना क्षेत्र अंतर्गत पतरा पुल के समीप बुधवार को अज्ञात अपराधियों ने दो आम व्यक्ति को निशाना बनाकर तीन राउंड फायरिंग करते हुए घायल कर दिया है। दोनों घायल युवक उरीमारी थाना क्षेत्र के लुनगा गांव निवासी कालेश्वर बेदिया और बैजू बेदिया है। दोनों व्यक्ति सूकर पालन का व्यवसाय करते हैं।घायल व्यक्ति बैजू बेदिया ने बताया कि बीजीआर कंपनी के कार्यालय से सुकर को खिलाने के लिए अपशिष्ट भोजन लेकर ऑटो वाहन से फार्म जा रहे थे।इसी दौरान तीन मोटरसाइकिल पर सवार 6 अज्ञात अपराधी पतरा पुल के समीप तीन राउंड फायरिंग कर फरार हो गए। दोनों घायलों को सीकरी थाना पुलिस और परिजनों के द्वारा शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल हजारीबाग लाया गया है।जहां इलाज चल रहा है। पूरे मामले का सत्यापन करते हुए सीकरी थाना प्रभारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि घटनास्थल पर पुलिस पहुंचकर जांच कर रही है। जल्दी अपराधियों की गिरफ्तारी की जाएगी और मामले का उद्भेदन भी किया जाएगा।

एक्सिओम-4 मिशन की सफल लॉन्चिंग

अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना हुए शुभांशु शुक्ला, शुभांशु शुक्ला के माता-पिता हुए भावुक

नई दिल्ली। एक्सिओम-4 मिशन की सफल लॉन्चिंग हो चुकी है। फाल्कन रॉकेट ने सफलतापूर्वक अंतरिक्ष की ओर उड़ान भर ली है। भारत की ओर से शुभांशु शुक्ला मिशन क्रू के हिस्सा हैं। इस मिशन में कई देशों की साझेदारी है।

भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन और एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय होंगे। इससे पहले साल 1984 में अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा ने अंतरिक्ष की यात्रा की थी। राकेश शर्मा ने अंतरिक्ष से कहा था, 'सारे जहां से अच्छा हिंदुस्ता हमारा'

पहला एबॉर्ट मोड सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद, चालक दल अब एबॉर्ट मोड 2 अल्फा में दाखिल हो चुका है। ये उड़ान के इस चरण के लिए एक मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल है। सभी सिस्टम सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। मिशन कक्षा की ओर अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा है।

शुभांशु शुक्ला के माता-पिता हुए भावुक। अगले 28 घंटे के बाद अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पहुंचेगा Axiom-4 का ड्रैगन कैप्सूल।

शुंभाशु शुक्ला अंतरिक्ष में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय बने

मिशन एक्सिओम-4 एक्सिओम स्पेस की ओर से 2025 का तीसरा मानव अंतरिक्ष उड़ान प्रक्षेपण है। स्पेस एक्स का रॉकेट 'ड्रैगन' का हैच बंद हो गया है। सभी संचार और सूट की जांच पूरी हो गई है। क्सिओम-4 क्रू लॉन्च के लिए तैयार है।

भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन और अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की बहन निधि मिश्रा ने कहा, "यह न केवल मेरे लिए बल्कि भारत में सभी के लिए गर्व का क्षण है। मैं इसे शब्दों में बयां नहीं कर सकती; मैं बस इतना कहना चाहूंगी कि 'शुभांशु, आपका मिशन सफल हो और आप सुरक्षित हमारे पास वापस आएं।" मुझे अच्छा लग रहा है और मैं उम्मीद कर रही हूं कि वह अपना मिशन सफलतापूर्वक पूरा करके जल्द ही हमारे पास लौट आए ताकि मैं उसे एक बार फिर गले लगा सकूं। मेरा भाई कहता है - मेहनत का कोई विकल्प नहीं है। इस दुनिया में आपको कुछ भी आसानी से नहीं मिलता। आज हम जो कुछ भी देख रहे हैं, उसके पीछे बहुत मेहनत है। मैं अभी अपने भाई के लिए थोड़ी भावुक हूं।

कौन हैं इस मिशन के यात्री?

इस मिशन में चार अंतरिक्ष यात्री हिस्सा ले रहे हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला इस मिशन के पायलट होंगे। मिशन की कमान पूर्व नासा अंतरिक्ष यात्री और एक्सिओम स्पेस की मानव अंतरिक्ष उड़ान निदेशक पैगी व्हिटसन संभालेंगी। इसके अलावा, यूरोपियन स्पेस एजेंसी के प्रोजेक्ट अंतरिक्ष यात्री स्लावोश उजनांस्की-विस्निएव्स्की (पोलैंड) और हंगरी के अंतरिक्ष यात्री टिबोर कपु मिशन विशेषज्ञ के तौर पर शामिल होंगे। ये चारों अंतरिक्ष यात्री मिलकर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर कई वैज्ञानिक प्रयोग करेंगे।

क्या है एक्सिओम-4 मिशन?

एक्सिओम-4 मिशन एक निजी अंतरिक्ष यात्री मिशन है जो अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए है। इस मिशन का मकसद 31 देशों की ओर से लगभग 60 वैज्ञानिक अध्ययन और गतिविधियों को डायरेक्ट करना है। ये देश हैं भारत, अमेरिका, पोलैंड, हंगरी, सऊदी अरब, ब्राजील, नाइजीरिया, संयुक्त अरब अमीरात, और यूरोप। एक्सिओम के अनुसार, यह मिशन इन देशों का इतिहास में दूसरा मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन होगा, लेकिन यह पहली बार होगा जब ये तीनों देश ISS पर एक साथ मिशन को पूरा करेंगे।

सांसद ढुलू महतो ने आउटसोर्सिंग कंपनी के डायरेक्टर को दी तमाचा मारने की धमकी

धनबादः बीसीसीएल के गोविंदपुर क्षेत्र संख्या 3 अंतर्गत खरखरी स्थित हिलटॉप आउटसोर्सिंग प्रोजेक्ट को लेकर बुधवार को ग्रामीणों और विस्थापितों द्वारा प्रदर्शन की चेतावनी के बाद बुलाई गई वार्ता विवाद में बदल गई। सिनीडीह गेस्ट हाउस में हुई इस बैठक में सांसद ढुलू महतो, गोविंदपुर के जीएम, हिलटॉप आउटसोर्सिंग के डायरेक्टर कौशल पांडेय, डीएसपी पीके सिंह समेत ग्रामीण प्रतिनिधि मौजूद थे।

बैठक के दौरान सांसद ढुलू महतो ने आउटसोर्सिंग प्रबंधन की उपस्थिति पर सवाल उठाया और तीखा विरोध जताया। उन्होंने कहा कि जब जमीन बीसीसीएल को दी गई है तो वार्ता भी बीसीसीएल से ही होगी, न कि आउटसोर्सिंग से। इसी दौरान उन्होंने आउटसोर्सिंग डायरेक्टर कौशल पांडेय को बैठक से बाहर निकलने को कहा और गुस्से में आकर तमाचा मारने तक की धमकी दे डाली। डायरेक्टर कौशल पांडेय ने इसका विरोध करते हुए बैठक से बाहर निकल गए। यह पूरा घटनाक्रम कैमरे में कैद हो गया और इसका वीडियो दिनभर सोशल मीडिया पर वायरल होता रहा। सांसद ने आरोप लगाया कि यह आउटसोर्सिंग कंपनी जहां भी काम करती है, वहां गुंडागर्दी और डर का माहौल बनाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि कंपनी ने कारू यादव जैसे अपराधी को काम में लगाया है और यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सांसद ने बैठक में बीसीसीएल और पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि काम शुरू करने से पहले जमीन की मापी होनी चाहिए। डीएसपी पीके सिंह ने ग्रामीणों से जमीन से संबंधित कागजात एरिया ऑफिस में जमा करने को कहा और एक सप्ताह के भीतर मापी कर कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

गूगल ने 'एआई मोड इन सर्च' भारत में किया लॉन्च

अब यूजर्स लंबे और जटिल पूछ सकेंगे सवाल

नई दिल्ली,(ईएमएस)। गूगल ने भारत में अपने नए एआई-संचालित सर्च फीचर 'एआई मोड इन सर्च' की शुरुआत कर दी है। इस फीचर का पहले अमेरिका में परीक्षण किया जा चुका है और अब भारत में इसे गूगल लैंस के तहत एक प्रयोग के रूप में उपलब्ध कराया है। यह अंग्रेजी भाषा में ही इस्तेमाल किया जा सकता है। गूगल का दावा है कि यह फीचर लोगों के सर्च करने के तरीके को पूरी तरह से बदल देगा, क्योंकि अब यूजर्स लंबे और जटिल सवाल पूछ सकेंगे और उन्हें एआई द्वारा तैयार किए गए जवाब भरोसेमंद स्रोतों के लिंक के साथ मिलेंगे। यह नया फीचर गूगल के मल्टीमॉडल एआई मॉडल जेमिनी 2.5 पर आधारित है। यूजर्स केवल टेक्स्ट ही नहीं, बल्कि गूगल लैंस के जरिए फोटो लेकर या अपलोड करके भी सवाल पूछ सकते हैं जैसे- कोई पौधे की फोटो लेकर उसकी देखभाल के तरीके पूछ सकता है, या फिर किसी टूटे सामान की तस्वीर भेजकर उसकी मरम्मत की सलाह ले सकता है।

लोहरदगा पुलिस को नक्सलियों के खिलाफ बड़ी सफलता

लेवी वसूली के दौरान 2 उग्रवादी गिरफ्तार

लोहरदगा(ईएमएस)। पुलिस को प्रतिबंधित नक्सली संगठन पीएलएफआई के खिलाफ एक बड़ी सफलता मिली है। लेवी वसूली के लिए आए संगठन से जुड़े दो उग्रवादियों को कुड़ू थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। लोहरदगा के एसपी सादिक अनवर रिजवी ने बुधवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूरे मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कुड़ू थाना क्षेत्र के लवागाई में पुलिया निर्माण कार्य कर रहे संवेदक से पीएलएफआई द्वारा लंबे समय से लेवी की मांग की जा रही थी। संगठन के सदस्यों द्वारा संवेदक को लेवी नहीं देने पर जान से मारने और आगजनी की धमकी दी जा रही थी।हाल ही में निर्माण कार्य में लगे वाहनों को जलाने का प्रयास भी किया गया था। घटनास्थल पर पीएलएफआई के नाम से पोस्टरबाजी कर दहशत फैलाने की कोशिश की गई थी।

पुलिस ने रणनीति बनाकर नक्सलियों को जाल में फंसाया और लेवी की रकम लेने आए दो उग्रवादियों को मौके पर ही तीस हजार नकद के साथ गिरफ्तार कर लिया।

पकड़े गए नक्सलियों की पहचान खूंटी जिले के घाघरा गांव निवासी निखिल मुंडा उर्फ पिंटू और सुनील संगा के रूप में हुई है। एसपी ने बताया कि दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है और पुलिस अब संगठन के मास्टरमाइंड समेत अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए सघन छापेमारी अभियान चला रही है।

29 जून को जेपीएससी वन क्षेत्र पदाधिकारी परीक्षा को लेकर लागू रहेगा निषेधाज्ञा

रांची : झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की ओर से 29 जून 2025 को वन क्षेत्र पदाधिकारी प्रारंभिक परीक्षा आयोजित की जा रही है. इसे लेकर रांची जिला प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है. परीक्षा वाले दिन सभी परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा (धारा-163 के तहत पाबंदी) लागू रहेगी. जो 29 जून को सुबह 7 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक लागू रहेगा. यदि उम्मीदवार हैं तो सेंटर पर समय से पहले पहुंचे और एडमिट कार्ड और वैध आईडी साथ रखें.

'आपातकाल में लोकतंत्र की हत्या हुई, कैबिनेट में प्रस्ताव पास

प्रधानमंत्री और मंत्रियों ने रखा 2 मिनट का मौन, की गई कड़ी निंदा

नई दिल्ली : आपातकाल की 50वीं बरसी के मौके पर केंद्र सरकार की कैबिनेट बैठक में बुधवार को एक प्रस्ताव पारित किया गया है. सूत्रों ने बताया कि इस प्रस्ताव में 1975 में लगे आपातकाल को 'लोकतंत्र की हत्या' बताया गया और इसकी कड़ी निंदा की गई है.

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कैबिनेट ब्रीफिंग में जानकारी दी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में 1975 में लगाए गए आपातकाल की कड़ी निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया गया. वर्ष 2025 में आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के मद्देनजर यह प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें लोकतंत्र की रक्षा और संविधान के मूल्यों को दोहराया गया.

निर्दोष लोगों को अत्याचारों का सामना करना पड़ा!

मसलन, प्रस्ताव में कहा गया कि आपातकाल के पहले और उसके दौरान देशभर में लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन हुआ, नागरिकों के मौलिक अधिकारों को छीना गया और कई निर्दोष लोगों को अत्याचारों का सामना करना पड़ा. इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित सभी केंद्रीय मंत्रियों ने आपातकाल के पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी और उनके सम्मान में दो मिनट का मौन रखा. सभी मंत्री खड़े होकर मौन में शामिल हुए.

आपातकाल का विरोध करने वालों को बताया लोकतंत्र सेनानी

कैबिनेट मीटिंग में दावा किया गया कि आपातकाल के दौरान मानवीय स्वतंत्रता और गरिमा को भी खत्म किया गया. कैबिनेट मीटिंग पर जारी एक बयान में आपातकाल का विरोध करने वालों को लोकतंत्र सेनानी कहा गया है और कैबिनेट ने वरिष्ठ नागरिकों के साथ-साथ युवाओं को भी इन लोकतंत्र सेनानियों से सीखने की अपील की. बयान में कहा गया है कि इन वीरों ने तानाशाही प्रवृत्तियों का विरोध किया और हमारे संविधान और लोकतांत्रिक भावना की दृढ़ता से रक्षा की.

ये नाटक रच रहे : खड़गे

इस पर पलटवार करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, कि आज महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, आर्थिक बदहाली का इनके पास जवाब नहीं है।

ये लोग अपने झूठ को छिपाने के लिए आज नाटक रच रहे हैं और संविधान हत्या दिवस मना रहे हैं। जो लोग संविधान बचाओ की बात कर रहे हैं। वे लोग भूल चुके हैं लेकिन वे मुद्दे को उछालने की कोशिश में हैं।

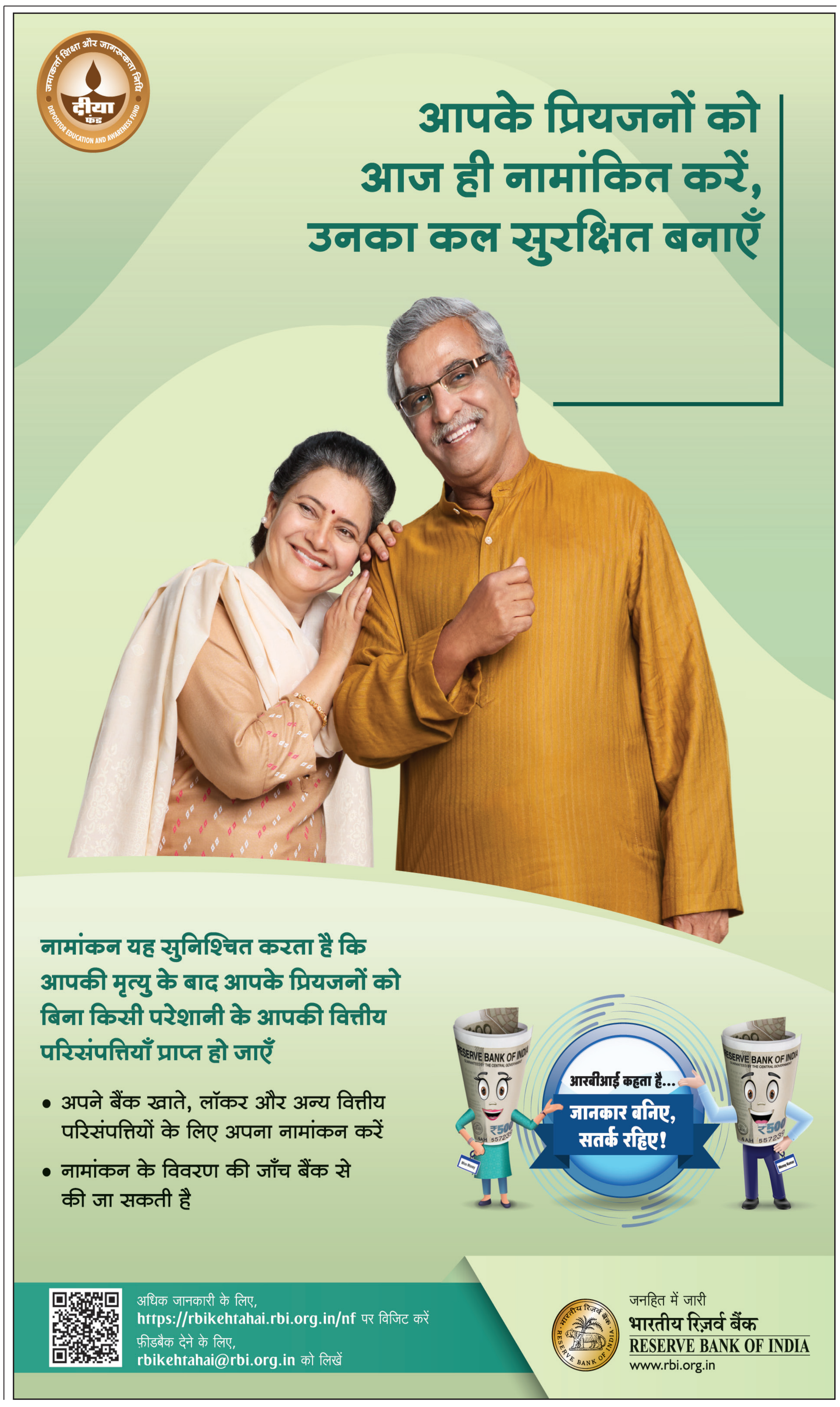

संक्षिप्त खबरें

आपातकाल के 50 वर्ष पुरा होने पर बाबूलाल मरांडी ने कहा : कांग्रेस ने संविधान की हत्या की

गिरिडीह(ईएमएस)।गिरिडीह जिले में बुधवार को आपातकाल पर सेमीनार का आयोजन किया गया। सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि कांग्रेस ने संविधान की हत्या की थी।आज से 50 वर्ष पहले कांग्रेस ने देश में आपात काल की घोषणा करके आम आदमी के मौलिक अधिकारों का हनन किया।भाजपा की जमुआ विधायक मंजू कुमारी ने कहा कि आपातकाल के दौरान कांग्रेस ने आम आदमी के गला घोंटने का काम किया। ये काला दिन को सभी को याद रखने की जरूरत है।कार्यक्रम में पूर्व मंत्री चंद्र मोहन प्रसाद , पूर्व विधायक लक्ष्मण स्वर्णकार एवं जिलाध्यक्ष महादेव दूबे मुख्य रूप से उपस्थित थे।

सुधीर महतो की 69 वीं जयंती पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

पूर्वी सिंहभूम(ईएमएस)। झारखंड मुक्ति मोर्चा के दिग्गज नेता रहे दिवंगत सुधीर महतो की 69 वीं जयंती के मौके पर बुधवार को राज्य भर में कई कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें याद किया गया।इसी कड़ी में जमशेदपुर के उलियान स्थित शहीद निर्मल महतो स्टेडियम में स्थापित स्वर्गीय सुधीर महतो की प्रतिमा पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने फूलमाला चढ़कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में राज्य के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन, झामुमो केंद्रीय प्रवक्ता मोहन कर्मकार, पूर्व सांसद सुमन महतो, झामुमो नेता सह बहरागोड़ा के पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी, सहित कई बड़े नेता और कार्यकर्ता एवं स्व. सुधीर महतो के पारिवारिक सदस्य शामिल हुए।मौके पर मंत्री रामदास सोरेन ने बताया कि अलग झारखंड राज्य के आंदोलन में शहीद निर्मल महतो के परिवार की कुर्बानी को भुलाया नहीं जा सकता है। झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार ने शहीद परिवार को सम्मान देने का काम किया।

वन विभाग के पिंजरे में कैद हुआ बाघ, रेस्क्यू ऑपरेशन सफल

रांची(ईएमएस)। रांची जिले के सिल्ली प्रखंड में एक ग्रामीण के घर में अचानक बाघ घुस जाने से इलाके में हड़कंप मच गया। मामले की जानकारी मिलते हैं प्रशासन हरकत में आ गई।आखिरकार वन विभाग का रेस्क्यू ऑपरेशन सफल हो गया।काफी जद्दोजहद के बाद बाघ वन विभाग के पिंजरे में कैद कर लिया गया।इसके लिए पलामू टाइगर रिजर्व की टीम बुलाई गई थी।बताते चलें कि सिल्ली के कोचो पंचायत में बुधवार की सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक बाघ सीधे पूरण चंद महतो के घर में घुस गया और अंदर ही बंद हो गया। जैसे ही गांव वालों को बाघ की खबर लगी, पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इस घटनाक्रम को देखते हुए पूरण चंद महतो के घर से 200 मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा लागू करना पड़ा।

जेपी के आह्वान से भयभीत इंदिरा गांधी ने लगाया था आपातकाल: कर्मवीर सिंह

रांची(ईएमएस)।भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री ने बुधवार को लोकनायक जयप्रकाश नारायण को याद किया। प्रदेश कार्यालय में उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। उन्होंने कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले से इंदिरा गांधी की सांसद के रूप में सदस्यता समाप्त हो चुकी थी।उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए था।लेकिन श्रीमती गांधी ने न सिर्फ न्यायालय के आदेश की अवमानना की, बल्कि देश के संविधान को ही कुचल डाला।कर्मवीर सिंह ने कहा कि 25 जून को दिल्ली के रामलीला मैदान में देश भर से जुटे लाखों लोकतंत्र सेनानियों को संबोधित करते हुए जेपी ने आह्वान किया था कि सिंहासन खाली करो कि जनता आती है। लेकिन आधी रात को देश में एक काले अध्याय की शुरुआत हुई।आज संविधान बचाने की दुहाई देने वाली कांग्रेस ने लोकतंत्र की सारी मर्यादाओं को तार-तार किया है।देश को याद है कि 25 जून 1975 को दिल्ली में ही ऐतिहासिक सभा के बाद 21 महीनों तक देश की जुबान को आपातकाल के माध्यम से कुचल दिया गया था। कोई राजनीतिक सभा इस दौरान नहीं हो सकती थी। उन्होंने कहा कि यह देश लोकतंत्र की जननी है, इसे कोई कुचलने में कभी सफल नहीं हो सकता।

निषिद्ध मादक पदार्थों के खिलाफ राज्यव्यापी जागरूकता अभियान आज

रांची(ईएमएस)।झारखंड सरकार ने निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।इस अभियान के तहत 26 जून को राज्य भर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी दिन गुरुवार को शौर्य सभागार,डोरंडा दोपहर एक बजे बजे निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध राज्यव्यापी जागरूकता अभियान का समापन समारोह होगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सीएम हेमंत सोरेन होंगे।26 जून को बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम, मोरहाबादी, से सुबह 6 बजे मैराथन दौड़ आयोजित की जाएगी, जो अल्बर्ट एक्का चौक पर समाप्त होगी।इसी दिन समापन समारोह होगा। दोपहर एक बजे शौर्य सभागार, डोरंडा, में निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध राज्यव्यापी जागरूकता अभियान का समापन समारोह आयोजित किया जाएगा।

जल जीवन मिशन की सफलता में सभी डीसी लीडरशिप दें : मुख्य सचिव

रांची(ईएमएस)।हर घर नल से जल को लेकर चल रहे जल जीवन मिशन की झारखंड में वर्तमान स्थिति को लेकर मुख्य सचिव अलका तिवारी की अध्यक्षता में बुधवार को समीक्षा की गयी।समीक्षा के दौरान मिशन के आड़े आ रही समस्याओं का समाधान निकालने की कोशिश की गई।वर्चुवल माध्यम से जुड़े तमाम जिले के उपायुक्तों को मुख्य सचिव ने मिशन के सुचारू क्रियान्वयन में लीडरशिप देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मिशन के कार्यों में समन्वय स्थापित करने के लिए सक्रिय सहभागिता निभायें। इसकी नियमित समीक्षा करें।मुख्य सचिव ने कहा कि इलाके के मुखिया के साथ नियमित अंतराल पर बैठक करें। इससे इलाके की अच्छी जमीनी जानकारी मिलेगी। इस फीडबैक का उचित उपयोग करें। अधूरा कार्य और पूरा भुगतान का मामला सामने आने पर उसे गंभीरता से लें। उसकी जांच कराएं और समुचित कार्रवाई सुनिश्चित करें। उपायुक्तों को निर्देश दिया कि वे जब भी किसी काम से फील्ड में जाएं, तो वहां के जल जीवन मिशन के कार्यों को जरूर देखें।उसका आकलन करें और जरूरत पड़ने पर मौके पर ही समस्या का समाधान करें।सीएस ने कहा कि जल जीवन मिशन की सफलता के लिए सभी उपायुक्तों को दो कमिटेड इंजीनियर दिये जा रहे हैं।

कोडरमा में दर्दनाक हादसा, टोटो चढ़ने से बच्चे की हुई मौत

कोडरमा(ईएमएस)।कोडरमा दर्दनाक घटना सामने आई है।यहां के होली फैमिली अस्पताल के पास एक बच्चे के ऊपर टोटो चढ़ गई। इस हादसे में बच्चे की मौत हो गई। घटना दोपहर 12 बजे के करीब हुई है। बच्चे की उम्र 5 साल थी। बच्चे की पहचान विनय हंसदा के रूप में हुई है।मिली जानकारी के अनुसार, दोपहर 12 बजे के करीब विनय आम चुन रहा था। इस दौरान एक टोटो आई और उसको कुचल गई। आसपास के लोगों ने भी बताया कि स्कूल से लौट रहा था, इसी दौरान रास्ते में आम चुनने लगा तभी एक टोटो ने उसे चपेट में ले लिया। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने बच्चे का शव कब्जे में लेकर सदर अस्पताल कोडरमा पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

चाईबासा में वज्रपात से एक महिला की मौत

पश्चिमी सिंहभूम (ईएमएस)।पश्चिमी सिंहभूम जिले के बंदगांव प्रखंड के पिंगु गांव में मंगलवार को वज्रपात से एक महिला की मौत हो गई। पिंगु गांव निवासी गोमिया बोदरा की पत्नी रानी हंस (30 वर्ष) अपने घर के आंगन में बर्तन साफ कर रही थी।तभी बारिश शुरू हो गई और गरज-चमक के साथ आंगन में वज्रपात हुआ। इसकी चपेट में आकर रानी हंस की मौके पर ही मौत हो गई।सूचना मिलने पर टेबो पुलिस पिंगु गांव पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए चक्रधरपुर अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया है। अंचल अधिकारी भीकम कुमार ने कहा कि मृतका के परिजनों को सरकारी प्रावधान के तहत मुआवजा दिया जाएगा।

झारखंड में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की की समीक्षा

जिलों में फीड मिल निर्माण का प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश

रांची(ईएमएस)।झारखंड में नीली क्रांति का सपना साकार करने की दिशा में मत्स्य विभाग वृहद कार्य योजना के साथ मैदान में उतरने जा रही है।राज्य में मत्स्य बीज और फीड को लेकर राज्य की कृषि,पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की लंबी लकीर खींचने का लक्ष्य निर्धारित किया है।जहां मत्स्य पालन को लेकर राज्य के तालाबों का जीर्णोद्धार करने की योजना है,वहीं राज्य के हर एक जिले में मत्स्य विभाग फीड मिल की स्थापना का प्रस्ताव तैयार करेगा।रांची के पशुपालन भवन में मत्स्य विभाग की आहुत महत्वपूर्ण बैठक में मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने ये दिशा निर्देश दिया है। मत्स्य विभाग की बैठक में निदेशालय के अधिकारी से लेकर राज्य भर के जिला मत्स्य पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया।समीक्षा बैठक में सबसे ज्यादा जोर मत्स्य बीज को बढ़ावा देने पर रहा।इसके लिए हर एक जिला में वर्तमान मत्स्य बीज उत्पादन की समीक्षा की गई।इस समीक्षा में

जहां कई जिलों का प्रदर्शन बेहतर रहा,वहीं कई जिलों को अपने प्रदर्शन में सुधार करने का निर्देश दिया गया है।मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने समीक्षा बैठक के दौरान मिट्टी और गाद से भरे तालाबों की सूची जिला स्तर पर तैयार करने का निर्देश दिया। ऐसे तमाम तालाब का जीर्णोद्धार विभाग के स्तर पर किया जाएगा। अनुपूरक बजट में इसके लिए राशि का प्रावधान करने की तैयारी है। इतना ही नहीं सरकारी फिश फॉर्म के तालाबों की वर्तमान स्थिति और उसके विकास को लेकर भविष्य की योजना तैयार करने को भी कहा गया है।समीक्षा बैठक के क्रम में राज्य के 6 फीड मिल की भी समीक्षा की गई। फीड मिल की उत्पादन क्षमता और वर्तमान में उत्पादन का विस्तृत ब्यौरा रखा गया।इसके बाद मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने राज्य में मत्स्य फीड की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए राज्य के सभी जिलों में फीड मिल स्थापना का प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया है।

इतना ही नहीं पहले से संचालित फीड मिल को अपग्रेड करने के लिए एक कमिटी का गठन करने को कहा गया है।ये कमिटी फीड मिल को अपग्रेड करने से संबंधित प्रस्ताव को तैयार कर विभाग को सौंपेगी। राज्य के फीड मिल में तैयार हो रहे फीड की जांच हर तीन माह में कराने का निर्देश भी मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने दिया है।बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निदेशालय के बजाय जिला भ्रमण पर जाने को कहा है।प्रमंडल स्तरीय प्रभारी हर महीने 2 से 3 जिलों का भ्रमण करेंगे . जिला भ्रमण से संबंधित रिपोर्ट को संबंधित वरीय अधिकारी को अग्रसारित की जाएगी। अधिकारियों को कलस्टर बना कर काम करने की सलाह दी गई है।इसके साथ स्पष्ट तौर पर निर्देश दिया गया है कि अधिकारी विभाग की योजनाओं की चर्चा स्थानीय विधायक और मुखिया से जरूर करेंगे। जन प्रतिनिधियों से योजना से संबंधित सहयोग और उनकी सलाह को प्राथमिकता में रखना है।इसके साथ ही योजना का लाभ हर बार किसी एक लाभुक के बजाय नये लाभुकों को देने का निर्देश गया है।मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने इस मौके पर दो टूक शब्दों में कहा कि ऐसा काम करें की लोग आपका नाम लें और आपके काम को हमेशा याद करें।बैठक में मत्स्य निदेशक एच एन द्विवेदी , विशेष सचिव प्रदीप हजारी, विभाग के उप निदेशक , प्रमंडलीय प्रभारी , जिला मत्स्य पदाधिकारी मौजूद थे।

कांग्रेस की सत्ता की भूख का परिणाम था देश में आपातकाल : सुदेश महतो

रांची(ईएमएस)। आपातकाल के 50 वर्ष होने पर आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष और झारखंड के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने कहा है कि आपातकाल कांग्रेस की सत्ता की भूख का परिणाम था। 25 जून 1975 को भारत के इतिहास में एक काला अध्याय लिखा गया, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल लागू कर लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों को कुचल दिया। आज जब राहुल गांधी संविधान बचाओ की बात करते हैं तो यह हास्यास्पद लगता है।श्री महतो ने कहा कि आपातकाल वह दौर था जब नागरिकों के मौलिक अधिकारों को छीन लिया गया, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर ताला लगा दिया गया और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर किया गया। सुदेश महतो ने इस घटना को भारतीय लोकतंत्र पर एक गहरा आघात बताया, जिसने देश की जनता को मजबूर और असहाय बना दिया।श्री महतो ने कहा कि तत्कालीन सरकार ने अपनी शक्ति को बनाए रखने के लिए लोकतंत्र की आत्मा को दबाने का प्रयास किया। प्रेस पर सेंसरशिप, विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी और संवैधानिक अधिकारों का हनन उस दौर की सबसे दुखद तस्वीर थी। उन्होंने कहा कि यह समय हमें याद दिलाता है कि लोकतंत्र कितना नाजुक हो सकता है, और इसे संरक्षित करने के लिए हमें सतर्क और संगठित रहना होगा। मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत ने कहा कि आपातकाल ने देश के युवाओं और सामान्य नागरिकों को यह सिखाया कि सत्ता का दुरुपयोग कितना खतरनाक हो सकता है। झारखंड जैसे राज्य, जहां लोग अपनी पहचान और अधिकारों के लिए लंबे समय से संघर्ष करते रहे हैं, वहां लोकतंत्र की रक्षा करना और भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने आपातकाल के दौरान जेल में बंद उन नेताओं और कार्यकर्ताओं को याद किया, जिन्होंने लोकतंत्र की बहाली के लिए संघर्ष किया।झारखंड आंदोलनकारी प्रवीण प्रभाकर ने कहा कि 1975 की थोड़ी बहुत यादें उनके जेहन में हैं, क्योंकि वह उस वक्त 7 वर्ष के थे और दुमका में आंदोलनकारियों का जुलूस निकलता देख प्रेरित होते थे। आपातकाल में उनके पिता को दुमका और मामा को रांची में बिना कारण गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने वर्तमान संदर्भ में आपातकाल से सीख लेकर लोकतंत्र को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आज भी कई बार झारखंड में भी सत्ता पक्ष द्वारा जनता की आवाज को दबाने की कोशिश की जाती है। ऐसी स्थिति में जनता को जागरूक और संगठित होकर अपने अधिकारों की रक्षा करनी होगी।

रिम्स में भी अब लेजर थेरेपी से होगा सफेद दाग का इलाज : डॉ. प्रभात कुमार

रांची(ईएमएस)। विटिलिगो यानी सफेद दाग पीड़ितों को अब दूसरे राज्यों में इलाज के लिए नहीं जाना पड़ेगा। जल्द ही रिम्स में लेजर थेरेपी से इसका उपचार शुरू होगा। इसके लिए लेजर खरीदारी की प्रक्रिया शुरू हो गई है। सबकुछ ठीक रहा तो मरीजों को यहां न्यूनतम दर पर उपचार मिलने लगेगा। हर साल 25 जून को मनाए जाने वर्ल्ड विटिलिगो डे पर रिम्स में बुधवार को हुए जागरुकता कार्यक्रम में ये जानकारी दी गई। मौके पर डॉ प्रभात कुमार ने बताया कि विटिलिगो यानी सफेद दाग का समय पर इलाज करने से इसे ठीक किया जा सकता है। उन्होंने कहा विटिलिगो से घबराने का जरूरत नहीं है।इसमें चमड़ी का रंग बदल जाता है। जिस जगह पर पिगमेंट बनता है, वहां के सेल किसी कारण से नष्ट हो जाते हैं। इससे वहां की स्किन सफेद हो जाती है। फोटो और पूबा थेरेपी से रिम्स में चल रहा इलाज डॉ प्रभात ने कहा, शरीर की इंयूनिटी में बाधा आने से विटिलिगो की समस्या होती है। इसका इलाज अब एडवांस तकनीक से हो रहा है। पहले दवाई से इलाज शुरू किया जाता है। इसके बाद फोटो थेरेपी दी जाती है। पूबा थेरेपी, सर्जरी और अब लेजर सर्जरी की व्यवस्था भी रिम्स में शुरू हो गई है। रिम्स के ओपीडी में प्रत्येक दिन चार से पांच मरीज विटिलिगो के इलाज के लिए आते हैं। पूबा थेरेपी में 8 से 10 मरीज का इलाज रोज हो रहा है।

छोटे उद्यमियों को किया जाएगा जागरूक : शशि भूषण

गढ़वा (ईएमएस)। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण केंद्र में बुधवार को सूक्ष्म उद्यमियों के लिए छह दिवसीय प्रशिक्षण का उद्घाटन आरसेटी के राज्य निदेशक शशि भूषण मिश्रा, जेएसएलपीएस से डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर संयोग संगम ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर संस्था के राज्य निदेशक शशि भूषण मिश्रा ने कहा कि वर्तमान समय में सभी लोगों को सरकारी नौकरी नहीं मिल पाती है।

ऐसे में लोगों को खुद का रोजगार करने की जरूरत है। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान बेरोजगार युवक-युवतियों को निःशुल्क स्वरोजगार करने का ट्रेनिंग उपलब्ध कराता है।

ग्राम पंचायत स्तर पर चलेगा तीन माह का अभियान, लोगों को बैंकों से जोड़ा जाएगा : डीसी

गढ़वा(ईएमएस)। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त दिनेश कुमार यादव की अध्यक्षता में बुधवार को फाइनेंशियल इंक्लूजन स्कीम के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर तीन माह तक चलाए जाने वाले विशेष अभियान को लेकर जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित की गई। यह विशेष अभियान वित्तीय सेवा विभाग भारत सरकार के निर्देशानुसार देश के सभी जिलों में एक जुलाई से 30 सितंबर तक तीन माह के लिए विशेष संतृप्ति अभियान चलाया जाएगा। अभियान का उद्देश्य सभी पात्र ग्रामीण नागरिकों को जन सुरक्षा योजनाओं से जोड़ना, बैंकिंग सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना और वित्तीय समावेशन को मजबूती प्रदान करना है। अभियान के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत में शिविरों का आयोजन कर प्रधानमंत्री जन धन योजना खाता, बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, केवाईसी नवीकरण सहित अन्य गतिविधियां संचालित की जाएगी।अभियान की मुख्य गतिविधियों में अंतर्गत पीएमजेडीवाई खातों के लिए निःशुल्क केवाईसी का नवीकरण, जन सुरक्षा योजनाओं के तहत बीमा खाता खोलना, एपीवाई के अंतर्गत नामांकन, योजनाओं से संबंधित जानकारी व लाभार्थी सहायता शामिल है। उपायुक्त ने कहा कि शिविरों का आयोजन ग्राम पंचायत मुख्यालय अथवा अन्य उपयुक्त स्थलों पर किया जाएगा। उक्त शिविरों में जनता की सुविधा के लिए स्थानीय भाषा में प्रचार-प्रसार सामग्री, अधिकारियों की उपस्थिति और समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। शिविरों के सफल संचालन के लिए बैंक शाखाओं, सीएसपी, डाक विभाग, आईपीपीबी, बीसी आदि की सक्रिय भागीदारी भी रहेगी। साथ ही राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) क्षेत्रीय स्तर पर अभियान संचालन की निगरानी करेंगे और जहां आवश्यकता होगी, तकनीकी सहायता प्रदान करेंगे। वहीं इस अभियान के प्रचार-प्रसार और संचालन के लिए सभी बैंकों को उचित बजट प्रावधान करने के निर्देश दिए गए हैं। उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन करने वाले बैंकों, शाखाओं और अधिकारियों को डीएफएस की ओर से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिले में संचालित (सेंट्रल फॉर फाईनेंशियल लिटरेसी) ब्लॉकों को अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने की जिमेवारी सौंपी गई है। प्रत्येक ब्लॉक में एक समन्वयक की नियुक्ति की गई है।

पूर्व आईएएस व कारोबारी सिंघानिया से दूसरे दिन भी पूछताछ

रांची। शराब घोटाले में एसीबी ने पूर्व आईएएस अधिकारी अमित प्रकाश व रायपुर के कारोबारी सिद्धार्थ सिंघानिया से लगातार दूसरे दिन भी पूछताछ की। बुधवार को डीजीपी अनुराग गुप्ता भी एसीबी कार्यालय पहुंचे थे। उन्होंने शराब घोटाले की जांच से जुड़े पदाधिकारियों के साथ बैठक कर दिशा-निर्देश दिए। एसीबी सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ के दूसरे दिन अमित प्रकाश के एमडी जेएसबीसीएल के प्रभार में रहने के दौरान स्थानीय एजेंट रखकर वसूली करने के पहलुओं पर पूछताछ की गई। एमआरपी से अधिक दर पर शराब की बिक्री के बाद प्लेसमेंट एजेंसियों के जरिए उगाही की गई अवैध राशि के जिलों से लेकर जेएसबीसीएल के पदाधिकारियों के लाभांवित होने के पहलुओं पर सवाल पूछे गए।एसीबी ने केस में जेएसबीसीएल के क्लर्क नवेंदू शेखर के बयान में आए तथ्यों के आधार पर भी अमित प्रकाश से सवाल पूछे। नवेंदू शेखर ने पूछताछ में उगाही व फर्जी बैंक गारंटी देने वाली कंपनियों के अनुचित लाभ उठाने के विषय में विभागीय पदाधिकारियों की भूमिका से पर्दा उठाया है।

कार्यालय जिला शिक्षा अधीक्षक, जामताड़ा
(जिला स्तरीय मध्याह्न भोजन कोषांग, जामताड़ा)

अल्पकालीन निविदा संख्या–एम.डी.एम–01/2025–26

आवश्यक सूचना

जामताड़ा जिला अन्तर्गत स्कूल स्टेप डिलीवरी योजना के तहत प्रखण्ड स्तरीय राज्य खाद्य निगम गोदाम से विद्यालयों तक खाद्यान्न (चावल, दाल एवं अन्य सामग्री) पहुँचाने हेतु प्रखण्डवार परिवहन–सह–हथालन अभिकर्ता नियुक्ति हेतु दिनांक 10.07.2025 के अपराह्न 01:00 बजे तक जिला शिक्षा अधीक्षक जामताड़ा के कार्यालय में निविदा जमा की जायेगी। जिले के सभी प्रखण्डों के लिये निहित विवरणी एवं शर्तों के अनुसार अल्पकालीन निविदा प्राप्त की जायेगी एवं उसी दिन समय 04:00 बजे अपराह्न में उपायुक्त के कार्यालय प्रकोष्ठ में निविदा खोली जायेगी। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी जिले के वेबसाईट www.jamtara.nic.in पर देखी जा सकती है।

जिला शिक्षा अधीक्षक
जामताड़ा

PR 355960 Human Resource Developement(25-26).D

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, जामताड़ा
DISTRICT LEVEL OFFICE, BLOCK-C NEW COMBINED BUILDING
DISTRICT- JAMTARA, PHONE/FAX- 06433-223342, Email –ssajmt@gmail.com

समग्र शिक्षा Samagra Shiksha

अल्पकालीन निविदा सूचना

जिले में संचालित 04 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय एवं 02 झारखण्ड बालिका आवासीय विद्यालय के लिये वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिये 1. खाद्यान्न सामग्री, दैनिक उपयोग की सामग्री, 2. हरी सब्जी, मछली, चिकेन, दूध, पनीर इत्यादि 3. पोशाक एवं अन्य वस्त्र तथा 4. स्टेशनरी इत्यादि, पैकेजवार सामग्रियों की आपूर्ति हेतु जिले में निबंधित इच्छुक संस्थानों/निविदादाता से निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदादाता झारखण्ड शिक्षा परियोजना, जामताड़ा से निविदा प्रपत्र प्राप्त कर जिला कार्यालय में तकनीकी बीड एवं वित्तीय बीड अलग–अलग सीलबंद लिफाफे में दिनांक 16.07.2025 के अपराह्न 01 बजे तक जमा कर सकते हैं। निविदा खोलने संबंधी अग्रेतर कार्रवाई संबंधित जिला के क्रय समिति की बैठक में की जायेगी। विस्तृत जानकारी जिले के आधिकारिक बेवसाईड jamtara.nic.in पर भी देखा जा सकता है।

निविदा प्रारंभ होने की तिथि :– दिनांक 26.06.2025
निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि :– दिनांक 14.07.2025 के अपराह्न 03 बजे तक।
निविदा भरकर जमा करने की अंतिम तिथि:–16.07.2025 को अप0 01 बजे। निविदा खुलने की तिथि :–18.07.2025, अप0 02 बजे

इच्छुक निविदादाता यदि उपरोक्त शर्तों को पूरा करते हैं, तो संबंधित झारखण्ड शिक्षा परियोजना, जामताड़ा से सामग्री की सूची प्राप्त कर अपना निविदा निर्धारित तिथि तक झारखण्ड शिक्षा परियोजना, जामताड़ा में जमा करेंगे।

जिला शिक्षा पदाधिकारी–सह–
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,
समग्र शिक्षा अभियान, जामताड़ा

PR 355900 Human Resource Developement (25-26)_D

E-Procurement cell Office of the Executive Officer
Nagar Parishad Mihijam, Jharkhand
Urban Development & Housing Department

NIT No. - 02/2025-26
e-procurement very short term notice (Double Bid- F2)Date:-25.06.2025

SL. NO	Head	E-TENDER REF NO.	NAME OF WORK	TENDER VALUE	TIME OF COMPLETION	EARNEST MONEY DEPOSIT	BID DOCUMENT FEES
1	Paribahan Vyabastha (P.V.)	NPM/F2/ 25-26/04	Construction of PCC Road under Nagar Parishad Mihijam	Rs. 24,67,700.00 (Rupees twenty four lakh sixty seven thousand seven hundred only)	4 months	Rs. 49,500.00 (Fourty nine thousand five hundred only)	Rs. 10,000.00 (Rupees Ten Thousand Only)
2	Paribahan Vyabastha (P.V.)	NPM/F2/ 25-26/05	Construction of PCC Road under Nagar Parishad Mihijam	Rs. 24,80,600.00 (Rupees twenty four lakh eighty thousand six hundred only)	4 months	Rs. 50,000.00 (Fifty thousand only)	Rs. 10,000.00 (Rupees Ten Thousand Only)
3	Nagrik Subidha (N.S.)	NPM/F2/ 25-26/06	Construction of RCC Drain under Nagar Parishad Mihijam	Rs. 24,70,800.00 (Rupees twenty four lakh Seventy thousand eight hundred only)	4 months	Rs. 49,500.00 (Fourty nine thousand five hundred only)	Rs. 10,000.00 (Rupees Ten Thousand Only)
4	Nagrik Subidha (N.S.)	NPM/F2/ 25-26/07	Construction of RCC Drain under Nagar Parishad Mihijam	Rs. 24,88,700.00 (Rupees twenty four lakh eighty eight thousand seven hundred only)	4 months	Rs. 50,000.00 (Fifty thousand only)	Rs. 10,000.00 (Rupees Ten Thousand Only)
5	Nagrik Subidha (N.S.)	NPM/F2/ 25-26/08	Construction of Drain from House of Madhav Mallick to House of Gopal Jee Via House of Satrudhan Rajak under Ward No. 18	Rs. 16,63,250.00 (Rupees Sixteen Lakh sixty three thousand two hundred fifty only)	4 months	Rs. 33,500.00 (Thirty three thousand five hundred only)	Rs. 10,000.00 (Rupees Ten Thousand Only)

1	Date of Publication of tender on website	26.06.2025
2	Closing date and time for receipt of tender on website	07.07.2025 at 11.30 hours
3	Opening date and time of opening of technical bid	08.07.2025 at 11.30 hours
4	Name and address of office inviting tender	Office of Executive Officer, Nagar Parishad Mihijam
5	Contact no of procurement officer	+91 7261817234
6	Helpline number of e-procurement cell	+91 7995890850

NOTE: AUTHORITY RESERVES THE RIGHT TO CANCEL TENDER WITHOUT SIGHTING ANY REASON THEREOF. FURTHER DETAILS CAN BE SEEN ON WEBSITE **HTTP://jharkhandtenders.gov.in**

Executive Officer
Nagar Parishad Mihijam

PR.NO.355936 Urban Development and Housing(25-26):D

गिरिडीह जिले के विभिन्न प्रखंडों में निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे जागरूकता अभियान

गिरिडीह : निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध आमजनों को जागरूक करने के उद्देश्य से गिरिडीह जिले के विभिन्न प्रखंडों में जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। साथ ही नुक्कड़ नाटक और एलईडी वाहन के माध्यम से प्रचार प्रसार का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में आज जिला सूचना एवं जनसंपर्क विभाग गिरिडीह के प्रांगण में मीडिया प्रतिनिधियों के साथ एक सेमिनार का आयोजन किया गया। आयोजित सेमिनार में प्रेजेंटेशन के माध्यम से मादक पदार्थों के रोकथाम, उपाय और इससे बचाव से जुड़ी जानकारी दी गई। साथ ही नशीले पदार्थों के सेवन से लोगों विशेषकर किशोरों, युवक व युवतियों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। सेमिनार में राज्य से उपलब्ध कराए गए मादक पदार्थों से संबंधित विडियोज, रील, पीपीटी आदि प्रदर्शित किए गए। जागरूकता के साथ ही लोगों को नशा छोड़ने के लिए शपथ भी दिलाई गई। इसके अलावा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भी नशामुक्ति के लिए जागरूक किया गया। नुक्कड़ नाटक गीत संगीत प्रस्तुत कर लोगों को नशा से सावधान रहने की अपील किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बताया गया कि सरकार नशा की लत छुड़ाने के लिए प्रभावित लोगों को समुचित इलाज की सुविधा भी दे रही है।जिला प्रशासन

इस दिशा में निरंतर प्रयासरत है और समाज के सभी वर्गों से सहयोग की अपेक्षा करता है : अंजना भारती

मौके पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, श्रीमती अंजना भारती ने सर्वप्रथम आयोजित सेमिनार में शामिल सभी पदाधिकारीगण और मीडिया प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। और कहा कि नशामुक्त समाज बनाने में आप सभी मीडिया प्रतिनिधियों का अहम योगदान है। आप सबके सकारात्मक भागीदारी और प्रयास से ही हमारा समाज नशामुक्त हो पाएगा। मीडिया जागरूकता बढ़ाने, गलत सूचनाओं को दूर करने और सकारात्मक बदलाव को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मीडिया के माध्यम से, लोगों को नशे के खतरों और इसके हानिकारक प्रभावों के बारे में शिक्षित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि नशा से से मानसिक एवं शारीरिक दोनों तरह की समस्याएं उत्पन्न होती हैं। इस सामाजिक बुराई के खिलाफ हमें मिलकर जागरूकता फैलानी होगी। जिला प्रशासन इस दिशा में निरंतर प्रयासरत है और समाज के सभी वर्गों से सहयोग की अपेक्षा करता है। उन्होंने सभी से अपील किया कि वे इस अभियान में सक्रिय भाग लें और नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाएं।

आज हम सभी नशामुक्त भारत अभियान के तहत संकल्प लें कि हम न केवल अपने परिवार, समुदाय, मित्रों को, बल्कि स्वयं को भी नशामुक्त बनाएंगे : जितेंद्र कुमार दुबे

सेमिनार में जिला सांख्यिकी पदाधिकारी, श्री जितेंद्र कुमार दुबे ने कहा कि नशा एक अभिशाप है, हरेक व्यक्ति को इससे से जागरूक होना चाहिए। उन्होंने कहा कि नशामुक्त भारत अभियान में युवाओं की अधिकतम भागीदारी आवश्यक है। आज हम सभी नशामुक्त भारत अभियान के तहत संकल्प लें कि हम न केवल अपने परिवार, समुदाय, मित्रों को, बल्कि स्वयं को भी नशामुक्त बनाएंगे, क्योंकि बदलाव की शुरुआत स्वयं से होती है। हम अपने जिला, राज्य और देश को नशामुक्त बनाने के लिए पूर्ण समर्पण के साथ प्रयास करेंगे। मौके पर खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने कहा कि नशामुक्त समाज में सबकी सकारात्मक भागीदारी आवश्यक है। मादक पदार्थों के रोकथाम के लिए सबसे आवश्यक है जागरूकता। जागरूकता अभियान चलाकर नशा पर काफी हद तक रोक लगाई जा सकती है। प्रचार-प्रसार के माध्यम से इसके दुष्प्रभाव के बारे में आमजनों को जागरूक किया जाय। नशा के विरुद्ध जागरूकता अभियान को जन-जन तक पहुंचाया जाय, जिससे लोगों में एक सकारात्मक बदलाव आ सकें और लोग इससे बच सकें। रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमैन, अरविंद कुमार ने बताया कि नशा एक सामाजिक बुराई है, इसका सेवन किसी भी प्रकार से हितकारी नहीं है। नशा के कारण लोगों की शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, आर्थिक स्थिति खराब हो जाती है। सरकार व जिला प्रशासन का प्रयास है कि नशा मुक्त अभियान से अधिक से अधिक लोग जुड़े, ताकि नशा मुक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाय। उन्होंने कहा कि नशा दुर्घटना, लड़ाई झगड़ा का भी एक बड़ा कारण है, नशा को लेकर बदलाव स्वयं से शुरू होना चाहिए। नशा में संलिप्त युवा आपराधिक गतिविधियों को भी अंजाम दे देता है , सभी को इसके लिए सकारात्मक प्रयास करना होगा ताकि इस सामाजिक बुराई को जड़ से खत्म किया जा सकें। आयोजित सेमिनार में शामिल पदाधिकारीगण और मीडिया प्रतिनिधि ने मादक पदार्थों के रोकथाम के विरुद्ध अपनी-अपनी बात रखी। इसके पश्चात हस्ताक्षर अभियान चलाकर लोगों को नशा छोड़ने का संदेश दिया गया। मौके पर प्रिंट व इलेट्रॉनिक मीडिया प्रतिनिधि के अलावा जनसंपर्क कार्यालय के अधिकारी/कर्मी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम सेल गिरिडीह के द्वारा जांच चलाया गया अभियान

गिरिडीह : झारखंड सरकार के द्वारा मादक पदार्थ से मुक्ति/नशामुक्ति को लेकर 10 जून से 26 जून तक चलाए जा रहे अभियान के तहत राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम सेल गिरिडीह के द्वारा जांच अभियान चलाया गया। इस क्रम में सार्वजनिक स्थल जैसे विद्यालय के 100 मीटर के दायरे में तम्बाकू एवम् तम्बाकू के अन्य उत्पादों को बेचने वाले कारोंबारियों के विरुद्ध सीओटीपीए-2003 के तहत अर्थदंड लगाया। एच.ई. हाई स्कूल के पास दो कारोंबारियों ,सर जे.सी. बोस बालिका विद्यालय के पास एवं रानी लक्ष्मीबाई , मकतपुर के पास एक कारोबारी के विरुद्ध एक हजार रुपए (1000/-) का चलान काटा गया।जांच अभियान में खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी गिरिडीह,पुलिस उपाधीक्षक,मुख्यालय -2, मोहम्मद कौशर अली एवं तम्बाकू कंट्रोल सेल कर्मी के नेतृत्व में अभियान चलाया गया

क्षेत्र के लोगों का कार्य समय पर हो : अभिजीत सिन्हा

दुमकाःउपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने प्रखंड सह अंचल कार्यालय जामा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आवास योजना, पंचायत के विकास कार्यों, आंगनवाड़ी, दीदी की दुकान, मनरेगा के कार्यों की जानकारी लेने के बाद अन्य जरूरी अभिलेख की जांच की। इस दौरान जनकल्याणकारी योजना को सुचारू रूप से करने का निर्देश दिया। कहा कि क्षेत्र के लोगों का कार्य समय पर हो। प्रखंड परिसर में पानी, बिजली, शौचालय एवं साफ-सफाई पर भी ध्यान देने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने आमजनों से मिलकर उनकी समस्याओं से अवगत हुए। प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देशित किया कि एक हेल्प डेस्क बनाए जिसमें मईया सम्मान योजना सहित अन्य योजनाएं संबंधी समस्याओं का समाधान किया जा सके। सूचना पट पर जानकारी प्रेषित करें कि किस कारणों से मईया सम्मान योजना की राशि रुक सकती है और उसके समाधान के लिए क्या करना है। प्रखंड कार्यालय के निरीक्षण के उपरांत उपायुक्त ने कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, जामा का निरीक्षण किया।

संक्षिप्त ख़बरें

बी.एड. सेमेस्टर-1 परीक्षा 2024 का परिणाम घोषित

दुमकाःसिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय द्वारा बी.एड. सेमेस्टर-1 परीक्षा 2024, सत्र 2024-26 का परिणाम बुधवार को घोषित कर दिया गया है। जिसमें कुल 1725 परीक्षार्थियों में से 99.19 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण घोषित किए गए हैं।परीक्षा नियंत्रक डॉ जयकुमार शाह ने बताया कि रिजल्ट विवि का आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी गयी है छात्र देख सकतें हैं।

शिक्षक संघ के सदस्यों ने दिवंगत सेत हांसदा को दिया श्रद्धांजलि

दुमकाः प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला महिला इकाई के अध्यक्ष स्मिता हांसदा के पिता का निधन 20 जून को देवघर के एक निजी अस्पताल में हो गया था। उनका रक्तचाप काफी लौ हो गया था। जिससे उनकी मृत्यु हो गई थी। इस अवसर पर अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के राष्ट्रीय काउंसलर एवं अन्य सदस्यों ने शिक्षक संघ में श्रद्धांजलि दी तथा भगवान से प्रार्थना किया कि उन्हें अपने चरणों में स्थान दें। स्मिता हांसदा के पिता स्वर्गीय सेत हांसदा भारत संचार निगम लिमिटेड दुमका में सब डिविजनल इंजीनियर के पद पर स्थापित थे, तथा वो दुमका से सेवानिवृत हुए थे मूल रूप से वह दुमका के रामगढ़ प्रखंड के सुसानिया गांव के थे अवसर पर डॉक्टर श्याम किशोर सिंह गांधी ने कहा कि वह बहुत ही सरल और सुशील व्यक्ति थे।उन्होंने अपने कार्यकाल से लेकर अभी तक बहुत सारी लड़कियों को दुमका से लेकर देवघर तक शिक्षा दिलाने का कार्य किया और वह एक सामाजिक के व्यक्ति भी थे। स्वर्गीय सेत हांसदा का जन्म 4 फरवरी 1991 में हुआ था। उपस्थित शिक्षक और शिक्षाकाओं ने कैंडल जलाकर तथा उनके फोटो पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया।इस अवसर पर जिला के प्रधान सचिव टुनटुन कुमार ,उपाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार सिंह, राजेश कुमार ,सुशांति टुडू ,गणेश प्रसाद साहा, कार्यकारी अध्यक्ष अश्वनी कुमार,अंजनी कुमार झा,अरमानिक मंडल,अजीत कुमार, वीरेंद्र कुमार सिंह,और राजीव नारायण गुप्ता आदि उपस्थित थे।

एक दिवसीय करियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन

दुमकाःविद्यार्थियों को करियर एवं शैक्षणिक पाठ्यक्रमों के चयन में मार्गदर्शन प्रदान करने के उद्देश्य से +2 जिला स्कूल में नियोजन कार्यालय की ओर से एक दिवसीय करियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया गया।इस सत्र में विशेषज्ञ काउंसलर ने छात्रों को विभिन्न शैक्षणिक विकल्पों, रोजगार की संभावनाओं एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी दी। छात्रों को उनके रुचि एवं क्षमता के अनुरूप करियर चुनने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि वे भविष्य में एक सशक्त एवं सुरक्षित आजीविका सुनिश्चित कर सकें।कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को जागरूक कर उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन देना था, जिससे वे भ्रमित न हों और अपने जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों को आत्मविश्वास के साथ ले सकें।इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण, नियोजन कार्यालय के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

ससमय कार्यालय में उपस्थित रहना सुनिश्चित करेंगे : उपायुक्त

दुमकाःजिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक में उपायुक्त अभिजीत सिन्हा द्वारा दिये गये निदेश के अनुपानल में अंचल अधिकारी, रानेश्वर के कक्ष में सभी कार्यालय अधीक्षक, लिपिक, राजस्व उप निरीक्षक/प्रभारी अंचल निरीक्षक, अंचल अमीन एवं कम्प्युटर ऑपरेटर के साथ बैठक किया गया। बैठक में निदेश दिया गया कि जिला कार्यालय/अनुमंडल कार्यालय, दुमका से प्राप्त लंबित प्रतिवेदन यथाशीघ्र तैयार कर जिला कार्यालय को भेजे। कम्प्युटर ऑपरेटर को निर्देशित किया गया कि पीएम किसान संबंधी प्रतिवेदन 70000 (सात हजार) लोट को सत्यापन कर दो दिनो के अन्दर भेजा जाय। भूमि सत्यापन प्रतिवेदन, भू-लगान बसूली, स्वतः संज्ञान लेना दाखिल-खारिज, दाखिल-खारिज कार्यों को तय समयसीमा के अन्दर निष्पादन करना सुनिश्चित किया जाए। एल एंड टी मेगालिफ्ट परियोजना जो इस अंचल से संबंधित अति महत्वपूर्ण परियोजना है।इससे संबंधित मुआवजा भुगतान, वंशावली सत्यापन एवं भूमि हस्तांतरण अभिलेख ससमय जिला में भेजना सुनिश्चित करें। सभी अंचल कर्मी बायोमेट्रीक उपस्थिति बनाए एवं ससमय कार्यालय में उपस्थित रहना सुनिश्चित करेंगे।

जमीनी स्तर पर सभी योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित कराएं : उपायुक्त

गिरिडीह : आज समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, रामनिवास यादव की अध्यक्षता में आपूर्ति विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं से सम्बन्धित समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। समीक्षा क्रम में उपायुक्त ने एनएफएसए और जेएसएफएसएस योजना के तहत खाद्यान्न का वितरण, चना दाल वितरण, मुख्यमंत्री दाल भात योजना, चीनी और नमक का वितरण, पीवीटीजी, जन वितरण प्रणाली, ग्रीन राशन कार्ड समेत विभिन्न योजनाओं के अद्यतन स्थिति का क्रमवार समीक्षा कर सम्बंधित पदाधिकारी को सरकार के कल्याणकारी योजनाओं से योग्य लाभुकों को स-समय लाभान्वित करने के निर्देश दिए। बैठक में उपायुक्त ने एनएफएसए के तहत खाद्य वितरण की जानकारी लेते हुए लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही जेएसएफएसएस के तहत किए अनाज वितरण की जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। ई केवाईसी में तेजी लाएं और शत प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करें। इसके अलावा ईआरसीएमएस के तहत प्रखंडवार किये गए कार्यों की जानकारी लेते हुए उन्होंने सभी लंबित आवेदनों का ससमय निष्पादन करने का निर्देश दिया। इसी क्रम में यूआईडी सीडिंग कार्य को लेकर उन्होंने अविलंब कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। बैठक में मुख्यमंत्री दाल भात योजना के तहत जिले में कार्य कर रहे विभिन्न दाल भात केंद्रों द्वारा किए जा रहे कार्यों कि जानकारी लेते हुए उन्होंने आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके साथ ही सभी पी.वी.टी.जी परिवार को प्रति माह समय पर अनाज का आहार उपलब्ध हो यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में उपरोक्त के आलावा जिला आपूर्ति पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी सहायक गोदाम प्रबंधक समेत संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में सीएसआर व अनटाइड फंड डीएमएफटी से संबंधित महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

गिरिडीह : आज समाहरणालय सभाकक्ष में उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, रामनिवास यादव की अध्यक्षता में (डीएमएफटी), सीएसआर व अनटाइड फंड से संबंधित महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस दौरान उपायुक्त ने डीएमएफटी द्वारा क्रियान्वित विभिन्न योजनाओं के तहत किये जा रहे कार्यो के अद्यतन स्थिति की जानकारी ली एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया कि सारे कार्यों को गुणवत्तापूर्ण तरीके से निर्धारित समय से पूर्ण करायें। आगे उपायुक्त ने अबतक चयनित योजनाओं के साथ-साथ उनकी कार्य प्रगति की जानकारी प्राप्त की। साथ ही उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निदेश दिया कि निर्माणाधीन कार्यों को अविलंब पूर्ण कराएं, ताकि सारे कार्यो का जिला स्तर से निरीक्षण किया जा सके। इसके अलावा उन्होंने सीएसआर एवं अनटाइड फंड के तहत संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन को सुनियोजित तरीके से पूर्ण करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि सीएसआर मद का इस्तेमाल स्वास्थ्य, शिक्षा समेत अन्य क्षेत्रों में प्राथमिकता के साथ किया जाएगा। जिससे सीएसआर मद का अच्छे से उपयोग किया जा सके। साथ ही उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए विकास योजनाओं के कार्यों पारदर्शिता लाने तथा गुणवत्ता पूर्ण कार्य करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट के तहत प्रभावित क्षेत्रों के बेहतर विकास हेतु जितने भी योजनाओं का चयन किया जाता है सभी का चयन पारदर्शी तरीके से किया जाय, ताकि खनिज प्रभावित उन क्षेत्रों में वहा के परिवेश के अनुसार योजनाओं का चयन किया जाय एवम सही विकास हो सके। आगे उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निदेशित करते हुए कहा कि डीएमएफटी की राशि को प्राथमिकता के साथ खर्च किया जाय। प्राथमिकता वाले क्षेत्रों यथा-पेजलापूर्ति, स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट, महिला शिक्षा आदि पर खर्च किया जाय। साथ ही योजनाओं का चयन पारदर्शी तरीके से ग्रामीणों व जनप्रतिनिधियों के सहयोग से किया जाय। बैठक में उपरोक्त के अलावे उप विकास आयुक्त, जिला योजना पदाधिकारी, विभिन्न कंपनी के प्रतिनिधि के अलावा संबंधित विभागों के कार्यपालक अभियंता, डीएमएफटी के सभी अधिकारी के साथ-साथ संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

जनता दरबार में एक कुष्ठ रोगी को मिला तुंरत दवा

दुमकाःमसलिया प्रखंड सह अंचल सभागार में आयोजित जनता दरबार में प्रशासन ने कुष्ट रोगी के उपचार के लिए त्वरित दवा उपलब्ध कराया गया. इस अवसर पर बीडीओ मो अजफर हसनैन,सीओ रंजन यादव,उपप्रमुख षष्टी पद नंदी,दिनेश दत्ता मुख्यरूप से मौजूद रहे.आज के जनता दरबार मे कुष्ठ रोग से पीड़ित एक व्यक्ति अपनी समस्या लेकर दरबार में पहुंचे. मामले को गंभीरता से लेते हुए बीडीओ मो अजफर हसनैन ने तत्परता दिखाते हुए कुष्ठ निवारण कर्मी को निर्देशित किया कि संबंधित व्यक्ति को तुरंत दवा उपलब्ध कराई जाए एवं उनकी देखभाल की व्यवस्था सुनिश्चित हो.जनता दरबार में मौजूद स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों ने मौके पर ही लोगों को कुष्ठ रोग के लक्षण, बचाव एवं उपचार के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा जनजागरूकता का संदेश दिया कि यह रोग पूरी तरह से इलाज योग्य है, इससे डरने की नहीं बल्कि समय पर जांच व इलाज कराने की जरूरत है.

उपायुक्त ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण

दुमकाःउपायुक्त अभिजीत सिन्हा के निदेशानुसार प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, रानीश्वर राजेश कुमार सिन्हा द्वारा प्रखण्ड परिसर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रानीश्वर का औचक निरीक्षण किया गया।सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का रंगाई-पुताई का कार्य चल रहा था। इस संबंध में स्वास्थ्य केन्द्र के प्रधान सहायक विश्वजीत गोराई से पूछताछ करने पर उनके द्वारा बताया गया कि इस विषय में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। स्वास्थ्य केन्द्र के ही डिलींग क्लर्क मोनिका मुर्मू से पूछताछ करने पर उनके द्वारा बताया गया कि इस विषय में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। रंगाई-पुताई का कार्य किस फंड से किया जा रहा है, कितनी राशि का यह कार्य है और किस एजेंसी को वर्क ऑर्डर निर्गत किया गया है, इस संबंध में भी किसी के द्वारा कोई जानकारी नहीं दिया गया।स्वास्थ्य केन्द्र में उपस्थित कर्मियों द्वारा बताया गया कि प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी विभागीय कार्य से राँची गये है। रंगाई-पुताई का कार्य करवा रहे मुज्जफर अंसारी नामक व्यक्ति द्वारा बताया गया कि विगत 15 दिनों से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का साफ-सफाई, दों कोट कलर आदि का कार्य उनके द्वारा कराया जा रहा है और यह कार्य कराने का निदेश उन्हें दुमका के सोनू नाम के व्यक्ति द्वारा दिया गया है। जब सोनू नामक व्यक्ति से मोबाईल पर सम्पर्क किया गया तो उनके द्वारा बताया गया कि उनके पास कोई वर्क ऑर्डर नहीं है, बिमल कुमार गुप्ता नामक व्यक्ति के कहने पर यह कार्य उनके द्वारा कराया जा रहा है। इस संबंध में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी रानीश्वर से विस्तृत जानकारी कार्यालय पत्रांक के माध्यम से किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त विगत दो वित्तीय वर्षों से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, रानीश्वर को प्राप्त सभी प्रकार के आवंटनों की जानकारी और किये गये व्यय की जानकारी भी मांगा जा रहा है। जानकारी प्राप्त होने के उपरान्त अग्रतर कारवाई किया जायेगा ।इसके अतिरिक्त उपस्थिति पंजी का निरीक्षण करने पर परिवार कल्याण कार्यकर्ता जयदीप कुमार गुप्ता 21.06.2025 से अनुपस्थित पाये गये। श्री गुप्ता की अनुपस्थिति के संबंध में भी किसी भी कर्मी के द्वारा कोई उत्तर नहीं दिया गया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, रानीश्वर की अनुपस्थिति में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र को देख-रेख करने के लिए किस चिकित्सा पदाधिकारी को प्रभारी बनाया गया है, इस विषय में भी प्रधान सहायक विश्वजीत गोराई द्वारा कोई जानकारी नहीं दिया गया। इस संबंध में भी अनुपस्थित कर्मी जयदीप कुमार गुप्ता को स्पष्टीकरण करने के साथ-साथ अन्य विषयों की भी जानकारी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी से मांगा जा रहा है।

ग्राहक जागरूकता एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

दुमकाःअखिल भारतीय ग्राहक पंचायत दुमका के तहत मसलिया प्रखंड के कन्या मध्य विद्यालय में ग्राहक जागरूकता एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रमुख बासुदेव टुडू ने किया.इस अवसर पर प्रांत सचिव डॉ अमूल्य कुमार पाल,प्रमुख बासुदेव टुडू,उप प्रमुख षष्टी पद नंदी, डॉ कौशल कुमार ,दिनेश दत्ता, खुदीराम नंदी,नेहा सिंह,स्वपन दत्ता,ऋषव गण,शिक्षक रूपेश मिश्रा आदि ने फलदार पौधा का रोपण किया. इस सम्बंध में डॉ पाल ने कहा आज के दौर में उपभोक्ता हर कदम पर ठगी का शिकार हो रहा है.यदि उपभोक्ता सजग नहीं होगा, तो उसका शोषण लगातार होता रहेगा. प्रत्येक व्यक्ति को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए.जिला उपाध्यक्ष नेहा सिंह ने पर्यावरण पर बल देते हुए कहा कि,आज पर्यावरण हमारे जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है, जिसे संरक्षित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है.प्रमुख टुडू ने कहा वृक्ष लगाना न केवल पर्यावरण की रक्षा करता है, बल्कि यह हमारा नैतिक दायित्व भी है. विधार्थियों को कहा कि प्रत्येक बच्चे को अपने अपने घरों में कम से कम एक पेड़ लगाये और वृक्षो का देखभाल करे.कार्यक्रम के दौरान विद्यालय में भाषण एवं चित्रांकन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया.

भाषण प्रतियोगिता में शिवम दत्ता प्रथम स्थान

अदिति नंदी द्वितीय एवं बेबी दे तृतीय स्थान प्राप्त की.चित्रांकन प्रतियोगिता में गोपाल सेन प्रथम,प्रिया किस्कू द्वितीय एवं केया नंदी तृतीय स्थान प्राप्त किया. क्रमशः प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों के पुरस्कृत किया गया.

आपातकाल केवल एक राजनीतिक घटना नहीं, भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान पर सबसे बड़ा हमला था : अमर कुमार

आपातकाल विरोधी आंदोलन में भाग लेने वाले आंदोलनकारियों को किया गया अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित

दुमकाःभारतीय जनता पार्टी जिला इकाई दुमका द्वारा देश के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले अध्याय आपातकाल के 50वें वर्ष पर आपातकाल : लोकतंत्र पर सबसे बड़ा हमला विषय पर एक विचार गोष्ठी (सेमिनार) सह प्रदर्शनी का आयोजन अग्रसेन भवन में किया गया।इस अवसर पर पूर्व मंत्री सह पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, पूर्व राज्यसभा सांसद अभयकांत प्रसाद, दुमका के पूर्व सांसद सुनील सोरेन एवं भाजपा जिलाध्यक्ष गौरवकांत समेत अनेक वरिष्ठ नेता मंचासीन रहे।अपने संबोधन में अमर कुमार बाउरी ने कहा कि आपातकाल केवल एक राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक मूल्य और संविधान पर सबसे बड़ा हमला था। यह कांग्रेस की तानाशाही मानसिकता का प्रमाण है, जिसने देश की जनता की आवाज को दबाने का प्रयास किया। हमें इस दिन को केवल याद ही नहीं करना है, बल्कि इससे सबक लेकर आने वाली पीढ़ी को लोकतंत्र की रक्षा के लिए जागरूक करना है।पूर्व राज्यसभा सांसद अभयकांत प्रसाद ने कहा कि आपातकाल का विरोध केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि नैतिक और वैचारिक आंदोलन था। हजारों देशभक्तों ने जेलें भरीं, यातनाएं सहीं लेकिन लोकतंत्र से समझौता नहीं किया। आज भारतीय जनता पार्टी उन्हीं बलिदानों की विरासत को आगे बढ़ा रही है।कार्यक्रम के दौरान आपातकाल विरोधी आंदोलन में भाग लेने वाले आंदोलनकारियों राधेश्याम वर्मा, प्रेम केसरी, मनोहर केसरी, राजेंद्र सिंह, शिव शंकर चौधरी, प्रभात चंद्र लायक, मदन प्रसाद रजक, अफजल अहमद खान, सूर्यकांत शुक्ला आदि को अमर कुमार बाउरी द्वारा अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर आपातकाल की घटनाओं पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें उस समय के अखबारों की कतरनें, दुर्लभ दस्तावेज़ और तस्वीरें प्रदर्शित की गईं, जिससे युवाओं को उस दौर की भयावहता का सीधा अनुभव हो सके।कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष गौरवकांत ने की, जबकि मंच संचालन जिला महामंत्री डॉ पवन केसरी ने किया। कार्यक्रम में भाजपा के जिला व मंडल पदाधिकारी, मोर्चा प्रमुख, वरिष्ठ कार्यकर्ता, बुद्धिजीवी वर्ग एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे।

1962 पर कॉल कर मोबाइल वेटनरी वैन की सुविधा लें

दुमकाःजिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ. अवधेश कुमार सिंह ने जानकारी दी है कि जिले में कुल 11 मोबाइल वेटनरी वैन उपलब्ध हैं। इनमें से प्रत्येक प्रखंड में 1-1 वैन तथा जिला मुख्यालय में 2 वैन तैनात की गई हैं, जिससे पशुपालकों को त्वरित पशु-चिकित्सा सहायता प्रदान की जा सके।डॉ. सिंह ने बताया कि यदि कोई पशु बीमार हो जाए या किसी दुर्घटना में घायल हो, तो टोल फ्री नंबर 1962 पर कॉल करके सहायता प्राप्त की जा सकती है। कॉल करने पर संबंधित प्रखंड की वैन डॉक्टर एवं आवश्यक दवाइयों के साथ न्यूनतम समय में पशुपालक के स्थान पर पहुंचेगी।यह सुविधा पशुओं के जीवन की रक्षा एवं पशुपालकों की सहायता के उद्देश्य से संचालित की जा रही है, ताकि समय पर इलाज मिल सके और पशुधन की हानि को रोका जा सके।

यूएमएस शिकारपुर में शिक्षक-अभिभावक बैठक को रूचिकर बनाने के लिए प्रतियोगिता आयोजित

दुमकाःमसलिया प्रखंड क्षेत्र के शिकारपुर उत्क्रमित मध्य विद्यालय में मंगलवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक को रुचिकर बनाने के लिए अभिभावकों के बीच प्रतियोगिता का आयोजन किया. बैठक के उपरांत अभिभावकों के बीच गोली चम्मच खेल प्रतियोगिता आयोजित किया गया. जिसमें प्रथम स्थान पर गुड़िया देवी, द्वितीय स्थान पर काजली देवी तथा तृतीय स्थान पर पार्वती देवी रही. सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया गया. साथ ही सभी प्रतिभागियों को भी सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया. प्रतियोगिता का आयोजन कराना के उद्देश्य शिक्षक अभिभावक बैठक में अभिभावकों की उपस्थिति बढ़ाना है. बच्चों के उपस्थित ,शैक्षिक विकास आदि पर अभिभावकों से चर्चा किया गया.इस मौके पर विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक जयदेव मरांडी, सुनील कुमार पांडेय, गौरव कुमार यादव,वि प्र समिति के अध्यक्ष सुरेश बास्की, प्रतिमा देवी,चन्दन पांडेय सहित भारी संख्या में अभिभावक उपस्थित थे।

ये बिहार है यहां कुछ भी हो सकता है : मौत से एक दिन पहले थमा दी पोस्टमार्टम रिपोर्ट

सासाराम,(ईएमएस)। बिहार इन दिनों काफी एडवांस हो गया है। खासतौर से पोस्टमार्टम के मामले में इतना एडवांस है कि मौत के एक दिन पहले ही पोस्टमार्टम रिपोर्ट परिजनों को सौंप दी जाती है।मामला ऐसा है कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा मौत के एक दिन पहले ही एक व्यक्ति का पोस्टमार्टम रिपोर्ट तैयार किया गया है। मामला बिक्रमगंज थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है। बताया जाता है कि गत 16 मई 2025 को बिक्रमगंज के धनगाई निवासी सत्यनारायण गुप्ता की सड़क हादसे में मौत हो गई थी।सड़क हादसा बिक्रमगंज-नटवार रोड स्थित एसडीओ आवास के समीप शाम सात बजे हुई थी। घटना में घायल को उसके पुत्र विजय कुमार गुप्ता ने उसी दिन यानी 16 मई की रात नौ बजे जमुहार स्थित नारायण मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया था। छह दिनों तक यानी 21 मई तक उनका इलाज चला। इसके बाद 22 मई की सुबह में उनकी मौत हो गई। इसके बाद 22 मई को ही शव को नारायण मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल जमुहार पुलिस चौकी द्वारा पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम अनुरोध पत्र के साथ भेजा गया। जहां 22 मई को ही सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम हुआ।वहीं मृतक के पुत्र ने पोस्टमार्टम हाउस से पिता के शव को विधिवत रूप से लिखित रसीद के साथ प्राप्त किया था। लेकिन, जब पोस्टमार्टम रिपोर्ट जारी होने की बात आई तो मृतक का पोस्टमार्टम रिपोर्ट एक दिन पहले यानी 21 मई 2025 की तिथि में तैयार किया गया था। जबकि 21 को सत्यनारायण जीवित थे। इसके बाद से स्वास्थ्य विभाग एक बार कटघरे में है। वहीं मामला सिविल सर्जन, डीएम से लेकर स्वास्थ्य विभाग के सचिव सहित स्वास्थ्य मंत्रालय भारत सरकार के सचिव तक पहुंच गया।पीड़ित द्वारा गलत तिथि में पोस्टमार्टम रिपोर्ट तैयार करने की साक्ष्य के साथ जानकारी दी गई है। वहीं गलत तिथि में पोस्टमार्टम रिपोर्ट तैयार होने पर मृतक के पुत्र को परेशानियों का भी सामना करना पड़ रहा है। उन्हें पिता के प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत दुर्घटना बीमा की क्लेम समय पर फाइल करने में बाधा उत्पन्न हो रही है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के कारण गलत तिथि में पोस्टमार्टम रिपोर्ट तैयार की गई है। इससे काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। डीएम उदिता सिंह ने कहा मैं अवकाश पर हूं।

आपातकाल का विरोध करने वाले अब इमरजेंसी थोपने वालों के साथ : शाहनवाज हुसैन

औरंगाबाद : पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने कांग्रेस और राजद पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जो लोग कभी आपातकाल का विरोध करते थे, आज वही लोग उस आपातकाल थोपने वालों के साथ खड़े हैं। भाजपा द्वारा आयोजित कांग्रेस द्वारा लगाए गए आपातकाल के काले अध्याय के 50 वर्षविषयक संगोष्ठी में बोलते हुए उन्होंने कहा कि बिहार की जनता आने वाले विधानसभा चुनाव में ऐसे स्वार्थी गठबंधन को सबक सिखाएगी। शाहनवाज हुसैन ने कहा कि कांग्रेस ने 1975 में संविधान को कुचलते हुए देश पर आपातकाल थोपा था और अब वही कांग्रेस भाजपा पर संविधान बदलने का झूठा आरोप लगाती है। उन्होंने कहा कि जिन्होंने देश में लोकतंत्र को कुचल कर इमरजेंसी लगाई, वे लोग अब संविधान की रक्षा की बातें करते हैं। उन्हें संविधान की दुहाई देना शोभा नहीं देता। उन्होंने कहा कि भाजपा और एनडीए की सरकार में संविधान पूरी तरह सुरक्षित है। भाजपा बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान की सच्ची रक्षक है और रहेगी। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पर भी निशाना साधते हुए कहा कि जो नेता आपातकाल का विरोध करते थे, आज वे उसी कांग्रेस की गोद में बैठे हैं जिसने देश पर आपातकाल थोपा था। उन्होंने कहा कि यह दिन केवल आपातकाल को याद करने का नहीं, बल्कि लालू प्रसाद के जंगलराज को भी याद करने का दिन है। आज इमरजेंसी लगाने वाले और जंगलराज चलाने वाले साथ-साथ हैं। ऐसे लोगों से सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने आरोप लगाया कि लालू प्रसाद एक ओर तो संविधान की दुहाई देते हैं, लेकिन दूसरी ओर संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर की तस्वीर अपने पैरों के नीचे रखवाते हैं। ऐसे लोगों के मुंह से संविधान की रक्षा की बात महज ढकोसला है। शाहनवाज हुसैन ने कहा कि 1975 में इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल के दौरान देशवासियों पर अंग्रेजों से भी बड़ा जुल्म किया गया। उन्होंने कहा कि जिस तरह हम स्वतंत्रता संग्राम को याद करते हैं, उसी तरह इमरजेंसी के काले दिनों को भी याद करना जरूरी है। भाजपा हर साल इस दिन को मनाकर देशवासियों को उस अन्याय की याद दिलाती रहेगी। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता सब कुछ देख रही है। अब समय आ गया है कि जो लोग इमरजेंसी थोपने वालों के साथ हैं और सत्ता के लिए किसी भी समझौते को तैयार हैं, उन्हें विधानसभा चुनाव में करारा जवाब दिया जाए।

संक्षिप्त ख़बरें

बिहार चुनाव को लेकर बड़ा फैसला, अब लाइसेंसी हथियार वाले को हर महीने मिलेगी मात्र 50 गोली मिलेगी

पटना, (ईएमएस)। बिहार में हाल के महीनों में आग्नेयास्त्रों से जुड़े अपराधों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है. हत्या, लूट, डकैती, रंगदारी और गैंगवार जैसी घटनाओं में प्रयुक्त हथियारों की जांच करने पर सामने आया कि इनका बड़ा हिस्सा अवैध है या फर्जी दस्तावेजों के आधार पर खरीदा गया है। जैसे पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, किशनगंज, सुपौल और मधुबनी में नेपाल की सीमा के कारण हथियारों की तस्करी आसान हो जाती है। इसके अलावा झारखंड और उत्तर प्रदेश से अगर गोली एवं कारतूस की तस्करी होती है। एसटीएफ की टीम ने जो डाटा पुलिस मुख्यालय को दिया है उसमें बिहार के कई जिलों में इस तरीके के गोली की बरामदगी हुई है। इसलिए अब बिहार विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष बनाने के उद्देश्य से सरकार ने अवैध हथियारों और कारतूस की ब्लैक मार्केटिंग पर कड़ा कदम उठाते हुए लाइसेंसधारियों की समीक्षा, गोली की सीमा तय करने और डिजिटल रिकॉर्ड अनिवार्य करने जैसे सख्त उपायों के जरिए राज्य में कानून-व्यवस्था मजबूत करने की तैयारी तेज हो गई है। दरअसल तीन दिन पहले कैमूर पुलिस ने भारी मात्रा में कारतूस बरामद किया है। रविवार को बिहार एसटीएफ ने उत्तर प्रदेश से बिहार आ रहे ब्रेजा कार को रोका था. तलाशी के क्रम में डिक्की में गुप्त रूप से प्लास्टिक के पैकेट में प्लास्टिक टेप से छुपा कर 64 पैकेट रखे हुए थे। जांच के क्रम में इसमें से 3700 कारतूस जिसमें केएफ8एमएम और एचपीम25 लिखी हुई गोली बरामद हुई थी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 101 सहायक वास्तुविदों को दिया नियुक्ति पत्र

पटना, (ईएमएस)। बुधवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने संवाद परिसर में आयोजित समारोह के दौरान बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) से चयनित 101 सहायक वास्तुविदों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं दीं और राज्य के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ बनाने में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा एवं विकास आयुक्त प्रत्यय अमृत उपस्थित थे। भवन निर्माण मंत्री जयंत राज ने कहा मुख्यमंत्री के नेतृत्व में कई आईकोनिक भवन बनाए गए हैं जिसमें वास्तुविदों की प्रमुख भूमिका रही है। इन नये वास्तुविदों की नियुक्ति के बाद सरकार की परिकल्पना के अनुसार और भी बेहतर भवनों का निर्माण होगा तथा बिल्डिंग बाइलॉज के अनुसार भवनों के निर्माण में बेहतर अनुश्रवण हो सकेगा। मंत्री जयंत राज ने कहा कि राज्य में बड़े पैमाने पर हो रहे निर्माण कार्यों के अनुश्रवण के लिए वास्तुविदों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए भवन निर्माण विभाग अंतर्गत नए सिरे से वास्तुविद सेवा संवर्ग का गठन किया गया है। नवनियुक्त वास्तुविदों की सेवा भवन निर्माण विभाग के अतिरिक्त गृह विभाग, नगर विकास एवं आवास विभाग, शिक्षा विभाग, पथ निर्माण विभाग, पर्यटन विभाग, उद्योग विभाग के अंतर्गत निगमों तथा प्राधिकरणों में स्वीकृत पदों के अनुरूप सौंपी जाएगी।

एक महीने से लापता है पूर्व न्यायाधीश अब तक नहीं मिला कोई सुराग

पटना, (ईएमएस)। 80 वर्षीय रिटायर्ड जिला एवं सत्र न्यायाधीश बिंदेश्वरी प्रसाद यादव बीते 15 मई से पटना से लापता हैं। उनके बेटे और पटना हाईकोर्ट के अधिवक्ता अनिल कुमार ने अपने पिता को ढूंढने के लिए अब पटना हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। अनिल ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर मामले की गहन जांच और विशेष जांच दल के गठन की मांग की है। एक महीने बीत जाने के बावजूद कोई सुराग नहीं मिलने से परिवार की चिंता बढ़ती जा रही है। परिजनों का कहना है कि बिंदेश्वरी प्रसाद यादव 15 मई 2025 को पटना के कौटिल्य नगर स्थित अपने रिश्तेदार के घर से अचानक लापता हो गए। परिवार ने हर संभव प्रयास किया लेकिन उनकी कोई जानकारी नहीं मिली। 22 मई को पटना के एयरपोर्ट थाने में इस संबंध में प्राथमिकी भी दर्ज करवाई गई। अनिल कुमार ने याचिका में बताया है कि उन्होंने और उनके परिवार ने अपने स्तर पर पिता को खोजने की हर संभव कोशिश की। जिसमें स्थानीय पुलिस, रिश्तेदारों और अन्य माध्यमों का सहारा लिया गया लेकिन अबतक कोई सफलता नहीं मिली। अब परिवार ने हाईकोर्ट से निष्पक्ष और गहन जांच की मांग की है ताकि रिटायर्ड जज का पता लगाया जा सके। अनिल कुमार ने अपनी याचिका में पिता के लापता होने की परिस्थितियों का विस्तृत विवरण दिया है। उन्होंने बताया कि उनके पिता 80 साल के हैं और लंबे समय तक न्यायिक सेवा में रहे।

प्रशासनिक सेवा के दर्जनभर से अधिक अधिकारियों का तबादला

पटना, (ईएमएस)। बिहार में चुनावी साल में तबादलों का सिलसिला बरकरार है। एक बार फिर राज्य सरकार ने बिहार प्रशासनिक सेवा के 14 अधिकारियों का तबादला किया है और उन्हें नई जगह पर नियुक्ति दी गई है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा तबादले की अधिसूचना जारी कर दी गई है। जारी अधिसूचना के अनुसार वरीय उपसमाहर्ता पटना ब्रजकिशोर लाल को उपविकास आयुक्त सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी जिलापरिषद, नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार सारण, छपरा के भू अर्जन पदाधिकारी संजीव कुमार सिंह को मुजफ्फरपुर का जिला आपूर्ति पदाधिकारी, सहरसा के अधिसूचित जिला भू अर्जन पदाधिकारी संजीव कुमार को अरवल का अनुमंडल पदाधिकारी, जमुई के वरीय उपसमाहर्ता शशांक वर्णमाल को कटिहार सदर का भूमि सुधार उप समाहर्ता, औरंगाबाद के वरीय उपसमाहर्ता मोहित आनंद को धमदाहा पूर्णिया का भूमि सुधार उप समाहर्ता समेत कुल 14 अधिकारियों का तबादला किया गया है और उन्हें नई जगह पर नियुक्ति दी गई है।

बिहार में अब जिला स्तर पर ही होगा शिक्षकों की समस्या का समाधान : शिक्षा विभाग

पटना, (ईएमएस)। शिक्षा विभाग ने बिहार के लाखों शिक्षकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए एक व्यापक दिशा-निर्देश जारी किया है। अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने सभी जिलाधिकारियों और जिला शिक्षा पदाधिकारियों को पत्र लिखकर निर्देश दिया है कि शिक्षकों की शिकायतों का समाधान स्थानीय स्तर पर ही किया जाए। उन्होंने कहा कि अक्सर शिक्षक छोटी-छोटी समस्याओं को लेकर सीधे राज्य मुख्यालय पहुंच जाते हैं, जिससे उन्हें व्यक्तिगत परेशानी होती है और सरकारी कामकाज भी बाधित होता है। बिहार में शिक्षा विभाग के तहत लगभग 10 लाख शिक्षक कार्यरत हैं। यदि इनमें से केवल एक प्रतिशत भी अपनी समस्याएं लेकर मुख्यालय पहुंचे तो यह संख्या 10,000 तक पहुंच जाएगी, जिससे प्रशासनिक व्यवस्था चरमरा सकती है। इस समस्या को ध्यान में रखते हुए विभाग ने ई-शिक्षाकोष पोर्टल को और अधिक सशक्त बनाया है. इस पोर्टल के माध्यम से शिक्षक वेतन, अवकाश, स्थानांतरण, भ्रष्टाचार और अन्य मुद्दों से संबंधित शिकायतें ऑनलाइन दर्ज करा सकते हैं। डॉ. सिद्धार्थ ने स्पष्ट किया है कि जिला स्थापना समिति, जिसकी अध्यक्षता जिलाधिकारी करते हैं, शिक्षकों की समस्याओं का केस-टू-केस आधार पर निराकरण करेगी. केवल अत्यंत गंभीर और अंतर-जिला मामले ही राज्य स्तर पर विचार के लिए भेजे जाएंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षकों को सीधे मुख्यालय आने के बजाय पहले जिला स्तर पर शिकायत दर्ज करानी चाहिए। दरअसल हाल ही में शिक्षकों के स्थानांतरण को लेकर कई शिकायतें सामने आई हैं। विभाग के अपर मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया है कि कैंसर, गंभीर बीमारी, दिव्यांगता, पति-पत्नी का स्थानांतरण और विधवा शिक्षिकाओं से संबंधित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाएगा। इन शिकायतों को भी पहले जिला स्तर पर ही दर्ज कराने का निर्देश दिया गया है। शिक्षा विभाग ने शिक्षकों और छात्रों के खिलाफ भ्रष्टाचार, यौन उत्पीड़न और दुर्व्यवहार की शिकायतों को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए हैं। ऐसी शिकायतें ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर दर्ज की जा सकती हैं और इनकी त्वरित जांच की जाएगी। ऐसे मामलों में कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। एस सिद्धार्थ ने यह भी कहा है कि शिक्षक स्कूलों में बेंच-डेस्क की कमी, शौचालय, बिजली, पानी, स्मार्ट क्लास और भवन संबंधी समस्याओं की भी शिकायत कर सकते हैं। विभाग ने जिलाधिकारियों से कहा है कि वे इन मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर हल करें ताकि शिक्षा का वातावरण बेहतर बन सके। चिकित्सा आपात स्थिति या जानलेवा खतरे जैसे मामलों में शिकायतकर्ता को तुरंत राहत दी जाएगी। विभाग ने कहा कि ऐसे मामलों में लालफीताशाही नहीं की जाएगी और तत्काल निर्णय लिया जाएगा। कई शिक्षकों ने लंबित वेतन, गलत वेतन गणना और अवकाश स्वीकृति में देरी की शिकायत की है। एस सिद्धार्थ ने निर्देश दिया है कि ऐसी शिकायतों को 15 दिनों के भीतर निपटाया जाए। अगर कोई अधिकारी लापरवाही करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। यदि किसी शिक्षक के खिलाफ अनियमितता, गैर-हाजिरी या छात्रों के साथ दुर्व्यवहार की शिकायत मिलती है तो उसकी जांच जिला स्तर पर ही की जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा है कि निर्दोष शिक्षकों को परेशान नहीं किया जाएगा लेकिन दोषी पाए जाने वालों को सख्त सजा दी जाएगी।

हर शनिवार जनता दरबार में सुनी जाएंगी शिकायतें

शिक्षा विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि प्रत्येक शनिवार को जनता दरबार आयोजित किया जाता है, जहां शिक्षक और आम नागरिक अपनी समस्याएं सीधे अधिकारियों के सामने रख सकते हैं। इसके बावजूद यदि शिकायतों का समाधान नहीं होता है तो शिक्षक कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में शिकायत दर्ज करा सकते हैं। हालांकि विभाग ने जिला अधिकारियों से कहा है कि वे शिकायतों को गंभीरता से लें, ताकि शिक्षकों को मुख्यालय आने की नौबत न आए।बहरहाल शिक्षा विभाग का यह कदम बिहार में शिक्षकों और प्रशासन दोनों के लिए फायदेमंद साबित होने की उम्मीद है। यदि शिकायतों का निवारण जिला स्तर पर ही हो जाएगा तो शिक्षकों का समय और ऊर्जा बचेगी और विभागीय कार्यप्रणाली भी सुचारू रूप से चलती रहेगी।

बिहार में आकाशीय बिजली से 5 लोगों की मौत

पटना (ईएमएस)। बिहार में बीते 8 दिनों से मानसून सक्रिय है। बुधवार को पटना, जमुई, नवादा में तेज बारिश हुई है। मौसम विभाग ने राज्य के 28 जिलों के लिए बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं, 10 जिलों में मौसम सामान्य बना रहेगा। मौसम विभाग के मुताबिक, आने वाले चार दिनों में अधिकतम तापमान 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। हालांकि, न्यूनतम तापमान में अगले 5 दिनों के दौरान कोई खास परिवर्तन नहीं होने की संभावना है। वहीं बिहार में आकाशीय बिजली से 5 लोगों की मौत हो गई। 7 लोग झुलसे हैं। बक्सर जिले के पुराने भोजपुर में ठनका गिरने से 1 बच्ची की मौत हो गई। केसठ में 2 युवक गंभीर रूप से झुलस गए।गया के बांकेबाजार प्रखंड के वैरी वनवास गांव में वज्रपात से 15 साल के लड़के की मौत हो गई। 3 बच्चे झुलस गए। बच्चे जामुन के पेड़ के नीचे खेल रहे थे। तभी अचानक बिजली गिरी।औरंगाबाद के वन गांव में धान के बिचड़े को देखने गया युवक ठनका की चपेट में आ गया। उसकी मौत हो गई। वहीं वासुदेवपुर चंदेल में 35 साल की महिला की मौत हो गई।

पहली बार वज्रपात न्यूनीकरण कार्यक्रम की शुरुआत यूएनडीपी के सहयोग से राज्य आपदा विभाग की ठोस पहल

सासाराम : बिहार में वज्रपात से होने वाली जानमाल की क्षति को कम करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (बीएसडीएमए) ने संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) इंडिया के सहयोग से 'वज्रपात न्यूनीकरण कार्यक्रम' की शुरुआत की है। इस कार्यक्रम की पहली पहल रोहतास जिले से की गई है। इस कार्यक्रम की रूपरेखा तय करने के लिए बुधवार को जिला समाहरणालय स्थित डीआरडीए संवाद कक्ष में एक प्रारंभिक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर समाहर्ता ललित भूषण ने की। बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ष वज्रपात की घटनाओं में हमारे जिले में कई लोगों की जान चली जाती है, जिनमें अधिकतर ग्रामीण और किसान होते हैं। यह कार्यक्रम केवल जन-जागरूकता तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह एक साझा उत्तरदायित्व के तौर पर कार्य करेगा, जिसमें सभी विभागों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि यह पहल संस्थागत समन्वय, तकनीकी सहयोग और यूएनडीपी इंडिया की विशेषज्ञता के साथ लोगों को सुरक्षित रखने की दिशा में एक ठोस प्रयास है। एडीएम ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि वे इसे एक साझा जिम्मेदारी के रूप में लेते हुए समयबद्ध ढंग से जरूरी डाटा और सुझाव उपलब्ध कराएं। यह कार्यक्रम बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और यूएनडीपी इंडिया के बीच हुए एक समझौते के तहत संचालित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य आपदा जोखिम न्यूनीकरण से जुड़ी गतिविधियों को सुदृढ़ करना और स्थानीय स्तर पर जोखिम मूल्यांकन कर रणनीतियां तैयार करना है। रोहतास जिला पहला ऐसा जिला है जहां इस कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। आने वाले समय में इसे अन्य जिलों में भी लागू किया जा सकता है। बैठक में नगर आयुक्त, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी समेत सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पटना ट्रैफिक पुलिस ने पांच महीनों के दौरान काटे 60 करोड़ रुपये के ई-चालान

पटना, (ईएमएस)। बिहार की राजधानी पटना की सड़कों पर ट्रैफिक नियम तोड़ना अब वाहन चालकों की जेब पर भारी पड़ रहा है। ट्रैफिक पुलिस ने हाईटेक सीसीटीवी कैमरों, हैंडहेल्ड डिवाइस (एचएचडी) और चौक-चौराहों पर सख्त चेकिंग के जरिए 4.5 लाख से ज्यादा चालान काटे। इनमें बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चलाना, ट्रिपल राइडिंग, ओवरस्पीडिंग, बिना सीटबेल्ट के गाड़ी चलाना, ट्रैफिक सिग्नल तोड़ना और ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का उपयोग आदि शामिल है। बताया गया है कि इस साल के बीते पांच महीनों के दौरान पटना ट्रैफिक पुलिस ने सख्त वाहन चेकिंग और सीसीटीवी निगरानी के जरिए 60 करोड़ रुपये के ई-चालान काटे हैं। यानि हर रोज औसतन 40 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया है। ट्रैफिक एसपी अपराजित लोहान ने कहा कि यह कार्रवाई सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए की जा रही है, न कि केवल जुर्माना वसूलने के लिए। गलत चालान होने पर जांच के बाद उसे रद्द करने की सुविधा भी उपलब्ध है। इस अभियान ने ट्रैफिक उल्लंघन को कम करने के साथ-साथ चोरी की गाड़ियों को पकड़ने में भी मदद की है। ट्रैफिक एसपी ने स्पष्ट किया कि अगर किसी का चालान गलत कटा है, तो उसे तुरंत भुगतान करने की जरूरत नहीं है। नागरिक ट्रैफिक एसपी कार्यालय में आवेदन देकर चालान की जांच करवा सकते हैं। 15 दिनों के भीतर जांच पूरी हो जाती है और अगर चालान गलत पाया जाता है, तो उसे रद्द कर दिया जाता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि ऑन-द-स्पॉट चालान भरते समय रसीद जरूर लें और पुलिस के दबाव में रिश्वत न दें। गलत चालान की शिकायत के लिए पटना ट्रैफिक पुलिस की वेबसाइट या परिवहन सेवा पोर्टल पर वाहन नंबर और चालान नंबर के साथ आवेदन किया जा सकता है।

नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

पटना : पटना जिले के बाढ़ अनुमंडल क्षेत्र में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर इस गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। साथ ही इनके पास से तीन मोबाइल फोन और एक पैशन प्रो मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। पुलिस के मुताबिक, यह गिरोह पिछले छह महीनों से सक्रिय था। गिरोह के सदस्य बेरोजगार युवाओं को इंश्योरेंस सेक्टर में नौकरी दिलाने का झांसा देकर इंटरव्यू के नाम पर बुलाते थे। इंटरव्यू के दौरान उनसे मोबाइल फोन, एटीएम और क्रेडिट कार्ड ले लेते थे। इसके बाद उनके खातों से पैसे निकाल लिए जाते थे, और यदि खातों में पैसे नहीं होते थे तो उनके नाम पर ऑनलाइन लोन स्वीकृत करवाकर रकम ठग ली जाती थी। शिकायतों के आधार पर बाढ़ थाने की पुलिस ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष टीम का गठन किया। तकनीकी जांच के बाद पुलिस ने गिरोह के मुख्य सरगना अमित कुमार को नालंदा जिले के शोभा बीघा गांव से गिरफ्तार किया। अमित कुमार की निशानदेही पर गिरोह के दो अन्य सदस्यों को भी गिरफ्तार किया गया।सहायक पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी अधिकतर युवाओं को इंश्योरेंस कंपनियों में नौकरी दिलाने का लालच देते थे। इंटरव्यू के लिए बुलाए गए लोगों के साथ मारपीट कर उनका सामान लूट लेते थे। इन अपराधियों के खिलाफ भदौर, बख्तियारपुर, पंडारक और बाढ़ थानों में पहले से कई मामले दर्ज हैं।पुलिस जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि गिरोह का सरगना अमित कुमार किसी निजी कंपनी में 9 लाख रुपए सालाना के पैकेज पर काम करता था। लेकिन उसे ऑनलाइन सट्टा (गेमिंग) की लत लग गई थी। इस लत को पूरा करने के लिए वह अपराध की दुनिया में उतर गया। पुलिस गिरोह के अन्य फरार सदस्यों की तलाश में जुटी हुई है।

बिहार में अवैध शराब की तस्करी में फंसा फर्जी दारोगा

पटना (ईएमएस)। बिहार में उत्पाद विभाग की टीम ने एक फर्जी दारोगा रवि किशन को गिरफ्तार किया है। रवि किशन पुलिस की वर्दी पहनकर खुद को दारोगा बताता था। इतना ही नहीं रवि खुलेआम अवैध शराब की तस्करी भी कर रहा था। फर्जी दारोगा के पास से 199 लीटर विदेशी शराब मिली है।दरअसल, उत्पाद विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि सफेद कलर की गाड़ी में एक दारोगा शराब की तस्करी कर रहा है। इसके बाद एक विशेष टीम गठित की गई। कुम्हरार के पास चेकिंग के दौरान फर्जी दरोगा की गाड़ी दिखी। फिर गाड़ी की तलाशी ली गई, जिसमें 199 लीटर शराब बरामद हुई। उत्पाद विभाग के आयुक्त ने बताया कि जांच के दौरान रवि किशन नामक के व्यक्ति को पकड़ा गया है, जो खुद को दारोगा बता रहा था।

बिहार पुलिस पर बकाया है 28 करोड़ का बिजली बिल

पटना, (ईएमएस)। बिहार में पुलिस विभाग पर करोड़ों रूपये का बिजली बिल बकाया है जिससे विभाग पर दबाव बढ़ता जा रहा है। बताया गया है कि राज्य के विभिन्न जिलों में स्थित पुलिस कार्यालयों पर कुल 28.06 करोड़ का बिजली बिल बकाया है। यह आंकड़ा मई 2025 तक का है। संबंधित जिलों को बकाया की सूची के साथ यह भी बताया गया है कि किस जिले पर कितना बकाया है। कई जिलों में लंबे समय से भुगतान नहीं होने के कारण यह राशि करोड़ों में पहुंच चुकी है। इस बकाया भुगतान को लेकर बिजली विभाग ने संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षकों और प्रशासनिक अधिकारियों को पत्र भेजा भी है और शीघ्र भुगतान करने का निर्देश दिया है।

संक्षिप्त खबरें

जयपुर में केमिकल टैंकर बना आग का गोला, ड्राइवर जिंदा जला

जयपुर (ईएमएस)। जयपुर में हुए एक भीषण सड़क हादसे में एक केमिकल टैंकर में आग लग गई। हादसे में टैंकर ड्राइवर जिंदा जल गया। हादसा बुधवार सुबह करीब 8.30 बजे मोखमपुरा कस्बे में हुआ। टैंकर में भरा मेथेनॉल हाईवे पर बिखर गया। हादसे के करीब आधा घंटे बाद तक हाईवे पर जाम रहा। सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। हादसे में टैंकर ड्राइवर राजेन्द्र जिंदा जल गया। टैंकर में लगी आग और धुंआ करीब 300 मीटर दूर से ही नजर आ रहा था। इस कारण हाईवे पर चल रहीं दूसरी गाड़ियों के ड्राइवर भी डर गए। कई लोग बीच हाईवे पर गाड़ी छोड़कर खेतों में भाग गए।

शुभांशु शुक्ला अपने साथ 140 करोड़ भारतीयों की शुभेच्छाएं, उम्मीदें लेकर गए

एक्सिओम-4 मिशन के सफल प्रक्षेपण का पीएम ने किया स्वागत

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए एक्सिओम-4 मिशन के सफल प्रक्षेपण का स्वागत कर कहा कि मिशन में भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अपने साथ 140 करोड़ भारतीयों की शुभेच्छाएं, उम्मीदें और आकांक्षाएं लेकर गए हैं। पीएम मोदी ने कहा, ''हम भारत, हंगरी, पोलैंड और अमेरिका के अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर रवाना हुए अंतरिक्ष मिशन के सफल प्रक्षेपण का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि ग्रुप कैप्टन शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर जाने वाले पहले भारतीय बनने की राह पर हैं। एक्सिओम-4 मिशन को बुधवार को दोपहर 12:01 बजे फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से प्रक्षेपित किया गया।

हैदरी दल 25 का संस्थापक गिरफ्तार कुकर्म और उन्माद फैलाने का है आरोप

पुलिस ने किया मोबाइल जब्त, दर्जनों अश्लील वीडियो और फोटो मिले

बरेली,(ईएमएस)। उतर प्रदेश के बरेली जिले में हैदरी दल 25 के संस्थापक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उस पर धार्मिक उन्माद फैलाने और नाबालिग से कुकर्म करने का आरोप है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी बीसलपुर रोड स्थित साठा पुलिया के पास खड़ा है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पहले ही कई टीम बनाई गई थी। सभी टीमों ने तालमेल बिठाकर घेराबंदी की और उसे गिरफ्तार कर लिया। मामले में एसपी देहात ने बताया कि फरीदपुर के ग्राम पिपरथरा निवासी नबी हसन द्वारा गुलशने मुस्तफा मदरसे में पढ़ रहे एक नाबालिग छात्र के साथ अप्राकृतिक कृत्य किया था। जिसकी वीडियो बनाकर उसे वायरल करने की धमकी दी जाती थी। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने इंस्टाग्राम पर एक फर्जी आईडी हैदरी दल 25 बरेली बनाकर साम्प्रदायिक तनाव फैलाने वाली आपत्तिजनक सामग्री शेयर की थीं। बता दें कि हैदरी दल 25 के कई मेंबर पहले भी गिरफ्तार हो चुके हैं, लेकिन इसका संस्थापक नबी हसन काफी समय से फरार था। बीते दिन पुलिस ने उसे भी धर दबोचा। पुलिस के मुताबिक, नबी हसन के पास से एक मोबाइल फोन बरामद हुआ है जिसमें नाबालिग छात्र से कुकर्म की वीडियो मिली है। ये छात्र उसी के मदरसे में पढ़ता था। इसके अलावा उसके मोबाइल में दर्जनों अश्लील वीडियो/फोटो मिले हैं। साथ ही हसन के द्वारा ही हैदरी दल 25 इंस्टाग्राम अकाउंट संचालित होने के प्रमाण भी मिले हैं।

बीजेपी में व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर पार्टी और संगठन

डिप्टी सीएम ने मुख्यमंत्री बनने की अटकलों को किया खारिज

लखनऊ,(ईएमएस)। यूपी के सीएम बनने को लेकर चल रही सियासी हवाओं पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि 2017 में बीजेपी की प्रचंड जीत के बाद उनके मन में सीएम बनने की कोई इच्छा नहीं थी और न ही वह खुद को इस पद के लिए मानते थे। उन्होंने सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ किसी भी तरह की प्रतिद्वंदिता की अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया है। केशव मौर्य ने कहा कि ये सब मीडिया और विपक्षी नेताओं की राय है। उन्होंने कहा कि जब बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व और विधायक दल ने योगी आदित्यनाथ के नाम पर मुहर लगाई तो मैंने इसे एक कार्यकर्ता के रूप में स्वीकार किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि बीजेपी में व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर पार्टी और संगठन का हित होता है। बता दें केशव मौर्य और सीएम योगी के बीच मनमुटाव की खबरें लगातार सुर्खियों में रही है। कभी सत्ता संगठन को लेकर तो कभी अन्य मुद्दे पर दोनों सुर्खियों में बने रहे। इस बीच मुख्यमंत्री पद की अफवाहों को केशव मौर्य ने खारिज करते हुए कहा कि यह सब मीडिया और सपा प्रमुख अखिलेश यादव की देन है।

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को लगाई फटकार, आदेश के बाद भी कैदी नहीं छोड़ा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने यूपी की योगी सरकार को फटकार लगाई है। गाजियाबाद जेल में जमानत के आदेश बावजूद कैदी को 28 दिन तक नहीं छोड़ा गया। जिसके बाद कोर्ट ने कैदी को रिहा न करने पर 5 लाख का मुआवजा देने का आदेश दिया है। इस दौरान कोर्ट ने कहा कि यह लिपिकीय चूक नहीं, यह सिस्टम का फेलियर है। न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन और एनके सिंह की पीठ ने कहा कि तकनीकी खामी या लिपिकीय त्रुटि के नाम पर किसी व्यक्ति की आज़ादी नहीं छीनी जा सकती। सुप्रीम कोर्ट ने माना कि जमानत आदेश में अपराध और आरोप स्पष्ट थे, फिर भी एक उपधारा का उल्लेख न होने के बहाने रिहाई नहीं की गई। जेल अधीक्षक व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश हुए, जबकि यूपी के डीआईजी (जेल) वीसी के जरिए पेश हुए। कोर्ट ने राज्य की तरफ से पेश अतिरिक्त महाधिवक्ता का तर्क भी खारिज कर दिया। पीठ ने कहा कि मामला बेहद गंभीर है, यह सिर्फ एक लिपिकीय चूक नहीं, सिस्टमिक विफलता है। न्यायपालिका ने दो टूक कहा कि बेकार की तकनीकी त्रुटियों के आधार पर आज़ादी को रोका नहीं जा सकता।

नाम बदलकर भारत में रह रहा था म्यांमार का नागरिक, एयरपोर्ट पर पकड़ाया

2019 में मिजोरम के रास्ते अवैध रूप से भारत में किया था प्रवेश

मुंबई,(ईएमएस)। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर म्यांमार नागरिक को हिरासत में लिया गया है जो जाली भारतीय दस्तावेजों के साथ अवैध रूप से भारत में रह रहा था। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान यू थांग सोए लियान (34) के रूप में हुई, जो बोइतलुंग सायमन के फर्जी नाम से दिल्ली में रह रहा था। उसकी गिरफ्तारी का कारण उसका हिंदी में बात नहीं करना और मिजोरम के बारे में बुनियादी जानकारी न दे पाना था, जिससे इमिग्रेशन अधिकारियों को शक हुआ और उन्होंने उसे गिरफ्तार कर लिया। मीडिया रिपोर्ट में सहार पुलिस के मुताबिक थांग मलेशिया जा रहा था। इमिग्रेशन अधिकारियों ने उससे पूछताछ की। उसके पासपोर्ट में मिजोरम के आइजोल को जन्म स्थान बताया था, लेकिन वह मिजोरम या भारत से जुड़े सवालों के जवाब नहीं दे सका। उसकी अंग्रेजी बोलचाल और हिंदी की जानकारी न होने से अधिकारियों को शक हुआ। गहन पूछताछ में थांग ने स्वीकार किया कि वह म्यांमार का नागरिक है और 2019 में वहां सरकार विरोधी प्रदर्शनों में शामिल होने के बाद देश छोड़कर भारत आ गया था। तब से पहचान छिपाकर दिल्ली में रह रहा था। म्यांमार में उसकी गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी था।

ओडिशा के मंत्री ने दी सफाई बोले- जगन्नाथ मंदिर से नहीं हुई मोदकों की चोरी

भुवनेश्वर(ईएमएस)। भगवान जगन्नाथ का प्रसाद में बंटने वाला लडडू यानी मोदक चोरी होने की शिकायतों पर ओडिशा के मंत्री ने सफाई दी है। कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने साफ किया कि पुरी के जगन्नाथ मंदिर से 'मोदक' की चोरी नहीं हुई है, जैसा कि कुछ सेवकों ने आरोप लगाया था। 'मोदक' एक विशेष तरह का लड्डू है जो रथ यात्रा महोत्सव से पहले मंदिर के देवताओं को एक अनुष्ठान के हिस्से के रूप में चढ़ाया जाता है। मंत्री ने कहा कि जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक अरविंद पधी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, मंदिर से मोदक की कोई चोरी नहीं हुई है।जब यह विवाद सामने आया, तो पधी ने एसजेटीए अधिकारियों द्वारा जांच का आदेश दिया, जिसमें पाया गया कि मोदक की कोई चोरी नहीं हुई थी।

इन कागजात को रखें तैयार, वरना इनकम टैक्स रिटर्न भरने में होगी दिक्कत

इनकम टैक्स रिटर्न भरने की डेडलाइन 31 जुलाई से बढ़कर 15 सितंबर तक

नई दिल्ली (ईएमएस)। इनकम टैक्स रिटर्न भरने की डेडलाइन 31 जुलाई से बढ़ाकर 15 सितंबर 2025 कर दी गई है। यह डेडलाइन सैलरी और पेंशनर्स के लिए बढ़ी है। बाकी लोगों के लिए आईटीआर की डेडलाइन नहीं बढ़ी है। अगर आप भी वित्त वर्ष 2024-25 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न भरने के बारे में सोच रहे हैं, तब कुछ जरूरी दस्तावेजों की आवश्यकता होगी।

फॉर्म 16 : यह कागजात वेतनभोगी व्यक्तियों के लिए आईटीआर दाखिल करने के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण दस्तावेजों में से एक है। कंपनी की ओर से टैक्स काटने के बाद वेतन दिया जाता है। फॉर्म 16 ऐसा डॉक्यूमेंट है, जिसमें इसकी जानकारी होती है। यह डॉक्यूमेंट कंपनी की ओर से वित्तीय वर्ष के दौरान दिया जाता है।

फॉर्म 16 के अलावा एक टैक्सपेयर्स इनकम के सोर्स के आधार पर अन्य टीडीएस प्रमाणपत्र एकत्र करने की आवश्यकता हो सकती है। फॉर्म 16ए उसके द्वारा जारी किया जाता है, जो अन्य इनकम जैसे कि फिक्स्ड डिपॉजिट से ब्याज, जीवन बीमा कमीशन और लॉटरी से आय पर टैक्स काटता है।

इस तरह, फॉर्म 16बी खरीदार द्वारा संपत्ति के विक्रेता को जारी होता है, अगर खरीदी गई संपत्ति का प्राइस 50 लाख रुपये से ज्यादा है। इसतरह के मामले में, खरीदार विक्रेता को भुगतान से टैक्स काटने के लिए

उत्तरदायी है और जिसके बदले में फॉर्म 16बी जारी करना होगा। वहीं एक किरायेदार मकान मालिक या घर के मालिक को टीडीएस प्रमाणपत्र फॉर्म 16सी जारी करता है।

अगर आप म्यूचुअल फंड, इक्विटी या अन्य कोई फाइनेंशियल कैपिटल असेट बेचते हैं, तब इसकी पूरी डिटेल आईटीआर में दिखाना होता है। इसके लिए आपको कैपिटल गेन स्टेटमेंट रिपोर्ट की आवश्यकता होती है। यह डॉक्यूमेंट आप स्टॉकब्रोकर और म्यूचुअल फंड हाउस से पा सकते हैं। इनकम टैक्स ई-फाइलिंग पोर्टल से एक टैक्सपेयर्स को एआईएस, टैक्स इंफॉर्मेशन समरी (टीआईएस) और फॉर्म 26एएस डाउनलोड करना चाहिए। एआईएस और फॉर्म 26एएस महत्वपूर्ण दस्तावेज हैं, जो आईटीआर भरने में मददगार होते हैं। अगर आपकी विदेशी कमाई से इनकम हुई या अनलिस्टेड मार्केट में निवेश करके कमाई हुई है, तब यह इनकम आपको अपने टीआरएस में दिखाना होगा। टैक्सपेर्स को हमेशा आईटीआर भरते वक्त याद रखना चाहिए कि अगर उसका विदेश में बैंक अकाउंट है और विदेश से पैसा आ रहा है, तब उसकी डिटेल देना ना भूलें।

अगर किसी टैक्सपेयर्स को बैंक अकाउंट या पोस्ट ऑफिस से इनकम हो रही है,तब उसे अपने बैंक स्टेटमेंट को भी डाउनलोड़ करके रख लेना चाहिए और आईटीआर भरते वक्त चेक कर लेना चाहिए।

टैक्सपेयर्स के विकल्प होता है कि वह ओल्ड टैक्स विकल्प चुन सके. इसमें टैक्सपेयर्स टैक्स सेविंग इन्वेस्टमेंट और एक्सपेंडेचर को दिखा सकते हैं। हाउस रेंट और ट्रैवेल पर खर्च के लिए भी छूट क्लेम कर सकते हैं। किसी भी टैक्सपेयर्स को टैक्स फाइलिंग करते वक्त पैनकार्ड, आधार कार्ड और बैंक अकाउंट की डिटेल देनी आवश्यक होती है।

मुंबई में 9 करोड़ का सोना जब्त, 7 गिरफ्तार

मुंबई, (ईएमएस)। खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने सोना गलाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। बताया गया है कि मुंबई के मस्जिद बंदर इलाके में छापेमारी में 9 करोड़ रूपये का सोना जब्त कर सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह छापामारी रविवार को की गई थी। दरअसल डीआरआई विदेश से स्थानीय नागरिकों की मदद से सोने की तस्करी के एक मामले की जांच कर रही थी। उस समय पता चला कि इसमें एयरपोर्ट के कुछ कर्मचारी भी शामिल हैं। आरोपी विदेश से तस्करी कर लाए गए सोने को आरोपियों तक पहुंचाते थे। उसके बाद मस्जिद बंदर स्थित यूनिट में इसे पिघलाया जाता था और गुप्त तरीके से स्थानीय बाजार में बेचा जाता था। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए डीआरआई की टीम ने रविवार को मस्जिद बंदर स्थित सोना गलाने वाली यूनिट पर छापेमारी की और पांच लोगों को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई में आठ करोड़ 93 लाख कीमत के आठ किलोग्राम 747 ग्राम वजन के छह सोने के बार जब्त किए गए। इस मामले में मीनानाथ भुले, विश्वास यादव उर्फ अमोल, उदय जंगम, रोहित मोहिते और विक्रम मोटे तथा राजकुमार पवार को गिरफ्तार किया गया है।

आरोपियों से जब जब्त किए गए सोने की खरीद की रसीद मांगी गई तो उन्होंने आधिकारिक दस्तावेज पेश नहीं किए। जांच के दौरान मिली जानकारी के अनुसार, इस मामले में सोना पिघलाने वाली इकाई के मालिक राजकुमार पवार और ड्राइवर रविंद्र सालुंखे को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

एयरपोर्ट कर्मचारी रडार पर

एयरपोर्ट कर्मचारियों से तस्करी का सोना ले जाया जा रहा था। इसमें कौन-कौन कर्मचारी शामिल हैं, इसकी जांच की जा रही है। शुरुआती जांच में संदेह है कि हवाला के जरिए पैसा भेजा गया था।

ऐसे होता था काम

मीनानाथ भुले एयरपोर्ट कर्मचारियों से तस्करी का सोना लेता, उसे पिघलाता और फिर ग्राहकों तक पहुंचाता। जबकि विश्वास यादव उर्फ अमोल तस्करी के सोने के सारे लेन-देन का रिकॉर्ड रखता था। जंगम और मोहिते दोनों सोना पिघलाते थे। विक्रम मोटे ड्राइवर है और एयरपोर्ट से तस्करी का सोना लाने की जिम्मेदारी उसी की थी।

लक्ज़री समुद्री यात्रा की दुनिया का नया चमकता नाम ओरिएंट एक्सप्रेस कोरिंथियन

सेंट-नाज़ेयर,(ईएमएस)। लक्ज़री समुद्री यात्रा की दुनिया में एक नया कीर्तिमान स्थापित कर ओरिएंट एक्सप्रेस कोरिंथियन नामक जहाज को फ्रांस के शिपयार्ड से 16 जून 2025 को सफलतापूर्वक समुद्र में उतारा गया। यह दुनिया का सबसे बड़ा सेल याच क्रूज शिप होगा, जिसकी लंबाई 220 मीटर (727 फीट) है और जो 110 मेहमानों को अति-विशिष्ट सुइट्स में ठहराने की क्षमता रखता है।

यह प्रोजेक्ट, फ्रांसीसी होटल समूह और मशहूर ओरिएंट ब्रांड के साथ मिलकर तैयार किया गया है। इसका संचालन जून 2026 में शुरू होगा, जब यह फ्रांस के मार्से से अपनी पहली यात्रा पर रवाना होगा। इस क्रूज का रूट भूमध्यसागर, एड्रियाटिक सागर और सर्दियों में कैरिबियन तक फैला रहेगा।

जस्टिस यशवंत वर्मा मामले में कोई एफआईआर क्यों नहीं दर्ज हुई

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकारी आवास पर भारी मात्रा में अधजली नकदी मिलने के मामले में फंसे हाई कोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा का मामला मंगलवार को संसद की स्थायी समिति की बैठक में भी उठा। समिति के सदस्यों ने पूछा कि मामले में कोई एफआईआर क्यों नहीं दर्ज की गई। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि चर्चा के दौरान समिति के सदस्यों ने वीरस्वामी मामले की समीक्षा का सुझाव दिया। इसके अलावा समिति ने जजों के लिए आचार संहिता बनाने और सेवानिवृत्ति के बाद कोई पद लेने के लिए कूलिंग-ऑफ अवधि के बारे में भी सुझाव दिया। संसदीय समिति ने यह चर्चा उस समय की है, जब अगले महीने संसद के मॉनूसन सत्र में जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग लाने की तैयारी हो रही है। राज्यसभा की इस समिति के अध्यक्ष भाजपा सांसद बृजलाल हैं और इसमें भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई (जो एक मनोनीत सांसद हैं), पूर्व कानून राज्य मंत्री पी पी चौधरी, तृणमूल कांग्रेस सांसद सुखेंदु शेखर राय और कल्याण बनर्जी, कांग्रेस के विवेक तन्खा और द्रमुक के पी विल्सन तथा ए राजा प्रमुख सदस्य हैं। कुछ सदस्यों ने जजों के लिए बने 16 पॉइंट के कोड ऑफ कंडक्ट का पालन न होने पर भी सवाल पूछे। यह कोड ऑफ कंडक्ट सुप्रीम कोर्ट ने ही 1997 में लागू किया था। सांसदों ने कहा कि जजों के लिए यह कोड ऑफ कंडक्ट सिर्फ कागजों में ही है।

पाकिस्तान डिपोर्ट की गई महिला को वापस लाओ : कोर्ट

नई दिल्ली। भारत से निकालकर पाकिस्तान डिपोर्ट की गई एक महिला को जम्मू और कश्मीर हाईकोर्ट ने वापस लाने का आदेश दिया हैं। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद डिपोर्ट की गए पाकिस्तानी नागरिकों में वह भी शामिल थीं। कोर्ट ने आदेश मानवीय आधार पर दिया है। साथ ही भारत सरकार को आदेश का पालन करने के लिए 10 दिनों का समय दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, रक्षांदा रशीद को भारत ने पाकिस्तान डिपोर्ट किया था। वह फैसले के खिलाफ 30 अप्रैल को हाईकोर्ट पहुंचीं थीं। खबरें हैं कि वे 38 साल से जम्मू में पति और दो बच्चों के साथ रह रही थीं, लेकिन फिलहाल लाहौर के एक होटल में हैं।

देश में पहली बार रथ यात्रा में भीड़ प्रबंधन के लिए एआई तकनीक का उपयोग होगा : हर्ष संघवी

अहमदाबाद (ईएमएस)। 27 जून को अहमदाबाद में निकलने वाली भगवान जगन्नाथजी की 148वीं रथ यात्रा के लिए सुरक्षा समेत सभी इंतजाम पूरे कर लिए गए हैं। गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने आज भगवान जगन्नाथ के नेत्रोत्सव समारोह में भाग लिया, आरती की और ध्वजारोहण भी किया। गृह राज्य मंत्री ने भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के पूरे मार्ग का पैदल निरीक्षण किया। साथ ही, मंत्री ने राज्य पुलिस प्रमुख विकास सहाय और शहर पुलिस आयुक्त जी.एस. मलिक सहित उच्च पदस्थ अधिकारियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। रथ यात्रा के मार्ग निरीक्षण के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए हर्ष संघवी ने कहा कि अहमदाबाद में जगन्नाथजी की रथ यात्रा आस्था और प्रबंधन की सबसे बड़ी यात्रा है। देश में पहली बार अहमदाबाद की रथ यात्रा में भीड़ प्रबंधन के लिए एआई तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के दौरान भीड़ पर नजर रखने और भगदड़ जैसी कोई अप्रिय घटना न घटे, यह सुनिश्चित करने के लिए ड्रोन और एआई तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि आधुनिक तकनीक की मदद ली जा रही है ताकि श्रद्धालु आसानी से जगन्नाथ जी के दर्शन कर सकें और उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। रथ यात्रा के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था के बारे में बात करते हुए मंत्री ने कहा कि रथ यात्रा के पूरे मार्ग की 3डी मैपिंग की गई है। 3डी मैपिंग के ग्राफिक्स के आधार पर पुलिस व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही अहमदाबाद रथ यात्रा के लिए 3,500 सीसीटीवी कैमरे, 2,872 बॉडी-वॉर्न कैमरे, 240 टेरेस प्वाइंट, 25 वॉच टावर और 23,844 पुलिस कर्मियों के साथ कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। हर्ष संघवी ने आगे कहा कि अहमदाबाद समेत पूरे राज्य में 213 रथयात्राएं आयोजित की जाती हैं। गुजरात पुलिस ने धार्मिक संगठनों के साथ मिलकर इन रथयात्राओं के लिए सुरक्षा व्यवस्था की है। मंत्री ने आगे कहा कि अहमदाबाद में रथ यात्रा सामाजिक एकता का प्रतीक है। अहमदाबाद पुलिस ने सामाजिक पुलिसिंग के माध्यम से सभी समुदायों के बीच भाईचारे को मजबूत करने का प्रयास किया है। क्रिकेट टूर्नामेंट सहित अन्य खेल खेले गए हैं। महिला पुलिस अधिकारियों ने भी महिलाओं के साथ बैठकें कर शांतिपूर्ण माहौल बनाने के लिए उनका सहयोग लेने का प्रयास किया है। रथ यात्रा मार्ग पर जर्जर मकानों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि जर्जर मकानों का सर्वेक्षण किया गया है, 484 खतरनाक मकानों की पहचान की गई है और उन सभी को सील कर दिया गया है, तथा एएमसी के सहयोग से उन्हें तिरपाल से रोकने का काम किया गया है। उन्होंने बताया कि रथ यात्रा के दौरान अगर छोटे बच्चे खो जाते हैं तो उन्हें उनके परिजनों तक पहुंचाने के लिए रथ यात्रा मार्ग पर 17 जनसहायता केंद्र बनाए जाएंगे। पिछले साल ऐसे केंद्रों के जरिए 65 से ज्यादा बच्चों को उनके परिजनों तक सुरक्षित पहुंचाया गया था। इस अवसर पर गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने अहमदाबाद सिटी पुलिस के समर्पित कार्य की प्रशंसा की।

B.I.T. SINDRI
PO: Sindri Institute, Dhanbad, 828123, Jharkhand
Department of Higher and Technical Education Govt. of Jharkhand
Approved by AICTE, New Delhi & Affiliated to JUT, Ranchi
Email-academic@bitsindri.ac.in, website-www.bitsindri.ac.in
(Academic Section)

CORRIGENDUM NOTICE

Notice Title : सत्र 2025-27 के लिए स्नातकोत्तर अभियंत्रणा (एम0टेक0 02 वर्ष) में नामांकन संबंधी सूचना
Notice Reference Number : 210 Dated: 16-05-2025, PR. No. 353073 (Higher Education, Technical Education & Skill Development Department (25-26):D
Corrigendum Type : Date Extend
Corrigendum Title : Extension of the Date of Application for M. Tech. Admission (2025-2027)

As directed, the last date of online application for admission in M.Tech Course 2025-27 is extended to 15-07-2025. Admission form related information is available on the institute website www.bitsindri.ac.in (notice no. Acad/416 dated: 16.05.2025).
The remaining terms & condition are same as earlier.
a. Last date for online form submission: 15-07-2025 (Tuesday) and **hard copy should reach on or before 19-07-2025** (Saturday)
b. Counselling & Admission related date will be notified later.

Sd/-
Dean (Academic), BIT Sindri

PR 355959 Higher Education,Technical Education and Skill Development Department(25-26)#D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल सं0–1 गिरिडीह।
E-mail : eedwsd.giridih1@gmail.com

प्रेस विज्ञप्ति

लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण प्रमण्डल, गिरिडीह/पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल सं0–1, गिरिडीह से कुछ अभियंताओं ने अस्थायी अग्रिम प्राप्त की है, जिसका विवरण निम्न है :–

क्र0	नाम	पदनाम	अस्थायी अग्रिम की राशि (रू0 में)
1	श्री कृष्णा प्र0 सिन्हा	सहायक अभियंता	10,000.00
2	श्री बालमिकेश्वर प्रसाद	कनीय अभियंता	93,388.00
3	श्री प्रदीप कुमार,	कनीय अभियंता	12000.00

उक्त अभियंताओं को सूचित किया जाता है कि अपने नाम के आगे अंकित अस्थायी अग्रिम राशि को यथाशीघ्र पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल सं0–1, गिरिडीह कार्यालय में जमा कर दें। अन्यथा आप सवों के विरूद्व निधि सम्मत कार्यवायी की जायेगी।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल सं0–1,
गिरिडीह।

PR 355984 Drinking Water and Sanitation(25-26)D

झारखण्ड सरकार, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

ई-प्रोक्योरमेन्ट सूचना (प्रथम आमंत्रण)

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0 – DWSD/Dhanbad-2/07/2025-26 दिनांक 24.06.2025

क्र0	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Replacement of Damaged Pipe lines at different places in Kataniya Panchayat and Cleaning of various components of WTP, ESR-1 No and Intake Well of 1.0 MLD WTP and Intake Well at Manjhlitand joriya under Ojhadih Kataniya Rural Water Supply Scheme for 2024 to 2025	15.48222	31000.00	5000.00	3 माह
2	Replacement of Damaged Pipe lines Raw water, clear water rising main and Distribution pipe line at different places in Mairanawatand and Ukma Panchayat & Cleaning of various components of WTP, ESR-2 Nos and Intake Well of 1.5 MLD WTP and Intake Well at Kasjore under Mairanawatanr Rural Water Supply Scheme(SAGY Phase-1) for 2024 to 2025 under D.W & S. Div. No.2. Dhanbad	22.90670	46000.00	5000.00	3 माह
3	वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	दिनांक 26.06.2025 समय 04:00 बजे अपराह्न तक।			
4	निविदा प्राप्ति (ऑन लाईन बिडींग) की अन्तिम तिथि एवं समय	दिनांक 03.07.2025 समय 04:00 बजे अपराह्न तक।			
5	सरकार के सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई– गवर्नेस, झारखण्ड मंत्रालय, के ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के आलोक में विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि Online जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	दिनांक 03.07.2025 समय 04:00 बजे अपराह्न तक।			
6	तकनीकी बिड खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 04.07.2025 समय 04:00 बजे अपराह्न।			
7	तकनीकी बिड खोलने का स्थान	अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता अंचल, धबनाद।			
8	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम/पदनाम	श्री मुकेश कुमार मंडल, कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल सं0–2, धनबाद।			
9	निविदा आमंत्रित करने वाले कार्यालय का टेलिफोन नं0	7292898986			
10	ई– प्रोक्यूरमेन्ट सेल का हेल्प लाईन सं0	0651-248045			

नोट – (i) प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है, तदनुसार परिमाण विपत्र में अंकित प्राक्कलित राशि के आधार पर अग्रधन की राशि एवं परिमाण विपत्र का मूल्य मान्य होगा।
(ii) अधिक जानकारी के लिए वेवसाईट http://jharkhandtender.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल संख्या–2, धनबाद

PR 355938 Drinking Water and Sanitation (25-26)_D

संपादकीय

कोयलांचल संवाद

57 देशों की भारत-विरोधी लामबंदी

सांसदों के प्रतिनिधि मंडल और ऑपरेशन सिंदूर सवालों के घेरे में

57 इस्लामिक देशों के संगठन ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओआईसी) की हालिया बैठक में भारत के खिलाफ सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव पारित किया गया है। जिसमें भारत की विदेश नीति और ऑपरेशन सिंदूर के निर्णयों को कठघरे में खड़ा किया गया हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री जयशंकर के विदेशी दौरे और विदेश नीति के साथ-साथ, 51 सांसदों का प्रतिनिधिमंडल ऑपरेशन सिंदूर के बाद विभिन्न देशों में गया था। बहुचर्चित ऑपरेशन सिंदूर की साख पर भी ओआईसी के प्रस्ताव से तगडा झटका लगा है। 51 सांसदों को विदेशों में भारत का पक्ष रखने भेजा था। पाकिस्तान के दुष्प्रचार की असलियत बताने और भारत का पक्ष रखकर कूटनीतिक समर्थन जुटाने सरकार ने सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडलों का विभिन्न देशों में भेजा था। इन सारे प्रयासों की हकीकत यह है, जिन देशों में यह डेलिगेशन गये थे, उन्हीं देशों ने भारत के खिलाफ पारित प्रस्ताव पर दस्तखत किए हैं। कुवैत, सऊदी अरब, यूएई, बहरीन, मलेशिया, कतर, इंडोनेशिया, मिस्त्र, अल्जीरिया, गुयाना और सिएरा लियोन सहित 11 देशों ने भारत का पक्ष नहीं लिया उल्टे विरोध किया है। ओआईसी संगठन ने कश्मीर और सिंधु जल संधि जैसे आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने वाले प्रस्ताव पर पाकिस्तान के पक्ष में समर्थन दिया है। जो भारत सरकार की विफल विदेश नीति को दर्शाता है।

यह केवल कूटनीतिक विफलता नहीं, बल्कि भारत के लिये एक शर्मनाक स्थिति है। करोड़ों करदाताओं के टैक्स में जमा सरकारी धन के खर्चे पर सांसदों के प्रतिनिधि मंडलों को विदेशों मे भेजा गया था। जिन देशों में यह प्रतिनिधिमंडल गए थे। वहां पर इसका कोई व्यावहारिक प्रभाव नहीं पड़ा। सरकारी मंच और मीडिया के माध्यम से जनता के बीच जरुर यह भ्रम फैलाया गया। भारत सरकार की यह कोशिशें बड़ी सफल रहीं है। सांसदों के प्रतिनिधि मंडल ने सभी देशों में जाकर भारत का पक्ष अच्छी तरह से रखा है। यह प्रचारित किया गया, सांसदों के प्रतिनिधिमंडल की यात्राओं ने भारत का डंका दुनिया के कई देशों में बजाया है। भारत के सामने पाकिस्तान अलग-थलग पड़ गया है। भारत को हर देश से समर्थन मिला है। ओआईसी के पारित प्रस्तावों ने यह सिद्ध कर दिया है। भारत अंतरराष्ट्रीय मंच पर अकेला पड़ गया है। भारत सरकार की तमाम कोशिशें एवं प्रचार-प्रसार मीडिया तक सीमित हैं। जमीनी स्तर पर उसका प्रभाव देखने को नहीं मिला।प्रधानमंत्री मोदी की 150 विदेश यात्राएँ, जयशंकर की विदेश मंत्री के रूप में सक्रियता भारत की कूटनीति और सांसदों के “डिप्लोमेसी टूर” मैं जो बताया गया था, ठीक उसके विपरीत वर्तमान स्थिति है। भारत की इस फजीहत का क्या कारण है। वर्तमान स्थिति में देश के नागरिकों के मन में तीव्र जिज्ञासा है, जनता जानना चाहती हैं। क्या विदेश यात्राएँ राष्ट्रीय हित के लिए थीं। क्या इस तरह की विदेश यात्राएं राजनीतिक और व्यक्तिगत फायदे के लिये होती हैं।देश को वर्तमान स्थिति को देखते हुए सरकार की आत्ममंथन करने की आवश्यकता है। किसी भी राष्ट्र के साथ अपने संबंधों को बनाना, कूटनीति के साथ रिश्तों को राष्ट्रीय हित में बेहतर स्थिति में ले जाना, यह वास्तविक कार्य प्रणाली से ही संभव है। इवेंट मैनेजमेंट के जरिए रिश्तों का कोई फायदा नहीं होता है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह स्पष्ट हो गया है। भारत को “विश्व गुरु” के मुखौटे से बाहर निकलना होगा। हम 140 करोड़ की आबादी वाले देश हैं। इससे भी हमें बाहर निकालने की जरूरत है। रिश्ते दो पक्षों के बीच में बनते हैं। दोनों पक्ष एक दूसरे की आवश्यकता जरूरत और संबंधों के आधार पर रिश्ते प्रगाण होते हैं। नए वैश्विक समीकरणों को देखते हुए भारत को राष्ट्रीय हितों, कारोबार की नीतियों तथा संबंधों की स्पष्टता को ध्यान में रखते हुए विदेश नीति बनानी होगी। तभी दुनिया भारत के ऊपर विश्वास करेगी। घरेलू राजनीति एवं वैश्विक राजनीति के अलग आधार होते हैं। घरेलू राजनीति को ध्यान में रखते हुए वैश्विक इवेंट कुछ समय के लिये घरेलू राजनीति में सत्ता पक्ष के लिये फायदेमंद हो सकते हैं। राजनैतिक हल्कों में कहा जा रहा है कि संसद का विशेष सत्र ना बुलाना पड़े इसके लिये 51 सांसदों को डेलीगेशन के रुप में विदेश भेजा गया था। इसमें सभी दलों के सांसद थे। जब भी संसद में चर्चा होगी यही सांसद सदन में सरकार के समर्थन में खड़े होंगे। पिछले 2 सप्ताह में पाकिस्तान को अमेरिका वैश्विक संस्थाओं से वित्तीय सहायता तथा ओआईसी के 57 देशों का समर्थन मिला है। वह भारत की चिंता को बढ़ाने वाला है।

चिंतन-मनन

बदला हुआ आदमी

स्कॉटलैंड के एक राजा को शत्रुओं ने पराजित कर दिया। उसे धन-जन की बड़ी हानि हुई और संगी-साथी भी छूट गए। अब बस उसका जीवन बचा था, पर शत्रु उसकी टोह में थे। प्राण बचाने के लिए वह भागा-भागा फिर रहा था। स्थिति यह थी कि राजा अब मरा कि तब मरा। राजा एक खोह में छिपा अपनी मौत की प्रतीक्षा करते हुए सोच रहा था- शत्रु की तलवार पल भर में मेरा काम तमाम कर देगी। तभी राजा ने देखा- एक मकड़ी खोह के दरवाजे पर जाला बनाने में व्यस्त थी। वह कई बार कोशिश करती, नाकाम रहती, लेकिन फिर से उठकर जाला बनाने लगती। राजा ने सोचा- यह व्यर्थ प्रयत्न कर रही है। बिना आधार के जाला भला कैसे बना पाएगी। किंतु आश्चर्य, मकड़ी का एक झीना-सा सूत्र खोह के मुंह पर अटक ही गया। बस फिर एक के बाद एक सूत्र अटकते चले गए और देखते-देखते जाला तेजी से बुना जाने लगा। थोड़ी देर में पूरी खोह के मुंह पर जाला तैयार था। तभी शत्रु के सिपाही वहां आ पहुंचे। लेकिन खोह के मुंह पर मकड़ी का जाला बना देख वापस लौट गए। करीब आई हुई मौत तो वापस चली गई पर राजा को एक गहरे विचार में छोड़ गई। उसने सोचा- मकड़ी बार-बार गिरकर भी निराश और परास्त नहीं हुई तो मैं इंसान होकर भी क्यों डर रहा हूं? मैं भी अवश्य अपने शत्रुओं को परास्त करूंगा। इस मकड़ी ने मेरा संकल्प मजबूत कर दिया है। यह सोचते ही वह खोह से बाहर निकल गया।

भारतीय कामगारों का सशक्तिकरण : रोजगार में बढ़ोतरी और श्रमिक कल्याण के डिजिटल उपाय

वी. अनंत नागेश्वरन

भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार

आधुनिक डिजिटल युग में, चैटबॉट, पोर्टल, ऑनलाइन शिकायत निवारण व्यवस्था और प्रबंधन सूचना प्रणालियों द्वारा संचालित ई-गवर्नेंस पोर्टल ने सरकार को लोगों के बेहद करीब ला दिया है। प्रौद्योगिकी के माध्यम से सरकार रोजगार वृद्धि और कामगारों की सामाजिक सुरक्षा सहित कई क्षेत्रों में सेवा प्रदान करने को फिर से परिभाषित और पुनर्संयोजित कर रही है। अब प्रक्रियाएं अधिक कुशल, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बन रही हैं। योजना से संबंधित पोर्टल अब “ऑल-इन-वन” (एकल सुविधा) प्लेटफ़ॉर्म के रूप में कार्य कर रहे हैं, जो धोखाधड़ी, मैन्युअल प्रक्रियाओं और प्रशासनिक बोझ कम करते हुए कार्यक्रमों के बारे में निर्बाध ज्ञान प्रवाह और लाभ मापन की सुविधा प्रदान करते हैं। योजनाओं को आधार कार्ड से जोड़े जाने और विभिन्न योजनाओं के साथ इसके अंतर्संबंध से किसी को दो बार लाभ लेने से रोकने के साथ ही यह सुनिश्चित होता है कि लाभ समय पर लक्षित लोगों तक ही पहुंचें। आपस में जुड़े पोर्टल कामगारों को लाभकारी योजनाओं तक पहुंचने और आवेदन की स्थिति जानने, रोज़गार के अवसरों का पता लगाने और कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने में सक्षम बनाते हैं। जबकि ये नियोक्ताओं को राष्ट्रीय प्रतिभा पूल के उपयोग में सहायता प्रदान करते हैं, जिससे कौशल और अनुभव के आधार पर कामगारों की भर्ती संभव हो पाती है। इसके अतिरिक्त, ये पोर्टल असंगठित श्रमिकों, नौकरी के इच्छुक कामगारों, नियोक्ताओं और रोज़गार के अवसरों का व्यापक राष्ट्रीय डेटाबेस बनाने में योगदान देते हैं, जिससे नीति निर्माताओं को सूचित, डेटा-समर्थित निर्णय लेने की सहूलियत मिलती है। किसी बड़े संकट के समय, महामारी इत्यादि के दौरान, ये डेटाबेस बेहद उपयोगी सिद्ध होंगे, जिससे ज़रूरतमंदों की शीघ्रता से पहचान और समय पर सहायता सुनिश्चित हो सकेगी। यह डिजिटल शासन में परिवर्तन को सुव्यवस्थित कर रहा है, नागरिकों को सशक्त बना रहा है और कल्याणकारी प्रयासों की व्यापकता और प्रभावशीलता बढ़ा रहा है। इन पहल के कुछ उदाहरणों की यहां चर्चा की गई है। राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल इस परिवर्तनकारी पहल का एक उल्लेखनीय उदाहरण है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा 2015 में आरंभ किए गए इस पोर्टल ने रोजगार के इच्छुक व्यक्तियों को संबंधित सेवा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 5 करोड़ 50 लाख से अधिक कामगारों के पंजीकरण के साथ, यह एक “वन-स्टॉप प्लेटफ़ॉर्म” के रूप में काम कर रहा है जो नौकरी पाने के इच्छुक व्यक्तियों को देश भर में रोज़गार के अवसरों से जोड़ता है। इस पर उन्हें करियर काउंसलिंग, जॉब मैचिंग, इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप (प्रशिक्षुता), कौशल विकास पाठ्यक्रम आदि की जानकारी प्रदान की जाती है। किसी राज्य विश्वविद्यालय से तुरंत स्नातक होने वाला छात्र पहले मोबाइल फ़ोन के ज़रिए देश भर में नौकरी के अवसरों को जानने की कल्पना भी नहीं कर सकता था। पर आज, एनसीएस की मदद से कोई भी व्यक्ति आसानी से स्थान के हिसाब से पीएम गतिशक्ति के साथ एकीकरण के ज़रिए, देश भर में नौकरियों की खोज कर सकता है, करियर और नौकरी संबंधी परामर्श प्राप्त कर सकता है और यहां तक कि स्किल इंडिया डिजिटल (एसआईडी) पोर्टल के ज़रिए आवश्यक कौशल भी हासिल कर सकता है। यह सब उसे फ़ोन पर या स्थानीय रोजगार मेलों में शामिल होकर मिल सकता है। एनसीएस परियोजना के अंतर्गत अब तक लगभग 57 हजार रोज़गार मेले आयोजित किए जा चुके हैं। इसके अलावा, एनसीएस पोर्टल को स्किल इंडिया डिजिटल हब (एसआईडीएच), उद्यम, ई-श्रम, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी), पीएम गतिशक्ति, डिजीलॉकर और अन्य के साथ एकीकृत किया गया है, जिससे हितधारकों की उन तक पहुंच और दक्षता में वृद्धि हुई है। यह पोर्टल लगभग 30 राज्यों और निजी रोजगार पोर्टलों से भी जुड़ा हुआ है, जिससे कामगारों को नौकरी के अवसरों तक व्यापक पहुंच हो रही है। इसी तरह, श्रम सुविधा और समाधान पोर्टल, उद्योग और व्यापार के लिए अनुपालन और व्यापार सुगमता को बढ़ाते हैं तथा विवादों का तेजी से समाधान और दावे तथा श्रमिकों की शिकायतों का निपटान सुनिश्चित करते हैं। ईएसआईसी धनवंतरी मॉड्यूल अस्पतालों और औषधालयों को मरीजों का रिकॉर्ड (परीक्षण इत्यादि) पिछले मामले के इतिहास आदि की बेहतर उपलब्धता प्रदान करने में सक्षम बनाता है, जिससे रोगी की बेहतर देखभाल सुनिश्चित होती है। ये पहल सरकार के संकल्प के स्पष्ट प्रमाण हैं कि प्रौद्योगिकी के लाभ से विभिन्न पहल द्वारा सभी के लिए अधिक सुलभ, कुशल और पारदर्शी सेवा मुहैया कराने के कल्याणकारी उपायों में कोई भी पीछे न छूटे। रोजगार का दूसरा पहलू सामाजिक सुरक्षा है। भारत में एक बड़ा अनौपचारिक, असंगठित क्षेत्र है जो रोजगार प्रदान करता है। ऐसे रोजगार में नियोक्ता द्वारा कोई लिखित अनुबंध और सामाजिक सुरक्षा नहीं होती। इन कामगारों के लिए, बीमारी, चोट, दुर्घटना, नौकरी छूटना या अन्य आपात स्थिति जैसी कोई भी घटना तुरंत विपत्ति में बदल सकती है। अब सरकार के सामाजिक सुरक्षा के उपाय अस्थायी संकट को आजीवन कठिनाई में बदलने से रोकते हैं। सरकार के निरंतर प्रयासों से इसमें महत्वपूर्ण प्रगति हुई है और सबको सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाना सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है।

हाल तक लाखों असंगठित श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभों तक जागरूकता और पहुंच सीमित थी। पर ई-श्रम पोर्टल ने इस चुनौती का समाधान किया है।असंगठित श्रमिकों को अब सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए एक विशिष्ट पहचान मिला है। वर्ष 2021 में आरंभ किए गए इस पोर्टल पर 30 करोड़ 70 लाख से अधिक असंगठित श्रमिक पंजीकृत हैं। यह पोर्टल लगभग 13 सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को एक ही स्थान पर एकीकृत कर श्रमिकों के लिए “एकल समाधान” के रूप में कार्य करता है, जिससे लाभों को लक्षित रुप से पहुंचाना, उन तक बेहतर पहुंच और योजना संतृप्ति (योजना लाभ) संभव हो पाता है। केंद्रीय बजट 2025-26 में गिग श्रमिकों (अल्पकालिक, अनुबंध-आधारित नौकरी करने वाले) का ई-श्रम से पंजीकरण कर विशिष्ट पहचान पत्र प्रदान किया गया है और उन्हें पीएम जन आरोग्य योजना के दायरे में लाकर सामाजिक सुरक्षा प्रदान की गई है। राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के साथ श्रमिकों का विवरण साझा करके, पोर्टल राज्य स्तर पर श्रमिक कल्याण कार्यक्रमों की बेहतर योजना और कार्यान्वयन को सक्षम बनाता है। इसके अलावा, पोर्टल को राष्ट्रीय करियर सेवा, स्किल इंडिया डिजिटल हब, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना (पीएम-एसवाईएम), सरकारी योजनाएं खोजने के लिए “वन स्टॉप” समाधान प्रदान करने वाला राष्ट्रीय प्लेटफ़ॉर्म माईस्कीम, दिशा योजना आदि के साथ एकीकृत किया गया है। यह श्रमिकों को ई-श्रम पर एक बार पंजीकरण कराने से ही केंद्र और राज्य सरकारों के कई योजना पोर्टलों तक निर्बाध पहुंच प्रदान करता है। इससे योजना की पात्रता, योजना के लाभों, नौकरी के अवसरों का पता लगाने, कौशल प्रशिक्षण, पेंशन और बीमा जैसे लाभ की जानकारी एक ही स्थान पर मिलती है। इसकी पहुंच और भी व्यापक बनाने के लिए हाल ही में इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की भाषिणी परियोजना की 22 भाषाओं वाली एक बहुभाषी सुविधा को ई-श्रम में जोड़ा गया है।

परिचालन को सरल बनाने के लिए राज्य माइक्रोसाइट और मोबाइल ऐप लॉन्च किए गए हैं।इन प्रयासों से उल्लेखनीय सफलता और घरेलू स्तर पर सराहना के साथ ही वैश्विक स्तर पर भी मान्यता मिली है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के नवीनतम डेटाबेस अद्यतन के अनुसार, भारत का सामाजिक सुरक्षा दायरा 2015 में 19 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 64 दशमलव 3 प्रतिशत हो गया है। आईएलओ की विश्व सामाजिक सुरक्षा 2026 की रिपोर्ट के अनुसार लाभार्थियों के मामले में भारत 94 करोड़ 13 लाख के साथ दूसरे स्थान पर है। यह बढोतरी देश में सामाजिक सुरक्षा दायरे की गणना में 32 केंद्रीय योजनाओं के साथ राज्य की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को शामिल करने के सरकार के प्रयासों का परिणाम है। विश्व सामाजिक सुरक्षा 2026 के लिए डेटा पूलिंग की चल रही कवायद के तहत सामाजिक सुरक्षा दायरे में इस विकास को शामिल करने वाला भारत पहला देश बन गया है।इसी क्रम में, 34 करोड़ 60 लाख से अधिक सदस्यों वाले कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने ईपीएफओ के द्वितीय चरण में बदलाव के लिए कई डिजिटल सुधार लागू किए हैं। इनसे सदस्यों की पहुंच बढ़ी है और नियोक्ताओं का काम आसान हो गया है।यूनिवर्सल अकाउंट नंबर शुरू करने, एकीकृत केंद्रीकृत डेटाबेस बनाने, ई-पासबुक, उमंग ऐप, योगदानकर्ताओं के अंशदान का ई-संग्रह और डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र के प्रावधान सहित प्रमुख पहल से सदस्यों की सुविधा बढ़ी है। ईपीएफओ के तहत केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली आरंभ होने से देश में कहीं से भी पेंशन प्राप्त करने से 77 लाख पेंशनभोगियों को लाभ होगा। इसके अतिरिक्त, ऑटो-क्लेम सेटलमेंट सीमा बढ़ाकर एक लाख रुपए करने से लगभग 7 करोड़ 50 लाख सदस्यों को सुगमता होगी और दावों का निपटान तेजी से हो सकेगा। ईपीएफओ ने फंड ट्रांसफर प्रक्रिया को भी सरल बनाया है, जिससे एक करोड़ 25 लाख से अधिक सदस्यों को लाभ हुआ है और लगभग 90 हजार करोड़ रुपए का वार्षिक अंतरण सुगम हुआ है। इन सुधारों और ईपीएफओ के आधुनिकीकरण तथा डिजिटलीकरण दक्षता बढ़ाने और मैनुअल प्रक्रियाओं पर निर्भरता कम करने से सदस्यों और नियोक्ताओं दोनों के लिए प्रणाली संचालन आसान हो जाएगा। सरकारी के नीतिगत हस्तक्षेपों को उद्योग की सक्रिय भागीदारी का समर्थन आवश्यक है। उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका का एक प्रमुख उदाहरण ई-श्रम पहल है, जहां गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों (संस्थागत श्रमिकों) के लिए सामाजिक सुरक्षा का सफल कार्यान्वयन काफी हद तक प्लेटफॉर्म एग्रीगेटर्स की भागीदारी पर निर्भर करता है। नियोक्ताओं को यह समझना जरूरी है कि एक सुरक्षित, संरक्षित और संतोषजनक कार्यस्थल बनाना, साथ ही श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना दीर्घकालिक उत्पादकता के लिए नितांत आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करते हुए, वंचित और कमजोर समूहों को लक्षित और निरंतर समर्थन प्रदान करना भी महत्वपूर्ण है। यह समर्थन आर्थिक और सामाजिक प्रगति को बढ़ावा देगा और कार्यबल तथा अर्थव्यवस्था में भागीदारी की बाधाओं को दूर करने में मदद करेगा।

जगन्नाथ रथयात्रा: श्रद्धालुओं की सेवा में सदैव तत्पर भारतीय रेल

अश्विनी वैष्णव

महाप्रभु की पावन नगरी, जगन्नाथ पुरी, रथयात्रा के लिए पूरी तरह तैयार है। दुनिया भर से हर वर्ष आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए यह आस्था की अनोखी यात्रा है। भारतीय रेल भी तीर्थयात्रियों को सेवा में हमेशा की तरह तत्पर है। तीर्थयात्रियों के सुखद अनुभव के लिए भारतीय रेल उनकी सेवा में तत्पर है। पिछले 11 वर्ष, ओडिशा के रेल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास की दृष्टि से ऐतिहासिक रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'पूर्वोदय नीति' के तहत ओडिशा को आवंटित रेल बजट में 2009-14 के वार्षिक औसत के मुकाबले 12 गुना उछाल देखने को मिला है। वर्ष 2025-26 में बजट का आंकड़ा 10,500 करोड़ रुपये से भी अधिक हो गया है। ओडिशा में 2014 से अब तक 2,100 किलोमीटर से अधिक नई पटरियां बिछाई जा चुकीं हैं। यह मलेशिया के पूरे रेल नेटवर्क से भी अधिक है। ओडिशा में वर्तमान में 73,000 करोड़ रुपये की नई रेल लाइन परियोजनाएं चल रही हैं। 59 अमृत स्टेशन विकसित किए जा रहे हैं, जिनमें आकांक्षी जिलों में 16 स्टेशन शामिल हैं। राज्य में संचालित 6 वंदे भारत सेवाएं 17 जिलों को कवर कर रहीं हैं। ओडिशा में भारतीय रेलवे का सबसे खास योगदान रथयात्रा के दौरान होता है। रेलवे हर साल इस दौरान लाखों तीर्थयात्रियों की सेवा का जिम्मा उठाता है। सुगम यात्रा, सहज व्यवस्था पिछले 11 वर्षों में रथयात्रा स्पेशल ट्रेनों की संख्या चार गुना बढ़ी है। इस वर्ष जगन्नाथपुरी के लिए 850 नियमित और 365 विशेष ट्रेन सेवाओं सहित कुल 1,215 ट्रेन सेवाएं संचालित हैं। ये ट्रेनें ओडिशा के कई आकांक्षी जिलों जैसे कालाहांडी, बलांगीर, नुआपाड़ा, कोरापुट, रायगढ़ा, गजपति और ढेंकनाल और आदिवासी क्षेत्रों को श्रीक्षेत्रपुरी से जोड़तीं हैं। एआई-आधारित रियल-टाइम डिमांड प्रिडिक्शन सिस्टम के जरिए ट्रेनों का बेहतर संचालन हो रहा है। पुरी में इस बार 10 प्लेटफॉर्म तीर्थयात्रियों के स्वागत के लिए तैयार हैं।

पुरी के साथ-साथ अन्य रेलवे स्टेशनों पर अतिरिक्त टिकट काउंटर लगाए गए हैं। आस्था आधारित सार्वजनिक सेवा मॉडल 'सेवा परमो धर्मः' की भावना के साथ, भारतीय रेल यह सुनिश्चित कर रही है कि रथ यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों को सम्मान, सुविधा और सुरक्षा मिले। इस वर्ष तीर्थ यात्रा को समावेशी बनाने की बहुत बड़ी पहल हो रही है। प्रतिदिन अधिकतम 2 लाख की क्षमता के साथ रेलवे करीब 20 लाख यात्रियों की सेवा के लिए तैयार है। 25,000 तीर्थयात्रियों की क्षमता वाला होल्डिंग एरिया भी बनाया गया है। गर्मी से राहत के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई है। भोजन, पानी और कूलर की व्यवस्था है। लगभग 2.5 लाख निःशुल्क भोजन सामग्री के वितरण की व्यवस्था है।

सफाई के लिए आधुनिक जेट क्लीनिंग मशीनें, सीवर सफाई ट्रक सहित अत्याधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं। तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त सुरक्षा बल, सीसीटीवी, ड्रोन और फेस रिकग्निशन सिस्टम लगाए गए हैं। दिव्यांगजनों, बुजुर्गों, महिलाओं और बीमार श्रद्धालुओं की आवश्यकताओं का ध्यान रखा गया है। डॉक्टर, एंबुलेंस, मेडिकल बूथ और फर्स्ट एड काउंटर स्थापित किए गए हैं। इस बार भारतीय रेलवे ने पुरी स्टेशन को आस्था-आधारित सार्वजनिक सेवा के एक मॉडल के रूप में परिवर्तित किया है। स्पेशल जैक के साथ रथयात्रा में प्रत्यक्ष सहभागी भारतीय रेल की विशेष इंजीनियर्स और टेक्नीशियन्स की टीम पूरी रथयात्रा के दौरान रथों के साथ तैनात रहती है। यह रथों को निर्माण स्थल से जगन्नाथ मंदिर तक ले जाने के साथ उनकी सुगम आवाजाही और मरम्मत में सहयोग करती है। यह टीम स्पेशल स्क्रू जैक का उपयोग कर रथों को ठीक जगह पर रखना, उनकी दिशा और सीध भी सुनिश्चित करती है। रथों के बीच उचित दूरी बनाये रखने और मार्ग की बाधाओं को हटाने की जिम्मेदारी भी रेलवे की टीम देखती है। भारतीय रेल को राष्ट्र की जीवनरेखा कहा जाता है। रथ यात्रा को अपनी जीवनरेखा मानने वाले तीर्थयात्रियों के साथ हर भारतीय की सेवा के लिए भारतीय रेल प्रतिबद्ध है।

नशीली दवाओं के खिलाफ महत्वाकांक्षी युद्ध का आह्वान

ललित गर्ग

नशीली दवाओं के के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस - 26 जून, 2025

नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस हर साल 26 जून को नशीली दवाओं मुक्त दुनिया को निर्मित करने के लक्ष्य को प्राप्त करने, कार्रवाई और सहयोग को मजबूत करने के लिए मनाया जाता है। इसका उद्देश्य गलत सूचनाओं का मुकाबला करना और नशीली दवाओं के बारे में तथ्यों को साझा करना है। साथ ही साक्ष्य आधारित रोकथाम, स्वास्थ्य जोखिमों और विश्व नशीली दवाओं की समस्या, उपचार और देखभाल से निपटने के लिए उपलब्ध समाधानों के बारे में जागरूकता पैदा करना है। अवैध ड्रग्स एवं तस्करी मानव के लिए बहुत बड़ी पीड़ा एवं संकट का स्रोत हैं। सबसे कमज़ोर लोग, खास तौर पर युवा लोग, इस संकट का खामियाजा भुगतते हैं। ड्रग्स का इस्तेमाल करने वाले और नशे की लत से जूझ रहे लोग अंधेरी दुनिया में भटकते हुए कई चुनौतियों का सामना कर रहे है। नशीली दवाओं एवं ड्रग्स के खुद के हानिकारक प्रभाव, उनके द्वारा झेला जाने वाला कलंक, स्वास्थ्य संकट और भेदभाव और अक्सर उनकी स्थिति के प्रति कठोर और अप्रभावी प्रतिक्रियाएं दुनिया को एक महासंकट में धकेल रही है। इसलिये नशे एवं नशीली दवाओं के बढ़ते प्रचलन एवं तस्करी को रोकने के लिये दुनिया को एकजुट होकर इस महत्वाकांक्षी युद्ध को सफल बनाना नितांत अपेक्षित है।हर साल संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) वैश्विक जागरूकता अभियानों और नीति सिफारिशों का मार्गदर्शन करने के लिए एक थीम निर्धारित करता है। 2025 की थीम है- ''जंजीरों को तोड़ना : सभी के लिए रोकथाम, उपचार और पुनर्प्राप्ति!'' यह नारा सामुदायिक समर्थन, स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच और नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी से निपटने में वैश्विक एकजुटता की आवश्यकता पर जोर देता है। यूएनओडीसी की विश्व मादक पदार्थ रिपोर्ट 2020 के अनुसार, वर्ष 2018 में वैश्विक स्तर पर 269 मिलियन लोगों ने मादक पदार्थों का उपयोग किया, जो वर्ष 2009 की तुलना में 30 प्रतिशत अधिक है; तथा अनुमान है कि 35 मिलियन लोग मादक पदार्थ उपयोग विकारों से पीड़ित हैं। यह दिवस न्याय, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और वैकल्पिक आजीविका सहित रोकथाम में निवेश का आह्वान करता है-जो टिकाऊ लचीलेपन के निर्माण के साथ उन्नत एवं स्वस्थ मानव जीवन का आधार हैं। दुनिया में सभी राष्ट्रों में राजनीति और ड्रग्स का चोली दामन का संबंध है, सभी देशों में बड़ी राजनीतिज्ञ पार्टियों की नशा माफिया एवं नशीले पदार्थों के तस्करों के साथ काफी मिलीभगत है और यही वजह है कि दुनिया 'नशीले पदार्थों की राजनीति' के युग से गुजर रही है। इसलिये भी यह समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है। जिससे समय के साथ दुनिया में हेरोइन, अफीम, गांजा, चरस के अलावा अन्य नशों के साथ कैप्सूल और नशीली दवाइयों का चलन बढ़ने लगा है।

नशीली दवाओं का दुरुपयोग और अवैध तस्करी वैश्विक स्तर पर चिंता का विषय बनी हुई है, जिससे लाखों व्यक्ति, परिवार और समाज प्रभावित हो रहे हैं। इसीलिये यह दिवस एक स्वस्थ और नशीली दवाओं से मुक्त समाज बनाने के लिए साक्ष्य-आधारित नीतियों, सामुदायिक सहभागिता और नुकसान कम करने की रणनीतियों के महत्व पर प्रकाश डालता है। पिछले वर्ष विश्वभर में 15-64 वर्ष की आयु के 300 मिलियन से अधिक लोगों ने नशीले पदार्थों का

भारत में नशीली दवाओं का दुरुपयोग एक बढ़ता हुआ संकट है, जो भौगोलिक रूप से कमजोर, बढ़ती उपलब्धता और कम उम्र में इसकी शुरुआत से प्रेरित है। यह समस्या सभी आयु समूहों में फैली हुई है, लेकिन युवाओं में यह विशेष रूप से चिंताजनक है, जिसके स्वास्थ्य और सामाजिक परिणाम महत्वपूर्ण हैं।

उपयोग किया है। मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकार से पीड़ित 8 में से 1 व्यक्ति को उपचार मिल पाता है, जिससे बेहतर स्वास्थ्य सेवा पहुंच की तत्काल आवश्यकता उजागर होती है। वैश्विक नशीली दवाओं का व्यापार प्रतिवर्ष 400 बिलियन डॉलर से अधिक उत्पन्न करता है, जिससे संगठित अपराध, भ्रष्टाचार और हिंसा को बढ़ावा मिलता है। इस बड़े संकट की रोकथाम की आवश्यकता को महसूस करते हुए ही संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 7 दिसंबर, 1987 को संकल्प 42/112 के माध्यम से आधिकारिक तौर पर इस दिवस को स्थापित किया। इसका लक्ष्य नशीली दवाओं से संबंधित समस्याओं से निपटने में वैश्विक सहयोग को मजबूत करना और दंडात्मक उपायों के बजाय सार्वजनिक स्वास्थ्य-आधारित प्रतिक्रियाओं को बढ़ावा देना है। नशीली दवाओं का दुरुपयोग शरीर में लगभग हर प्रणाली को प्रभावित करता है, जिससे गंभीर अल्पकालिक और दीर्घकालिक परिणाम सामने आते हैं। मादक द्रव्यों के सेवन से दीर्घकालिक स्वास्थ्य स्थितियाँ पैदा होती हैं, जिसमें ओपिओइड, मेथ और सिंथेटिक ड्रग्स सबसे ज्यादा मृत्यु दर और दीर्घकालिक अंग क्षति का कारण बनते हैं। इसके अलावा, नशीली दवाओं के दुरुपयोग के मानसिक स्वास्थ्य परिणाम उपयोगकर्ता से परे तक फैल जाते हैं, जिससे अक्सर परिवार टूट जाते हैं, रोजगार छिन जाता है और अपराध दर बढ़ जाती है।भारत में नशीली दवाओं का दुरुपयोग एक बढ़ता हुआ संकट है, जो भौगोलिक रूप से कमजोर, बढ़ती उपलब्धता और कम उम्र में इसकी शुरुआत से प्रेरित है। यह समस्या सभी आयु समूहों में फैली हुई है, लेकिन युवाओं में यह विशेष रूप से चिंताजनक है, जिसके स्वास्थ्य और सामाजिक परिणाम महत्वपूर्ण हैं। नशा मुक्त भारत अभियान - जागरूकता, शिक्षा और सामुदायिक कार्रवाई वाला एक राष्ट्रीय अभियान है। सीमा नियंत्रण और नारकोटिक्स ब्यूरो (एनसीबी)- बढ़ते नशीली दवाओं एवं नशे उत्पादों की तस्करी से निपटता है। यह नशीली दवाओं की जब्ती और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पर काम करता है। नशे एवं ड्रग्स के धंधे की रोकथाम एवं जन-जागृति के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत में उल्लेखनीय उपक्रम किये हैं, नयी-नयी योजनाओं को लागू किया है। मोदी सरकार नशीली दवाओं के दुरुपयोग के शिकार लोगों के कल्याण, नशामुक्ति एवं नशामुक्त भारत को निर्मित करने के प्रतिबद्ध है।पाकिस्तान ने भारत में आतंकवाद की ही तरह नशे एवं ड्रग्स को व्यापक स्तर पर फैलाया है, जिसके दुष्परिणाम विशेषतः पंजाब के साथ-साथ समूचे देश को भोगने को विवश होना पड़ रहा है। पंजाब नशे की अंधी गलियों में धंसता जा रहा है, सीमा पार से शुरू किए गए इस छद्म युद्ध की कीमत पंजाब की जनता को चुकानी पड रही है, देर आये दुरस्त आये की भांति लगातार चुनौती बने नशीली दवाओं एवं ड्रग्स के धंधे के खिलाफ आप सरकार ने एक महत्वाकांक्षी युद्ध एवं अभियान शुरू किया है। दरअसल, सबसे बड़ा संकट यह है कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान में हेरोइन उत्पादन के केंद्र- गोल्डन क्रिसेंट के निकट होने के कारण पंजाब लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी से जूझ रहा है। पंजाब के 26 प्रतिशत युवा चरस, अफीम तथा कोकीन व हेरोइन जैसे सिंथेटिक ड्रग्स लेने में लिप्त हैं। पंजाब देश में ड्रग्स में सर्वाधिक संलिप्त राज्यों में आता है। यह डाटा गतदिनों गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में 'मादक पदार्थों की तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षा' पर आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में सामने आया।

पंजाब में नशे की समस्या पर सुप्रीम कोर्ट भी चिन्ता व्यक्त करता रहा है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पूर्व में 'ड्रग्स-फ्री इंडिया' अभियान चलाने की बात कहकर इस राष्ट्र की सबसे घातक बुराई की ओर जागृति का शंखनाद किया है। देश के युवा अपनी अमूल्य देह में बीमार फेफड़े और जिगर सहित अनेक जानलेवा बीमारियां लिए एक जिन्दा लाश बने जी रहे हैं, पौरुषहीन भीड़ का अंग बन कर। ड्रग्स के सेवन से महिलाएं बांझपन का शिकार हो रही हैं। पुरुषों पर भी इसका प्रभाव पड़ रहा है। नशे के ग्लैमर की चकाचौंध ने जीवन के अस्तित्व पर चिन्ताजनक स्थितियां खड़ी कर दी है। चिकित्सकीय आधार पर देखें तो अफीम, हेरोइन, चरस, कोकीन, तथा स्मैक जैसे मादक पदार्थों से व्यक्ति वास्तव में अपना मानसिक संतुलन खो बैठता है एवं पागल तथा सुप्तावस्था में हो जाता है। मामला सिर्फ स्वास्थ्य से नहीं अपितु अपराध से भी जुड़ा हुआ है।

कहा भी गया है कि जीवन अनमोल है। नशे के सेवन से यह अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है या अपराध की अंधी गलियों में धंसता चला जाता है, पाकिस्तान युवाओं को निस्तेज करके एक नये तरीके के आतंकवाद को अंजाम दे रहा है। संगठित अपराध और मादक पदार्थों की तस्करी के चक्र को तोड़ने के लिए समन्वित दीर्घकालिक कार्रवाई की आवश्यकता है। जरूरत है दुनिया की इस बड़े संकट एवं नासूर बनती इस समस्या को जड़मूल से समाप्त करने के लिये सरकारों के साथ गैर-सरकारी संगठन कमर कसे।

भगवान श्रीकृष्ण की हर लीला भक्तों के मन को है लुभाती

भक्ति की परंपरा में भगवान श्रीकृष्ण सबसे ज्यादा आकर्षित करने वाले भगवान हैं। योगेश्वर रूप में वे जीवन का दर्शन देते हैं तो बाल रूप में उनकी लीलाएं भक्तों के मन को लुभाती है।आज पूरब से लेकर पश्चिम तक हर कोई कान्हा की भक्ति से सराबोर है। चैतन्य महाप्रभु के भक्ति आन्दोलन के समय श्रीकृष्ण का जो महामंत्र प्रसिद्ध हुआ, वह तब से लेकर अब तक लगातार देश दुनिया में गूंज रहा है। आप भी मुरली मनोहर श्रीकृष्ण की कृपा पाने के लिए उनके मंत्र के जाप की शुरुआत कर सकते हैं।

हरे कृष्ण हरे कृष्ण
कृष्ण कृष्ण हरे हरे
हरे राम हरे राम
राम राम हरे हरे॥

१५वीं शताब्दी में चैतन्य महाप्रभु के भक्ति आन्दोलन के समय प्रसिद्ध हुए इस मंत्र को वैष्णव लोग महामन्त्र कहते हैं। इस्कान के संस्थापक के श्रील प्रभुपाद जी अनुसार इस महामंत्र का जप उसी प्रकार करना चाहिए जैसे एक शिशु अपनी माता का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने के लिए रोता है।

ॐ नमो भगवते श्री गोविन्दाय

भगवान श्रीकृष्ण के इस द्वादशाक्षर (12) मंत्र का जो भी साधक जाप करता है, उसे सुख, समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। प्रेम विवाह करने वाले अभिलाषा रखने वाले जातकों के लिए यह रामबाण साबित होता है।

कृं कृष्णाय नमः

यह पावन मंत्र स्वयं भगवान श्रीकृष्ण द्वारा बताया गया है। इसके जप से जीवन से जुड़ी तमाम बाधाएं दूर होती हैं और घर-परिवार में सुख और समृद्धि का वास होता है।

ॐ श्री कृष्णाय शरणं मम्।

जीवन में आई विपदा से उबरने के लिए भगवान श्रीकृष्ण का यह बहुत ही सरल और प्रभावी मंत्र है। इस महामंत्र का जाप करने से भगवान श्रीकृष्ण बिल्कुल उसी तरह मदद को दौड़े आते हैं जिस तरह उन्होंने द्रौपदी की मदद की थी।

आदौ देवकी देव गर्भजननं,
गोपी गृहे वद्र्धनम्।
माया पूज निकासु ताप हरणं
गौवद्र्धनोधरणम्।।
कंसच्छेदनं कौरवादिहननं,
कुंतीसुपाजालनम्।
एतद् श्रीमद्भागवतम् पुराण
कथितं श्रीकृष्ण लीलामृतम्।।
अच्युतं केशवं रामनारायणं
कृष्णःदामोदरं वासुदेवं हरे।
श्रीधरं माधवं गोपिकावल्लभं
जानकी नायकं रामचन्द्रं भजे।।

श्रद्धा और विश्वास के इस मंत्र का जाप करने से न सिर्फ तमाम संकटों से मुक्ति मिलती है, बल्कि सभी मनोकामनाएं पूरी होती है। सुख, समृद्धि और शुभता बढ़ाने में यह महामंत्र काफी कारगर साबित होता है।

अधरं मधुरं वदनं मधुरं नयनं मधुरं हसितं मधुरम्।
हृदयं मधुरं गमनं मधुरं मधुराधिपतेरखिलं मधुरम् ।। 1 ।।
वचनं मधुरं चरितं मधुरं वसनं मधुरं वलितं मधुरम्
चलितं मधुरं भ्रमितं मधुरं मधुराधिपतेरखिलं मधुरम् ।। 2 ।।
वेणुर्मधुरो रेणुर्मधुरः पाणिर्मधुरः पादौ मधुरौ।
नृत्यं मधुरं सख्यं मधुरं मधुराधिपतेरखिलं मधुरम् ।। 3 ।।
गीतं मधुरं पीतं मधुरं भुक्तं मधुरं सुप्तं मधुरम्।
रूपं मधुरं तिलकं मधुरं मधुराधिपतेरखिलं मधुरम् ।। 4 ।।
करणं मधुरं तरणं मधुरं हरणं मधुरं रमणं मधुरम्।
वमितं मधुरं शमितं मधुरं मधुराधिपतेरखिलं मधुरम् ।। 5 ।।
गुञ्जा मधुरा माला मधुरा यमुना मधुरा वीची मधुरा।
सलिलं मधुरं कमलं मधुरं मधुराधिपतेरखिलं मधुरम् ।। 6 ।।
गोपी मधुरा लीला मधुरा युक्तं मधुरं मुक्तं मधुरम्।
दृष्टं मधुरं शिष्टं मधुरं मधुराधिपतेरखिलं मधुरम् ।। 7 ।।
गोपा मधुरा गावो मधुरा यष्टिर्मधुरा सृष्टिर्मधुरा।
दलितं मधुरं फलितं मधुरं मधुराधिपतेरखिलं मधुरम्।। 8 ।।

कन्हैया की स्तुति करने के लिए तमाम मंत्र हैं लेकिन यह मंत्र उनकी मधुर छवि का दर्शन कराती है। इस मंत्र की स्तुति में कान्हा की अत्यंत मनमोहक छवि उभर कर सामने आती है। साथ ही साथ योगेश्वर श्रीकृष्ण के सर्वव्यापी और विश्व के पालनकर्ता होने का भी भान होता है।

हृदय रेखा छोटी सा फिर हल्कीं होना अच्छा नहीं

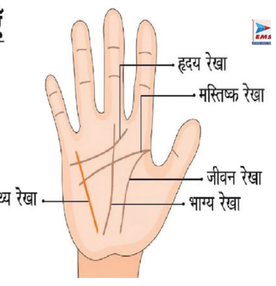

विवाह के लिए वर-वधू का योग देखने में हस्तशरेखा का बहुत बड़ा योगदान होता है। किसी भी विवाह का भविष्यं वर और कन्यास की हथेली पर उपस्थित विभिन्ना रेखाओं, पर्वतों और चिह्नों की स्थिति पर निर्भर करता है। कुछ ऐसी रेखाओं के बारे में जान लें जो विवाह के मामले में अच्छी साबित नहीं होतीं।

हृदय रेखा : यदि आपकी हृदय रेखा छोटी सा फिर हल्कीा है तो आपके लिए वैवाहिक संयोग अच्छें नहीं हैं। ऐसे में विवाह होने के बाद भी आपके संबंधों में विच्छेंद हो सकता है।

मंगल पर्वत :यदि आपका मंगल पर्वत जरूरत से ज्या दा विकसित हो या फिर मंगल पर दोषपूर्ण चिह्न हो तो ऐसे में विवाह करना आपके लिए सही नहीं होगा।

शुक्र पर्वत हों कम विकसित : शुक्र पर्वत कम विकसित होने पर वैवाहिक जीवन में शारीरिक संतुष्टि नहीं प्राप्तण होती। चंद्र पर्वत और बृहस्पवति के कम विकसित होने पर भी ऐसा ही होता है।

हृदय रेखा पर काले चिह्न अशुभ : यदि आपकी हृदय रेखा पर किसी प्रकार के काले चिह्न शुभ नहीं है। मस्तिष्क रेखा और जीवन रेखा में जरूरत से ज्याकदा दूरी होना सही नहीं है। हाथ का निचला क्षेत्र अत्य धिक विकसित होना अच्छा् नहीं माना जाता। ये सभी बातें विवाह पश्चा्त शारीरिक अनुकूलता के लिए सही नहीं है। ये सभी विकार असंतुष्ट यौन संबंधों को दर्शाते हैं।

संतान सुख नहीं मिल पाता इनको : अगर आपकी हृदय रेखा छोटी है और शुक्र व गुरु पर्वत के उभार भी कम हैं। विवाह रेखा के ऊपर क्रॉस है। जिस स्थारन पर मस्तिष्कक रेखा बुध रेखा को काटती है, अगर वहां तारा है तो यह शुभ नहीं है।

ऐसे में हो सकता है तलाक भी : विवाह रेखा अंत में दो भागों में बंट रही हो। शुक्र पर्वत पर जाल या फिर एक-दूसरे को काटती हुई रेखाएं हो तो ये शारीरिक अक्षमता को दर्शाता है। विवाह रेखा को कोई रेखा काटे तो तलाक की आशंका बढ़ जाती है।

खुशहाली के लिए वास्तुशास्त्र का पालन करें

सभी अपने घर और जीवन में खुशहाली चाहते हैं पर कई बार हमें मुसीबतों का सामना करना पड़ता है। अगर हम इस दौरान वास्तुशास्त्र का पालन करें तो आने वाली परेशानियां कम हो सकती हैं। वास्तु विज्ञानियों की मानें तो घर में रखी हर चीज़ को वास्तुशास्त्र के अनुसार रखना चाहिए। इससे वहां रहने वाले लोगों के जीवन पर सकारात्मक असर पड़ता है। अगर कोई व्यक्ति इन नियमों का पालन नहीं करता तो उसके जीवन में कई तरह की मुसीबतें पैदा हो जाती हैं। कहा जाता है कि वास्तुशास्त्र की हर बात इंसान के जीवन में अहम मानी जाती है। अगर इसमें लिखी सभी बातों को मान लिया जाए तो परिवार के लोगों का जीवन खुशहाल होता है। वहीं अगर वास्तुशास्त्र का पूरी तरह से पालन न किया जाए तो घर में खुशहाली नहीं रहती। कई बार घर के सदस्यों के बीच क्लेश और झगड़े बढ़ने लगते हैं। वास्तुशास्त्र के खास नियम अपनाकर कलह और आर्थिक समस्या से बचा जा सकता है।

उत्तर-पूर्व दिशा को हमेशा साफ-सुधरा रखें

अगर आपके घर में आर्थिक परेशानी चल रही है तो घर की उत्तर-पूर्व दिशा को हमेशा साफ-सुधरा रखें। उत्तर-पूर्व दिशा देवताओं के आगमन की दिशा मानी गई है। इसी दिशा से परिवार में खुशियों और धन की बारिश होती है। कहा जाता है कि इस दिशा में कभी भी कोई भारी सामान नहीं रखना चाहिए। घर की उत्तर-पश्चिम दिशा को भी धन का महत्वपूर्ण स्त्रोत माना गया है। जानकारों का कहना है कि इस दिशा में हमेशा रोशनी मौजूद होनी चाहिए। कभी भी इस दिशा में गंदगी नहीं होनी चाहिए। घर की इस दिशा में रोज़ सफाई करना शुभ माना जाता है।

दक्षिण दिशा रखें बंद

दक्षिण दिशा को यम का द्वार माना गया है। कोशिश करें कि इस दिशा को हमेशा बंद रखें और इस बात का भी ध्यान रखें कि कभी भी घर का प्रवेश द्वारा इस दिशा में न हो। इस दिशा को धन का नुकसान करने वाली दिशा कहा जाता है, इसलिए यहां कभी भी धन न रखें। इस दिशा को लेकर कुछ मान्यताएं यह भी है कि यह दिशा यहां रहने वाले सदस्यों की उम्र कम करती है। कहा जाता है कि दक्षिण-पूर्वी कोने में घर के मुखिया का कमरा कभी नहीं होना चाहिए। अगर घर के मुखिया का कमरा इस दिशा में है तो उसका जीवन कभी सुखी नहीं रहता। हमेशा परेशानियों से भरा रहता है। साथ ही घर का रसोईघर कभी उत्तर-पूर्वी दिशा में नहीं होना चाहिए।

वास्तु के अनुसार बनायें घर

अगर आप घर बनवाते समय वास्तु का ध्यान रखेंगे तो जीवन में कई परेशानियों से बचे रहेंगे। घर में हमेशा दक्षिणी हिस्से में ही सीढ़ियां बनवानी चाहिए, इससे घर में धन का आगमन सुचारु रूप से होता है। घर के उत्तर-पूर्वी हिस्से तथा उत्तर दिशा में फव्वारा लगाना समृद्धि कारक होता है। इस दिशा में छत पर वाटर टैंक लगाना अच्छा होता है।घर के दक्षिणी हिस्से में यदि तुलसी लगी हो, तो उसे तुरंत वहां से हटा लेना चाहिए, क्योंकि दक्षिण दिशा यम की है और इस दिशा में तुलसी लगाने से घरवालों को अनके प्रकार के रोग व कष्ट झेलने पड़ते है।घर के उत्तरी हिस्से से दक्षिणी हिस्से को हमेशा ऊंचा रखना चाहिए। घर का दक्षिणी हिस्सा उत्तरी हिस्से से जितना ऊंचा होगा, उतनी ही सुख समृद्धि का वास होगा।

मुख्यद्वार सबसे अहम

घर के मुख्यद्वार पर कभी कीचड़, गड्ढा या गंदा पानी नहीं बहना चाहिए, इससे घर में दरिद्रता आती है।

धन की कामना करने वाले को कभी भी देशी घी को जूठे हाथों से नहीं छूना चाहिए। सात मुखी रुद्राक्ष को मां लक्ष्मी का स्वरूप माना गया है। इसे धारण करने से दरिद्रता दूर होती है पर रुद्राक्ष धारणकर्ता को मांस मदिरा से दूर रहना चाहिए

घर में जल का प्रवाह हमेशा उत्तर पूर्व या उत्तर दिशा में रखना चाहिए इससे धन की वृद्धि होती है। घर के ड्राइंग रूम में कभी फालतू का सामान या पुरानी वस्तुएं कभी नहीं रखनी चाहिए। इससे समृद्धि में रुकावट आती है। घर के ईशान कोण या मध्य में भूलकर भी शौचालय नहीं बनवाना चाहिए, इससे घर में अशांति और दरिद्रता आती है। घर के मुख्यद्वार के अंदर दक्षिणी दीवार के पास मनीप्लांट का पौधा लगाना श्रेयस्कर होता है।

भूखंड तिकोना न हो

घर में कभी सामान इधर उधर बिखराकर नहीं रखना चाहिए। घर के मुख्यद्वार में घुसते ही न ही सीधी सीढ़ी होनी चाहिए न ही सीधा अंदर का रास्ता होना चाहिए, घर में एक सीध में तीन द्वार होना भी हानिकारक होता है। घर के लिए कभी भी तिकोना भूखंड नहीं चुनना चाहिए, ऐसे भूखंड में हमेशा रोग और बीमारी लगे रहते हैं और कुछ न कुछ अशुभ ही होता रहता है। घर में कभी भी टूटे फूटे बर्तन, टूटा पलंग या खाट नहीं रखनी चाहिए, इससे घर में दरिद्रता का वास होता है।लक्ष्मी की कामना करने वाले को कभी भी भगवान विष्णु को कनेर का पुष्प नहीं चढ़ाना चाहिए ऐसा शास्त्रों का कथन है।घर की दक्षिण दिशा में पहाड़ का चित्र लगाने से समृद्धि आती है। बंद गली के अंतिम मकान जहां गली खत्म होती हो, उसमें नहीं रहना चाहिए। दीपक, पलंग या कैथे के पेड़ की छाया में कभी नहीं बैठना चाहिए इससे दरिद्रता आती है।

सावन शुरू होने से पहले करें ये बदलाव

सावन का महीना आते ही शिव भक्ति का माहौल पूरे देश में छा जाता है. व्रत, पूजा और हर सोमवार का विशेष महत्व इस माह को बेहद पवित्र बना देता है पर केवल व्रत या जलाभिषेक करना ही पर्याप्त नहीं होता? अगर आपके घर में कुछ वास्तु दोष हैं या पूजा से पहले साफ-सफाई में लापरवाही बरती जाती है, तो शिवजी की कृपा पूर्ण रूप से नहीं मिल पाती। इसलिए सावन शुरू होने से पहले कुछ खास बदलाव जरूरी माने गए हैं.

इस बार सावन में चार सोमवार होंगे 14 जुलाई, 21 जुलाई, 28 जुलाई और 4 अगस्त

सावन से पहले करें ये जरूरी कार्य

पूरे घर की सफाई करें

पूजा से पहले घर का हर कोना विशेष रूप से पूजा स्थल को स्वच्छ करें। वहां गंगाजल छिड़कें, धूल-मिट्टी हटाएं। साफ वातावरण में शिव की उपासना अधिक प्रभावशाली मानी जाती है।

इन वस्तुओं को तुरंत हटा दें

शराब, सिगरेट या कोई भी नशीली वस्तु

लहसुन-प्याज जैसे तामसिक भोजन

ये चीजें घर की पवित्रता को नष्ट करती हैं और पूजा का सकारात्मक प्रभाव कम कर सकती हैं।

खंडित मूर्तियों को न रखें

यदि आपके घर में किसी देवी-देवता की टूटी या खंडित मूर्ति है, तो उसे पीपल के नीचे रखें या बहते जल में प्रवाहित करें। इन्हें घर में रखना अशुभ होता है।

सावन में करें ये सरल उपाय

रोज सुबह स्नान के बाद शिवलिंग पर जल अर्पित करें और "ॐ नमः शिवाय" का जाप करें।

घर में तुलसी का पौधा अवश्य लगाएं, यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है।

हर सोमवार को व्रत रखें और संभव हो तो शाम को दीपक जलाकर शिवजी की आरती करें।

इस माह का महत्व

सावन केवल व्रत और धार्मिक अनुष्ठान का समय नहीं, बल्कि यह आत्मशुद्धि, आस्था और ईश्वर से जुड़ने का सुनहरा अवसर है। इन छोटे-छोटे वास्तु उपायों को अपनाकर आप न केवल शिव कृपा के अधिकारी बन सकते हैं, बल्कि अपने जीवन में सुख, शांति और समृद्धि भी ला सकते हैं।

गोविंदा एक बार फिर चर्चा में

बॉलीवुड के वेटरन एक्टर गोविंदा एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं, लेकिन इस बार वजह बेहद विवादास्पद है। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें गोविंदा फ्लाइट के अंदर एक बच्ची के साथ कुछ ऐसा करते नजर आ रहे हैं जिसे लेकर यूजर्स नाराज हो गए हैं। वीडियो में उनकी हरकत को कई लोगों ने अशोभनीय और असहज बताया है। यूजर्स का कहना है कि एक सीनियर एक्टर से ऐसी उम्मीद नहीं थी। कुछ लोगों ने यहां तक कह दिया कि यही वजह रही होगी कि उनकी पत्नी ने भी कभी नाराजगी जताई थी। हालांकि, यह बात किसी आधिकारिक स्रोत से नहीं कही गई है, लेकिन लोगों की प्रतिक्रियाएं वीडियो को लेकर काफी कड़ी हैं। जहां कुछ फैंस गोविंदा का बचाव करते हुए कह रहे हैं कि वीडियो को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है, वहीं अधिकतर लोग इसे अप्रिय और असंवेदनशील बता रहे हैं। अभी तक गोविंदा की ओर से इस पूरे मामले पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। यह पहली बार नहीं है जब गोविंदा ट्रोलिंग का शिकार हुए हों, लेकिन यह मामला उनकी इमेज और फैनबेस दोनों पर असर डाल सकता है।

लता सभरवाल ने 15 साल बाद लिया तलाक

टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री लता सभरवाल ने 15 साल बाद अपने पति संजीव सेठ से तलाक ले लिया है। उन्होंने यह खबर सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट के जरिए शेयर की। लता और संजीव की मुलाकात मशहूर टीवी सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' के सेट पर हुई थी, जहां दोनों ने ऑनस्क्रीन पति-पत्नी का किरदार निभाया था। यहीं से उनकी ऑफस्क्रीन नजदीकियां भी शुरू हुईं और साल 2009 में दोनों ने शादी कर ली थी। उनका एक बेटा भी है। तलाक की खबर सुनकर फैन्स हैरान हैं, क्योंकि दोनों की जोड़ी को टीवी इंडस्ट्री की सबसे मजबूत जोड़ियों में गिना जाता था। लता ने अपने पोस्ट में लिखा कि यह फैसला उन्होंने काफी सोच-समझकर और आपसी सहमति से लिया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि तलाक के बावजूद उनके रिश्ते में कोई कड़वाहट नहीं है और वे जीवन में पॉजिटिविटी के साथ आगे बढ़ना चाहती हैं। उन्होंने लिखा, हम दोनों ने अपने रास्ते अलग करने का निर्णय शांति और सम्मान के साथ लिया है। हम हमेशा एक-दूसरे की भलाई की कामना करेंगे। संजीव सेठ की तरफ से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन लता का पोस्ट बताता है कि यह निर्णय किसी विवाद के कारण नहीं, बल्कि आपसी समझदारी के तहत लिया गया है। सोशल मीडिया पर लोग उन्हें भावनात्मक समर्थन दे रहे हैं।

क्या बिपाशा बसु हैं दूसरी बार प्रेग्नेंट?

बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्री बिपाशा बसु और उनके पति करण सिंह ग्रोवर इन दिनों एक बार फिर सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें बिपाशा को ढीली मिनी ड्रेस पहने हुए देखा गया, और यूजर्स का ध्यान उनकी पेट पर गया। इस वीडियो ने एक बार फिर उनके प्रेग्नेंट होने की अटकलों को हवा दी है। कई लोगों ने कॉमेंट्स में पूछा, क्या बिपाशा दूसरी बार मां बनने वाली हैं? वहीं कुछ यूजर्स ने उन्हें बधाइयाँ भी देना शुरू कर दीं। बिपाशा और करण की शादी अप्रैल 2016 में हुई थी। दोनों की लव स्टोरी फिल्म अलवन के सेट पर शुरू हुई थी। शादी के छह साल बाद, 2022 में इस कपल ने अपनी पहली संतान देवी का स्वागत किया। देवी के जन्म के बाद से ही बिपाशा ने फिल्मों से दूरी बना ली है और फैमिली लाइफ को प्राथमिकता दी है। हालांकि बिपाशा या करण की ओर से अभी तक दूसरी प्रेग्नेंसी को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। लेकिन बिपाशा के पहनावे और बॉडी लैंग्वेज को देख सोशल मीडिया पर यह चर्चा जोरों पर है।

तुषार घाडीगांवकर सुसाइड पर खुलासा

मराठी इंडस्ट्री के जाने-माने एक्टर तुषार घाडीगांवकर की आत्महत्या की खबर ने पूरी इंडस्ट्री और फैंस को झकझोर दिया है। 34 वर्षीय तुषार का मृत शरीर हाल ही में उनके घर में पाया गया, जिससे यह साफ हुआ कि उन्होंने आत्महत्या कर ली है। उनके निधन की पुष्टि उनके दोस्त अंकुर विठ्ठलराव वाधवे ने एक इमोशनल पोस्ट में की थी। अब इस मामले में एक नया मोड़ सामने आया है। रिपोर्ट्स के अनुसार तुषार पिछले कई महीनों से गहरे डिप्रेशन से जूझ रहे थे और शराब की लत ने उनकी मानसिक स्थिति को और भी बिगाड़ दिया था। सूत्रों के मुताबिक, वे पिछले एक साल से लगातार काम की कमी, आर्थिक तनाव और व्यक्तिगत संघर्षों से परेशान थे। तुषार को इंडस्ट्री में एक होनहार अभिनेता माना जाता था, लेकिन व्यक्तिगत समस्याओं और लगातार असफलताओं ने उन्हें मानसिक रूप से तोड़ दिया। उनके करीबी बताते हैं कि वह बहुत संवेदनशील थे और खुद को लेकर अत्यधिक सोचते थे।

संक्षिप्त खबरें

मंडी में हरे धनिया की भरपूर आवक फिर भी किसान हो रहा परेशान

मंडियों में 35 से 40 रुपए किलो बिक रहा, लागत भी नहीं मिल रही

नई दिल्ली,(ईएमएस)। बाजार में धनिया की भारी आवक से इसकी कीमतों में भारी गिरावट देखी गई। जैसे-जैसे कीमतें कम हो रही हैं, किसानों की समस्याएं बढ़ रही हैं। इस समय मंडियों में धनिया 35 से 40 रुपए किलो बिक रहा है जबकि इस दाम में किसानों को मेहनताना तक भी नहीं मिल पा रहा है। जौनसार बावर क्षेत्र में हरे धनिया की आवक हो रही है। क्षेत्र के किसान पिछले कुछ सालों से नगदी फसलों के साथ-साथ हरे धनिए का भी उत्पादन कर रहे हैं, लेकिन मंडी में धनिया की कीमत को लेकर किसानों की परेशानी बनी हुई है। हालत यह हैं कि किसानों को इसे मंडियों में लाने की लागत भी नहीं मिल रही है। किसानों का कहना है कि इस दाम में किसानों को निराई, गुड़ाई और बाजार तक अपने उत्पादन को पहुंचाने के बाद भी उचित दाम नहीं मिल रहे हैं, जबकि पिछले साल 100 से 150 रुपए प्रति किलो मंडियों में किसानों द्वारा हरा धनिया बेचा गया था, लेकिन इस बार किसान अपनी लागत भी नहीं निकाल पा रहे हैं। इससे कई निराश किसान अपनी उपज मंडी नहीं ले जा रहे हैं।

पहली बार एसडीजी पाने वाला देश बना भारत, एसडीजी इंडेक्स में 99वें नंबर पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत ने सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल (एसडीजी) को प्राप्त करने में प्रगति करने वाले 167 देशों की सूची में पहली बार टॉप 100 में जगह बनाई है। एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई। यूएन सस्टेनेबल डेवलपमेंट सॉल्यूशन नेटवर्क (एडीएसएन) द्वारा जारी रिपोर्ट के 10वें एडिशन के अनुसार, भारत 2025 एसडीजी इंडेक्स में 67 अंकों के साथ 99वें स्थान पर है। अमेरिका सूची में 75.2 अंकों के साथ 44वें स्थान पर है। 2015 में सभी संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों द्वारा अपनाए जाने के बाद से सस्टेनेबल डेवलपमेंट रिपोर्ट (एसडीआर) प्रत्येक वर्ष एसडीजी पर हुई प्रगति की समीक्षा करती है। ताजा एसडीआर के अनुसार, चुनौतियों के बावजूद भी संयुक्त राष्ट्र के अधिकांश सदस्य देशों में प्रतिबद्धता उच्च बनी हुई है। एसडीएसएन के अध्यक्ष और रिपोर्ट के लेखक प्रोफेसर जेफरी डी. ने कहा, लगातार बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक असमानताओं और जलवायु संकट के बीच, इस वर्ष की एसडीआर इस बात को रेखांकित करती है कि दुनिया शांति, समानता और कल्याण के लिए महत्वपूर्ण मार्ग के रूप में सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल को बड़े पैमाने पर मान्यता देती है। उन्होंने कहा, कई देश महत्वपूर्ण प्रगति कर रहे हैं, लेकिन शिक्षा, ग्रीन टेक्नोलॉजी और डिजिटल सॉल्यूशन में निवेश बढ़ाकर और भी बहुत कुछ हासिल कर सकते है। सबसे बढ़कर, हमें एसडीजी हासिल करने के लिए शांति और वैश्विक सहयोग की जरुरत है।

निवेशकों के लिए सेबी ने दी तीन बड़ी कंपनियों के आईपीओ को मंजूरी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। शेयर बाजार में निवेश करने वाले कुछ ऐसे निवेशक भी हैं जो आईपीओ के इंतजार में रहते हैं। ये निवेशक आईपीओ पर दांव लगाकर कमाई करना चाहते हैं। ऐसे निवेशकों के लिए अब सेबी ने तीन बड़ी कंपनियों के आईपीओ को मंजूरी दी है। ये कंपनियां- इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार से जुड़ी जीएनजी इलेक्ट्रॉनिक्स, लॉजिस्टिक सेवा प्रदाता ग्लोटिस और दवा कंपनी अमांता हेल्थकेयर हैं। सेबी ने बताया कि तीनों कंपनियों ने फरवरी-मार्च में नियामक के समक्ष अपने शुरुआती आईपीओ दस्तावेज दाखिल किए थे और उन्हें 16 से 20 जून के बीच निष्कर्ष पत्र मिले। जीएनजी इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रस्तावित आईपीओ में 450 करोड़ रुपए के इक्विटी शेयरों का ताजा निर्गम और प्रवर्तकों द्वारा 51 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश शामिल है। जीएनजी इलेक्ट्रॉनिक्स भारत में लैपटॉप और डेस्कटॉप का सबसे बड़ा रीफर्बिश्ड है। रीफर्बिश्ड के तहत पुराने प्रोडक्ट को सही कर बेचा जाता है। यह कंपनी भारत, अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका और यूएई में मौजूदगी का दावा करती है। मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड, आईआईएफएल कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड और जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं। इसी तरह, चेन्नई स्थित ग्लोटिस के आईपीओ में 160 करोड़ रुपए के इक्विटी शेयरों का ताजा निर्गम और 1.45 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश शामिल है। पैंटोमैथ कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड एकमात्र बुक-रनिंग लीड मैनेजर के रूप में काम करता है। इसके अलावा अमांता हेल्थकेयर का आईपीओ पूरी तरह से 1.25 करोड़ नए शेयरों पर आधारित होगा। इन तीनों कंपनियों के शेयरों को बीएसई और एनएसई में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

सोने और चांदी की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू बाजार में बुधवार को सोने-चांदी की कीमतें बढ़ी हैं। एमसीएक्स पर सोने की कीमत 0.24 फीसदी बढ़कर 97,260 रुपए प्रति 10 ग्राम जबकि चांदी की कीमत 0.30 फीसदी बढ़कर 1,05,234 रुपए प्रति किग्रा पर पहुंच गयी हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीलय बाजार में भी सोने-चांदी की कीमतों में उछाल आया है। इससे राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 900 रुपए गिरकर 98,900 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गई। पिछले कारोबारी सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 99,800 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी जबकि 99.5 फीसदी शुद्धता वाला सोना 800 रुपए टूटकर 98,300 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया जबकि सोमवार को यह 99,100 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। बाजार जानकारों के अनुसार तनाव बढ़ने की आशंका कम होने के साथ, निवेशक मुनाफावसूली कर रहे हैं और सोने की खरीद कम हुई है। वहीं गत दिवस को चांदी की कीमतें भी 1,000 रुपए घटकर 1,04,200 रुपए प्रति किलोग्राम रह गईं।

लांचिग से पूर्व नथिंग फोन 3 की लीक हुई विशेषताएं

नईदिल्ली (ईएमएस)। आधिकारिक लॉन्चिंग से पहले ही नथिंग फोन 3 के प्रमुख फीचर्स लीक हो गए हैं। कंपनी ने खुद फोन के रीडिज़ाइन्ड ग्लिफ मैट्रिक्स और स्नैपड्रैगन 8एस जेन 4 प्रोसेसर की पुष्टि कर दी है। अब एक नई रिपोर्ट में इसकी डिस्प्ले, कैमरा और बैटरी से जुड़ी जानकारियां सामने आई हैं। लीक के मुताबिक, नथिंग फोन 3 में 6.7-इंच का 1.5के एलटीपीओ ओलेड डिस्प्ले मिलेगा, जो पहले से अधिक शार्प और स्मूद अनुभव देगा। यह स्मार्टफोन एंड्राएड 15 आधारित नथिंग ओएस 3.5 पर चलेगा और कंपनी इसे पांच साल तक ओएस अपडेट तथा सात साल तक सिक्योरिटी पैच देती रहेगी। बैटरी की बात करें तो इसमें 5150 एमएएच की बैटरी दी जाएगी जो 100 वॉट फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगी। इसके साथ ही वायरलेस और रिवर्स वायरलेस चार्जिंग की सुविधा भी होगी। फोन के रियर में नया कैमरा मॉड्यूल देखा जा सकता है, जो एक ट्रैंगल शेप में होगा और ग्लिफ लाइटिंग सिस्टम के साथ मिलेगा। कैमरा सेटअप में तीन 50-मेगापिक्सेल सेंसर शामिल हैं मेन, अल्ट्रावाइड और पेरिस्कोप लेंस जो 3गुणा ऑप्टिकल जूम सपोर्ट करता है। फ्रंट कैमरा भी अपग्रेड होकर अब 50-मेगापिक्सेल का हो गया है। इसके अलावा फोन में ईसिम और एनएफसी सपोर्ट जैसे फीचर्स भी जोड़े गए हैं जो पहले नहीं थे। इन सारे फीचर्स से यह साफ है कि नथिंग फोन 3 एक प्रीमियम फ्लैगशिप अनुभव देने वाला स्मार्टफोन बनने जा रहा है। बता दें कि 1 जुलाई को भारत समेत दुनियाभर में इसका अनावरण होना है, लेकिन इससे पहले ही टेक जगत में इसके डिजाइन और हार्डवेयर को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

सैमसंग गैलेक्सी बड्स कोर में मिलेंगे दमदार फीचर्स

नईदिल्ली (ईएमएस)। सैमसंग कंपनी के नए वायरलेस ईयरबड्स गैलेक्सी बड्स कोर की लांचिंग 27 जून को हो रही है। सोशल मीडिया पर कंपनी ने इसका टीजर जारी किया है, जिसमें इन्हें "तेज, क्लियर और डीप साउंड" के साथ पेश किए जाने का दावा किया गया है। टीजर टैगलाइन "संगीत आपको अंदर तक हिला देगा" से इस प्रोडक्ट की ऑडियो क्वालिटी पर खास जोर दिया गया है। सैमसंग इंडिया की वेबसाइट के मेटा टैग और एचटीएमएल में गैलेक्सी बडस कोर के बैकएंड संकेत मिल चुके हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि यही नाम रखा जाएगा। \लॉन्च से पहले ही ईयरबड्स बीआईएस सर्टिफिकेशन और सैमसंग के रिजनल सपोर्ट पेज पर दिख चुके हैं। कुछ समय के लिए यह यूएई वेबसाइट पर भी लिस्ट हुआ था, जहां इसके ब्लैक और व्हाइट वेरिएंट का खुलासा हुआ था।

जापान और वियतनाम से रेयर अर्थ मिनरल्स आयात करेगा भारत

चीन की हेकड़ी तोड़ने और रेयर अर्थ ऑक्साइड को लेकर आत्मनिर्भर बनने की तैयारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। चीन के हालिया आयात प्रतिबंधों के बाद भारत जापान और वियतनाम से रेयर अर्थ मिनरल्स आयात करने को लेकर बातचीत करने में जुटा है। इसके अलावा, भारत रेयर अर्थ ऑक्साइड को मैग्नेट में बदलने के लिए एक प्रोत्साहन योजना शुरू करने की तैयारी में है, लेकिन इस लागू होने में दो साल लग सकते हैं। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने कहा कि इस योजना पर अगले 15 से 20 दिनों में अंतिम फैसला होगा।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बढ़ाए गए टैरिफ के जवाब में, चीन ने 4 अप्रैल को सात भारी और मध्यम रेयर अर्थ मिनरल्स और मैग्नेट के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया है। इन मिनरल्स में सेमेरियम, गैडोलिनियम, टर्बियम, डिस्प्रोसियम, ल्यूटेशियम, स्कैंडियम और येट्रियम शामिल थे। ये मिनरल्स डिफेंस, एनर्जी और ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी के लिए जरूरी है। अब चीनी कंपनियों को इन मिनरल्स के निर्यात के लिए डिफेंस लाइसेंस लेना होगा। केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने इलेक्ट्रिक पैसेंजर कारों के निर्माण को बढ़ावा देने वाली योजना पोर्टल के लांच के दौरान कहा, "हमारे मंत्रालय ने खनन मंत्रालय के साथ चर्चा की है, और वे इस मुद्दे पर काम कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि अगले 15 से 20 दिनों में अंतिम फैसला होगा। एक रिपोर्ट में पहले बताया था कि मोदी सरकार 3,000 से 5,000 प्रोत्साहन योजनाओं को डेवलप करने और चीन की आपूर्ति से जोखिम कम करने के लिए वैकल्पिक स्रोतों पर विचार कर रही है। अगर मैग्नेट पर निर्यात नियमों में ढील नहीं दी गई, तब भारत चीन के साथ मोटर और सब-असेंबली के लिए बातचीत कर सकता है। इस लेकर स्टेकहोल्डर्स के साथ चर्चा जारी है, और भारी उद्योग मंत्रालय को अलग-अलग प्रस्ताव मिले हैं। कुछ कंपनियों ने 50 प्रतिशत समर्थन की मांग की है, जबकि अन्य ने 20 प्रतिशत समर्थन मांगा है। एमएचआई के सचिव कामरान रिजवी ने कहा, "यह एक प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के अधीन होगा, जो हमें समर्थन का स्तर तय करने में मदद करेगा।"
रिजवी ने कहा कि समर्थन की बड़ी जरूरत है, क्योंकि शंघाई स्टॉक एक्सचेंज पर वैश्विक रेयर अर्थ ऑक्साइड और मैग्नेट की कीमतों में केवल 5 प्रतिशत का अंतर है। चीन के एकाधिकार ने मैग्नेट की कीमतों को बहुत कम रखा है। उन्होंने कहा, "हम जिस प्रोत्साहन की जरूरत है, वह कंपनियों को ऑक्साइड से मैग्नेट उत्पादन में निवेश के लिए सहायता देना है। भारत में उत्पादित मैग्नेट वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी हों, इसके लिए सरकारी समर्थन की कितना होगा, यह तय करनी होगी।"
रेयर अर्थ ऑक्साइड को मैग्नेट में बदलने में कम से कम दो साल लग सकते हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद, सेंसेक्स 700 , निफ्टी 200 अंक ऊपर आया

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी ईरान-इजरायल के बीच संघर्ष विराम के कारण दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों से आई है। इससे बाजार में निवेशकों का भरोसा बढ़ा जिससे भी खरीददारी बढ़ी। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 700 अंक बढ़कर 82,755.51 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 200 अंक बढ़कर 25,244.75 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान निफ्टी पर टाइटन कंपनी, इंफोसिस, एमएंडएम, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए जबकि भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, कोटक महिंद्रा बैंक, आयशर मोटर्स, एक्सिस बैंक, ओएनजीसी के शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर रहे। ऑटो, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, आईटी, टेलीकॉम, हेल्थकेयर, मीडिया के शेयरों में 1-2 फीसदी की तेजी रही। जिससे सभी सेक्टोरल इंडेक्स आज हरे निशान पर बंद हुए। बीएसई मिडकैप इंडेक्स में 0.6 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी 1.6 फीसदी की तेजी आई।
सभी सेक्टरों में आईटी के शेयर सबसे ऊपर रहे। वहीं व्यापक बाजारों में मिडकैप्स फ्रंटलाइन इंडेक्स पीछे रहे जबकि स्मॉलकैप्स ने 1.49 फीसदी बढ़कर अच्छा प्रदर्शन किया। बाजार पूंजीकरण बढ़ने से निवेशकों ने चार लाख करोड़ कमाये
इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने से भी बाजार को बल मिला। इससे सेंसेक्स सुबह 442 अंक बढ़कर 82,497 के स्तर पर कामकाज करता दिखा जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 126 अंक ऊपर आकर 25,170 पर पहुंचा।
वहीं एशिया-पैसिफिक बाजारों में शुरुआती बढ़त के बाद अधिकतर सूचकांकों में सपाट कारोबार हुआ। ईरान और इज़रायल के बीच संघर्षविराम के बाद मध्यपूर्व में तनाव कम होने का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। जापान के निक्केई में 0.073 फीसदी की हल्की तेजी रही। वहीं टोपिक्स में 0.1 फीसदी का उछाल आया। ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 और दक्षिण कोरिया का कोस्पी भी हल्की गिरावट के साथ सपाट कारोबार कर रहा था। निवेशकों की नजर अब ऑस्ट्रेलिया के महंगाई आंकड़ों पर बनी हुई हैं।
दूसरी ओर अमेरिकी बाजारों की बात करें तो वहां तेजी रही।

अमेजन इंडिया ने शुरु की स्वास्थ्य जांच सेवा, घर बैठे करवा सकेंगे लैब टेस्ट

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत के तेजी से बढ़ते स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में अब ऑनलाइन रिटेल दिग्गज अमेजन ने एंट्री कर ली है। अमेजन इंडिया ने अमेजन डायग्नोस्टिक्स नाम दिया है जिसमें घर बैठे स्वास्थ्य जांच सेवा शुरू की है। इस सेवा के जरिए ग्राहक अपने मोबाइल ऐप पर लैब टेस्ट बुक कर सकते हैं, समय तय कर सकते हैं और डिजिटल रिपोर्ट सीधे ऐप पर प्राप्त कर सकते हैं। यह सेवा देश के छह शहरों- बैंगलोर, दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, मुंबई और हैदराबाद में शुरु की गई है और 450 से ज्यादा पिन कोड्स को कवर करती है। अमेजन डायग्नोस्टिक्स 800 से ज्यादा टेस्ट उपलब्ध कराता है। ग्राहक 60 मिनट में अपने घर पर सैंपल कलेक्शन का अनुरोध कर सकते हैं और नियमित जांच की रिपोर्ट महज छह घंटे में पा सकते हैं। यह सेवा अमेजन की साझेदारी में ओरेंज हेल्थ लैब के साथ मिलकर चला रही है, जो एक मान्यता प्राप्त डायग्नोस्टिक्स प्रदाता है। अमेजन का मकसद भारत के स्वास्थ्य-टेक सेक्टर में अपनी पहुंच बढ़ाना और लोगों को आरामदायक, भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवा देना है।
अमेजन मेडिकल के कैटेगरी लीडर ने कहा कि डायग्नोस्टिक्स क्षेत्र अभी बहुत फार्गमेंटेड है और कम लोगों तक पहुंच पाया है। यह हमारे लिए एक बड़ा अवसर है कि हम लोगों की अनदेखी जरूरतों को पूरा करें। अमेजन अब अपने ग्राहकों को टेली-कंसल्टेशन, दवा डिलीवरी और प्रमाणित जांच जैसी सेवाओं का एक कनेक्टेड प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराएगा, जिससे स्वास्थ्य सेवा सरल और तेज़ होगी। जब अमेजन से पूछा गया कि क्या वे बड़े खिलाड़ियों जैसे डॉ लाल पैथलैब्, थैयरोकेयर, हेल्थइंस, मेट्रोपॉलिस से मुकाबला करेंगे, तो उन्होंने कहा कि हमारा फोकस प्रोएक्टिव और नियमित जांच को आसान बनाना है। हमें मार्केट में काफी विस्तार की गुंजाइश दिखती है। उन्होंने यह भी साफ किया कि अमेजन डायग्नोस्टिक्स डिस्काउंट के जरिए ग्राहकों को लुभाने वाला मॉडल नहीं अपनाएगा, बल्कि गुणवत्ता और भरोसे को प्राथमिकता देगा।

वॉलमार्ट का भारत से 10 अरब अमेरिका डालर के उत्पाद मंगाने का लक्ष्य

परिधान, खाद्य, खिलौने और अन्य श्रेणियों में निर्यात को देगा बढ़ावा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अमेरिका की खुदरा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी वॉलमार्ट अपने वैश्विक परिचालन के लिए भारत में आपूर्तिकर्ताओं के साथ काम कर रही है। वॉलमार्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा कि वॉलमार्ट ने पिछले कुछ सालों में भारत से अपनी खरीद बढ़ा दी है और वह इस प्रगति से खुश हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में आप देख सकते हैं कि स्थिति कैसे बदल रही है और यह वास्तव में व्यापक और ज्यादा दिलचस्प होता जा रहा है। कंपनी ने 2027 तक भारत से 10 अरब अमेरिका डालर के उत्पाद मंगाने का लक्ष्य रखा है जिसका उद्देश्य परिधान, खाद्य, खिलौने और अन्य श्रेणियों में निर्यात को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि शुरुआत में हम यहां से सीमित श्रेणियों के उत्पाद ले रहे थे लेकिन अब हम इसका विस्तार करने जा रहे हैं। सीईओ ने कहा कि इसमें बढ़ोतरी हुई है और अब हमारा लक्ष्य इसे प्रति वर्ष 10 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाना है, जो वास्तव में एक बड़ा आंकड़ा है और आपूर्तिकर्ता समुदाय के साथ मिलकर हम इसे प्राप्त करने के लिए काम कर रहे हैं। कंपनी के सीईओ भारत यात्रा पर हैं। यहां उन्होंने वॉलमार्ट की भारत में विकास गाथा का उल्लेख किया जिसमें निर्यात, डिजिटल नवाचार, समावेशी आपूर्ति श्रृंखलाओं का निर्माण व समुदायों को सशक्त बनाना शामिल है। इसके अलावा उन्होंने कुछ विक्रेताओं से भी बातचीत की जिन्हें आपूर्तिकर्ता विकास कार्यक्रम 'वॉलमार्ट वृद्धि के तहत प्रशिक्षित किया गया है। अपनी ई-कॉमर्स इकाई फ्लिपकार्ट और डिजिटल भुगतान समाधान फोनपे के बारे में उन्होंने कहा कि इन व्यवसायों को बढ़ाने के लिए हमारे दलों ने सालों से जो कुछ किया है, वह प्रेरणादायक है। वॉलमार्ट ने पिछले साल कहा था कि उसने अपने वैश्विक परिचालन के लिए पिछले दो दशकों में भारत के बाजार से 30 अरब डॉलर से ज्यादा का सामान मंगाया है।

एचडीएफसी बैलेंस्ड एडवांटेज फंड ने एक लाख करोड़ एसेट आंकड़े को किया पार

टैक्स नियमों में बदलाव के बाद निवेशकों का झुकाव बढ़ा

नई दिल्ली। एचडीएफसी बैलेंस्ड एडवांटेज फंड ने हाल ही में एक लाख करोड़ के एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) का आंकड़े को पार कर लिया है। यह पराग पारीख फ्लेक्सीकैप फंड के बाद ऐसा करने वाला दूसरा म्युचुअल फंड बन गया है। इस उपलब्धि के साथ ही बैलेंस्ड एडवांटेज कैटेगरी, जिसे डायनेमिक एसेट एलोकेशन फंड भी कहा जाता है, करीब तीन लाख करोड़ रुपए की सीमा पर पहुंच गया है। एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के मुताबिक 31 मई 2025 तक इस कैटेगरी में कुल 2.99 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति निवेशित थी। बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स की बढ़ती लोकप्रियता का प्रमुख कारण इसकी लचीलापन रणनीति है। यह फंड बाजार की स्थिति के आधार पर इक्विटी और डेट के बीच संतुलित ढंग से निवेश करते हैं। इससे निवेशकों को तेजी के समय फायदा मिलता है, वहीं गिरावट में इसका जोखिम नियंत्रण में रहता है। साथ ही यह फंड लंबे समय तक बेहतर रिस्क-एडजस्टेड रिटर्न देने में भी सफल रहे हैं। टैक्स नियमों में बदलाव के बाद निवेशकों का झुकाव इन फंड्स की और बढ़ा है। जो निवेशक फिक्स्ड डिपॉजिट से इक्विटी में कदम रखना चाहते हैं, उनके लिए ये फंड एक सुरक्षित और सरल विकल्प देता है। बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स बाजार के उतार-चढ़ाव के मुताबिक अपने पोर्टफोलियो में बदलाव करते हैं, जिससे स्थिर रिटर्न मिलने की संभावना बनी रहती है। विशेषज्ञों की माने तो सही रणनीति के साथ ये फंड इक्विटी फंड्स के बराबर रिटर्न दे सकते हैं और भावनात्मक निवेश फैसलों से भी बचाते हैं। इसके अलावा ये फंड टैक्स के लिहाज से भी फायदेमंद हैं, खासकर अगर सिस्टेमैटिक विदड्रॉअल प्लान (एमडब्ल्यूपी) के रूप में निवेश किया जाए।

हुंडई एसयूवी वेन्यू का फेसलिफ्ट वर्जन लाने की तैयारी में

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी, हुंडई और महिंद्रा जैसी दिग्गज कंपनियां अगले कुछ महीनों में ग्राहकों को कई बेहतरीन विकल्प देने जा रही हैं। हुंडई अपनी लोकप्रिय एसयूवी वेन्यू का फेसलिफ्ट वर्जन लाने वाली है, जिसे भारत की सड़कों पर कई बार टेस्टिंग के दौरान देखा जा चुका है। इस फेसलिफ्ट मॉडल में एक्सटीरियर को नया रूप देने के साथ ही आधुनिक फीचर्स जोड़े जाने की उम्मीद है। हालांकि, इंजन में कोई बड़ा बदलाव नहीं होने की संभावना है। रिपोर्ट्स के अनुसार यह कार साल के अंत तक लॉन्च हो सकती है। दूसरी ओर, महिंद्रा भी अपनी नई इलेक्ट्रिक कॉम्पैक्ट एसयूवी एक्सयूवी 3एक्सओ ईवी को लेकर चर्चा में है। यह कार एक्सयूवी 400 से नीचे पोजिशन की जाएगी और सीधा मुकाबला टाटा पंच ईवी से होगा। इसकी बैटरी एक बार चार्ज होने पर लगभग 400 किलोमीटर की रेंज देने में सक्षम हो सकती है। वहीं, देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी भी फ्रोंक्स का हाइब्रिड वर्जन लॉन्च करने की तैयारी में है।

ईरान-इजरायल सीजफायर के बाद रुपया उछला, कारोबारी सत्र में बनाई बढ़त

नई दिल्ली,(ईएमएस)। ईरान-इजराइल के बीच संघर्ष विराम की घोषणा का असर रुपए पर हुआ उसने जमकर फायदा उठाया। मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि कच्चे तेल का भाव नीचे आने और संघर्ष विराम की घोषणा के बाद डॉलर कमजोर होने से रुपया पिछले एक महीने में एक कारोबारी सत्र में सबसे बड़ी बढ़त दर्ज की है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी मुद्रा डॉलर के मुकाबले मजबूत होकर 85.97 पर पहुंच गया। सोमवार को रुपया 86.75 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।
मंगलवार को कारोबार के दौरान रुपया 0.91 फीसदी सुधर गया, जो चालू कैलेंडर वर्ष में किसी एक कारोबारी सत्र में इसकी दूसरी सबसे बड़ी बढ़त है। इससे पहले 23 मई को रुपया 0.93 फीसदी उछला था। एक निजी बैंक में ट्रेजरी प्रमुख ने कहा कि कच्चा तेल 70 डॉलर प्रति बैरल से फिसलने और डॉलर सूचकांक नीचे आने के बाद रुपए पर दबाव नहीं रहा। उन्होंने कहा कि ईरान और इजराइल के बीच संघर्ष विराम की घोषणा के बाद रुपया मजबूत हुआ और कारोबारियों की इसमें दिलचस्पी बढ़ी। इस बीच ईरान-इजराइल के बीच संघर्ष विराम की अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की घोषणा के बाद घरेलू शेयर सूचकांक कारोबार के दौरान 1.3 फीसदी से ज्यादा उछला लेकिन यह बढ़त ज्यादा देर तक कायम नहीं रही क्योंकि संघर्ष विराम की घोषणा के तुरंत बाद इजराइल ने ईरान पर इसका उल्लंघन करने का आरोप लगा दिया। सेंसेक्स 83,018 का स्तर छूने के बाद कुल 158 अंक बढ़त के साथ 82,055 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी भी 72 अंक की तेजी दर्ज कर 25,044 पर बंद हुआ। निफ्टी कारोबार में 25,318 के स्तर पर पहुंच गया था, जो करीब नौ महीने में इसका सर्वोच्च स्तर था। चालू वित्त वर्ष में डॉलर की तुलना में रुपया 0.5 फीसदी मजबूत हुआ, लेकिन मौजूदा कैलेंडर वर्ष में अब तक 0.4 फीसदी फिसला है। मंगलवार को कच्चे तेल का भाव 15 फीसदी से टूट कर 69 डॉलर प्रति बैरल रह गया। दूसरी तरफ डॉलर सूचकांक भी 0.2 फीसदी लुढ़क कर 98 पर आ गया। डॉलर सूचकांक दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती का आकलन करता है।

ईरान परमाणु प्रोग्राम शुरू करेगा तो हमला करेंगे : ट्रम्प

तेहरान/तेलअवीव (ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को नीदरलैंड के हेग में नाटो समिट में मीडिया से बात की। इसमें उन्होंने कहा कि अगर ईरान ने अपना न्यूक्लियर प्रोग्राम फिर से शुरू किया तो फिर हमला करेंगे। ट्रम्प ने कहा कि 22 जून को अमेरिकी हमले के बाद इजराइली एजेंट्स ईरान के फोर्डो न्यूक्लियर साइट गए थे। उन्होंने ही बताया कि फोर्डो न्यूक्लियर साइट पूरी तरह तबाह हो गई है। हालांकि, अमेरिकी मीडिया ने दावा किया है कि अमेरिकी हमलों से ईरान के परमाणु ठिकानों पर उसके न्यूक्लियर प्रोग्राम को ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा है। यह दावा एक अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट के आधार पर किया गया है। इसमें कहा गया है कि अमेरिकी हमलों से ईरान का न्यूक्लियर प्रोग्राम कुछ महीनों से पिछड़ गया है। यह पूरी तरह से तबाह नहीं हुआ है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर मीडिया रिपोट्र्स को फर्जी करार दिया। उन्होंने लिखा, कि इतिहास के सबसे सफल सैन्य हमलों में से एक को बदनाम करने की कोशिश की है। इजराइल-ईरान के बीच जंग के 12वें दिन, यानी मंगलवार को सीजफायर हो गया। दोनों देशों ने इसकी पुष्टि की है और साथ ही इस जंग में अपनी जीत का दावा किया। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान के खिलाफ इजराइल ने ऐतिहासिक जीत हासिल की है, जो पीढ़ियों तक याद रखी जाएगी। उन्होंने कहा- हम शेर की तरह उठे और हमारी दहाड़ ने तेहरान को हिला दिया। दूसरी तरफ ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि उनका देश न्यूक्लियर प्रोग्राम बंद नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि हमने इस तकनीक को हासिल करने के लिए बहुत मेहनत की है। हमारे वैज्ञानिकों ने बलिदान दिए हैं। ईरान की राजधानी तेहरान में विक्ट्री सेलिब्रेशन प्रोग्राम भी आयोजित किया गया। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ने सबसे पहले मंगलवार तड़के 3:30 बजे सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दोनों देशों में सीजफायर की जानकारी दी थी।

ईरान ने माना- परमाणु ठिकानों को नुकसान पहुंचा

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघई ने पुष्टि की है कि अमेरिकी हमलों में ईरानी परमाणु ठिकानों को बुरी तरह से नुकसान पहुंचा है। अल जजीरा से बात करते हुए बाघई ने माना कि अमेरिकी बस्टर बमों के हमले असरदार थे और उसे नुकसान पहुंचा है। हालांकि, बाघई ने हमले को लेकर डिटेल जानकारी देने से इनकार कर दिया। ट्रम्प ने ईरान पर किए गए ताजा हमलों की तुलना 1945 में जापान के हिरोशिमा में अमेरिका के परमाणु हमले से की है। ट्रम्प ने नाटो सम्मेलन में मीडिया से कहा, मैं हिरोशिमा और नागासाकी का उदाहरण नहीं देना चाहता, लेकिन यह मूल रूप से वही चीज थी, जिसने ईरान और इजराइल के बीच जंग खत्म की। इसने युद्ध के साथ ही उसे (परमाणु हथियार) खत्म कर दिया। अगर हमने उसे नहीं हटाया होता, तो वे अभी लड़ रहे होते। अगस्त 1945 में, अमेरिका ने जापान के दो शहरों- हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिराए थे। 6 और 9 अगस्त को हुए इन हमलों में हजारों लोग मारे गए। जापान को सरेंडर करना पड़ा, जिसके कारण सेकेंड वल्र्ड वॉर रुक गया।

फोर्डो पर अमेरिकी हमलों का नतीजा संतोषजनक नहीं

इजराइली सूत्रों ने बताया है कि ईरान के फोर्डो न्यूक्लियर साइट पर अमेरिकी हमलों का नतीजा संतोषजनक नहीं हैं। दो इजरायली सूत्रों में एक ने फोर्डो में कम नुकसान की जानकारी दी और कहा कि वहां का रिजल्ट सच में अच्छा नहीं है। दोनों सूत्रों ने कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि ईरान ने हमलों से पहले कितना संवर्धित यूरेनियम ट्रांसफर किया होगा, या कितने सेंट्रीफ्यूज बचे हैं और भविष्य में यूरेनियम संवर्धन के लिए उपयोग किए जा सकते हैं। नुकसान की सटीक जानकारी मिलने में महीनों लग सकते हैं।

ईरान में इंटरनेट बैन पर धीरे-धीरे ढील देने का ऐलान

ईरान ने सीजफायर के बाद, 12 दिनों से बैन इंटरनेट सेवाओं में धीरे-धीरे ढील देने की घोषणा की है। ईरानी सेना की यूनिट इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गाड्र्स कॉप्र्स के साइबर सुरक्षा कमांड ने एक बयान में कहा कि कम्युनिकेशन नेटवर्क धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में लौट रहा है। ट्रम्प ने नीदरलैंड में नाटो शिखर सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा कि ईरान के फोर्डो न्यूक्लियर साइट पर 22 जून को अमेरिकी हमलों के बाद इजराइल ने वहां अपने एजेंट भेजे थे। ट्रम्प ने कहा, हमले के बाद फोर्डो न्यूक्लियर साइट पर गए इजराइली एजेंटों ने मुझे बताया कि वह पूरी तरह तबाह हो गया है। हालांकि, इजराइली अधिकारियों ने ट्रम्प के दावे से इनकार किया है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, इजरायली अधिकारियों ने कान पब्लिक ब्रॉडकास्टर को बताया कि उन्हें फोर्डो साइट के अंदर इजराइली एजेंट्स के जाने की कोई की जानकारी नहीं है।

गीदड़ भभकी साबित हुई ट्रंप की कार्रवाई, ईरान का कुछ नहीं बिगाड़ पाए अमेरिकी बम

अमेरिकी खुफिया एजेंसी की रिपोर्ट में ही किया गया दावा

वॉशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान को धमका रहे थे। गीदड़ भभकी देकर उसे दबाने की कोशिश कर रहे थे। वो सभी के सभी प्रयास उस वक्त धरे के धरे रहे गए, जब अमेरिकी बम ईरान का कुछ नहीं बिगाड़ पाए। ईरान पर अमेरिका की तरफ से किए गए हमलों का खास असर नहीं पड़ा है। हाल ही में सामने आई एक अमेरिकी रिपोर्ट में ऐसा दावा किया जा रहा है। हालांकि, व्हाइट हाउस ने इस आकलन को खारिज कर दिया है।दरअसल, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि यूएस के हमले में ईरान के परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह से खत्म हो गया है। फिलहाल, ईरान और इजरायल के बीच भी सीजफायर लागू है।अमेरिका की खुफिया एजेंसी की शुरुआती रिपोर्ट में कहा गया है कि हमले में ईरान के परमाणु ठिकाने तबाह नहीं हुए हैं। इसमें कहा गया है कि संभावनाएं हैं कि कार्यक्रम कुछ महीने पिछड़ सकता है। सीएनएन ने पहले इस डिफेंस इंटेलीजेंस आकलन रिपोर्ट की जानकारी दी थी। अमेरिका ने फोर्दो, नतांज और इशफाहां पर हमले किए थे। जानकारों का कहना है कि ईरान का यूरेनियम भंडार नष्ट नहीं हुआ है। इनमें से एक का कहना है कि सेंट्रीफ्यूजेस अब भी मौजूद हैं। उन्होंने कहा है कि डीआईए का आकलन यह है कि अमेरिका ने उन्हें ज्यादा से ज्यादा कुछ महीनों के लिए पीछे धकेल दिया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि ईरान के यूरेनियम का कम से कम कुछ हिस्सा अमेरिका हमलों से पहले अलग-अलग स्थानों पर पहुंचा दिया गया था।ईरान के तीन परमाणु प्रतिष्ठानों को निशाना बनाए जाने से जुड़ी जानकारी देने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के शीर्ष खुफिया अधिकारी अमेरिकी संसद के सदस्यों के समक्ष पेश होंगे और गोपनीय जानकारी सहित वस्तुस्थिति से अवगत कराएंगे। ट्रंप प्रशासन के खुफिया अधिकारी कतर में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को ईरान द्वारा निशाना बनाए जाने के एक दिन बाद मंगलवार को कांग्रेस सदस्यों के सवालों का सामना करेंगे।

संक्षिप्त ख़बरें

सीजफायर हो गया लेकिन ठंडी नहीं हुई दुश्मनी की आग

तेलअवीव(ईएमएस)। ईरान और इजरायल के बीच भले ही सीजफायर हो गया है, लेकिन दोनों मुल्कों के बीच दुश्मनी की आग जरा सी भी ठंडी नहीं हुई है। इजरायल ने अब ईरान के सेंट्रल बैंक को आतंकी संगठन घोषित कर दिया है। इजरायल ने आरोप लगाया है कि ईरान का सेंट्रल बैंक आतंकी गतिविधियों के लिए फंडिग कर रहा है। इजरायल ईरान के बीच 12 दिनों की लड़ाई के बाद ये अहम घटनाक्रम है।इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल कार्टज ने ट्वीट कर कहा है कि मैंने आज मोसाद और राष्ट्रीय आर्थिक युद्ध मुख्यालय के अनुरोध पर ईरान के सेंट्रल बैंक को आतंकवादी संगठन घोषित करने वाले एक विशेष आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य ईरानी आतंकवादी शासन की फाइनेंसिंग सिस्टम के मूल पर प्रहार करना है। इजरायल कार्टज ने कहा है कि ईरान का सेंट्रल बैंक एक ऐसा माध्यम है जो जानलेवा आतंकवाद के लिए अरबों डॉलर का निवेश करता है। हम उन जगहों पर हमला करेंगे जो अयातुल्ला शासन को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा कि हिज्बुल्लाह के आतंकवाद, हौती, इराक में शिया मिलिशिया, हमास और रिवोल्यूशनरी गाड्र्स के जरिए ये बैंक धन मुहैया कराता है।

3 लोगों को फांसी, 700 गिरफ्तार ईरान में मोसाद के अंडर कवर एजेंट्स पर ताबड़तोड़ एक्शन

नई दिल्ली(ईएमएस)। ईरान-इजरायल के बीच भले ही सीजफायर हो गया है, लेकिन तनाव कम नहीं हुआ है. ईरान ने आज सुबह तीन लोगों को इजरायल के लिए जासूसी करने और हत्या की साजिश रचने के आरोप में फांसी दे दी.ईरान की ओर से जारी बयान के मुताबिक इदरीस अली, आज़ाद शोजाई और रसूल अहमद रसूल ने हत्या के लिए उपयोग में लिए जाने वाले उपकरण ईरान में लाने की कोशिश की. इस मामले में तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चलाया गया और बुधवार सुबह उरमिया शहर में सजा के तौर पर उन्हें फांसी दे दी गई.बता दें कि उरमिया ईरान का उत्तर-पश्चिमी शहर है, जो तुर्की की सीमा के पास स्थित है. फांसी की पुष्टि करते हुए ईरानी मीडिया ने तीनों आरोपियों की जेल की नीली वर्दी में तस्वीरें भी जारी की हैं. हालांकि ये पहली बार नहीं है जब ईरान ने ऐसा कदम उठाया हो. ईरान अक्सर इजरायल और अन्य विदेशी खुफिया एजेंसियों के लिए जासूसी के संदेह में लोगों की गिरफ्तारी और सजा-ए-मौत की घोषणा करता रहता है.13 जून 2025 को ईरान-इजरायल के बीच जंग शुरू होने के बाद ईरान ने इजरायल के लिए काम करने वालों के खिलाफ तेज़ और सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी थी. इसी क्रम में रविवार और सोमवार को भी कुछ आरोपियों को फांसी दी गई थी.ईरान ने 12 दिन की जंग में 700 लोगों को अरेस्ट कियावहीं, ईरान ने हालिया 12 दिन की ईरान-इजरायल जंग के दौरान 700 लोगों को इजरायल से संबंधों के आरोप में गिरफ्तार किया है. ये जानकारी राज्य-समर्थित मीडिया एजेंसी नूर न्यूज ने दी. इन सभी पर इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद से जुड़े होने, सीक्रेट जानकारियां साझा करने, सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने में मदद करने के आरोप हैं. ईरान का कहना है कि इनमें से कई आरोपियों से पूछताछ चल रही है और कुछ को जल्द सजा सुनाई जा सकती है. इससे पहले भी ईरान ने आरोप लगाया था कि युद्ध के दौरान कई अंदरूनी नेटवर्क इजरायल के लिए काम कर रहे थे, जिन्हें पकड़ लिया गया है.

तालिबान के हमले में पाकिस्तानी मेजर मारा गया

इस्लामाबाद(ईएमएस)। पाकिस्तानी सेना के मेजर रैंक के अधिकारी मोइज अब्बास को मंगलवार को दक्षिणी वजीरिस्तान में आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के हमले में मारा गया। मोइज अब्बास वही पाकिस्तानी अधिकारी है जिसने फरवरी 2019 में भारतीय वायु सेना के पायलट विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान को पकडऩे का दावा किया था।पाकिस्तानी सेना ने दावा किया है कि इस मुठभेड़ में टीटीपी के 11 आतंकियों को भी मार गिराया गया, जबकि 2 अन्य सैनिक भी मारे गए। पाकिस्तानी मीडिया ने बुधवार को मोइज अब्बास की मौत के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि वह दक्षिणी वजीरिस्तान में आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के खिलाफ एक सीक्रेट ऑपरेशन को लीड कर रहा था। इस दौरान पाकिस्तानी सेना के जवानों पर टीटीपी ने घात लगाकर हमला किया। इसमें अब्बास मारा गया। इस हमले में पाकिस्तानी सेना के दो अन्य अधिकारी भी मारे गए हैं।

ईरान ने माना, अमेरिकी हमलों में परमाणु ठिकानों को हुआ खासा नुकसान

तेहरान,(ईएमएस)। अमेरिकी और इजराइली दावों के बाद अब ईरान ने भी खुद यह मान लिया है कि उसके परमाणु ठिकानों को खासा नुकसान हुआ है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने जहां इसकी पुष्टि की वहीं उन्होंने यह नहीं बताया कि नुक्सान कितना और किस तरह का हुआ है।एक बातचीत के दौरान ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघई ने यह मान लिया कि अमेरिकी हमलों से उसके परमाणु ठिकानों को खासा नुकसान हुआ है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघई ने इस बात की बुधवार 25 जून को की है। मीडिया से बात कर रहे बाघई ने कहा कि अमेरिकी बस्टर बमों के हमले असरकारक थे और उस हमले में परमाणु ठिकानों को खासा नुकसान पहुंचा है। यह अलग बात है कि बाघई ने नुकसान की डिटेल जानकारी नहीं दी और न ही उन्होंने यह बताया कि नुक्सान किस तरह का हुआ है।यहां दूसरी तरफ, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नीदरलैंड में नाटो समिट में मीडिया के समक्ष कहा कि ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमलों के कारण 12 दिनों तक चली ईरान-इजराइल जंग अब रुक गई है। इसी के साथ उन्होंने कहा, कि इस दौरान ईरान नर्क से गुजरा, जिसके कारण उसे परमाणु हथियार बनाने की इच्छा छोड़नी पड़ी। अब यदि ईरान फिर से न्यूक्लियर प्रोग्राम शुरू करता है तो हम फिर हमला करेंगे।

यूक्रेन और इजरायल से सबक लेकर ताइवान अपनी सुरक्षा में जुटा

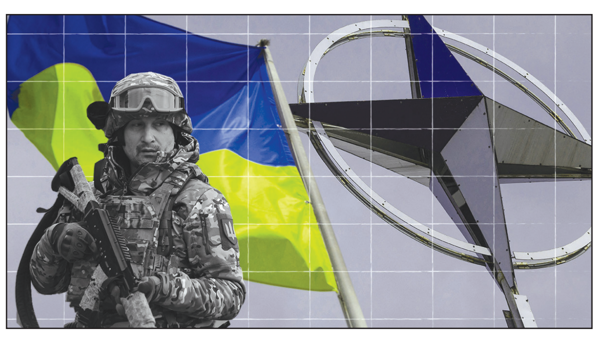

ताइपे (ईएमएस)। ताइवान ने यूक्रेन और इजरायल की स्थिति से सबक लेकर अपनी रक्षा तैयारियों को और मजबूत करने में जुट गया है। बढ़ते क्षेत्रीय तनाव और चीन की सैन्य गतिविधियों के बीच, ताइवान सरकार ने नई हवाई हमले की चेतावनी और मार्गदर्शन नीति (एयर-रेड गाइडेंस) जारी करने की घोषणा की है। चीन के संभावित सैन्य हमले की आशंका के मद्देनजर ताइवान सरकार अपने नागरिकों के लिए अगले सप्ताह नई एयर-रेड (हवाई हमले) गाइडलाइंस जारी करने जा रही है। ताइवान के एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने बताया, ताइवान यूक्रेन और इजरायल के मामलों को बहुत करीब से देख रहा है। हमारे लोगों को यह जानना जरूरी है कि वे घर पर हों या ऑफिस में, खुद को कैसे सुरक्षित रखें।ताइवान सरकार की योजना के अनुसार, एयर-रेड अलर्ट के समय नागरिकों को क्या करना चाहिए, इसके दिशा-निर्देशों को अपडेट किया जाएगा। इसमें उन लोगों के लिए विशेष निर्देश होने वाले, जो समय पर शरण स्थलों तक नहीं पहुंच पाते, या जो उस समय गाड़ी चला रहे होते हैं। इन निर्देशों में यह भी शामिल होगा कि यदि कोई व्यक्ति तुरंत शरण स्थल नहीं पा सके, तब वह कम से कम दो दीवारों के बीच छिपे और जमीन पर लेटते हुए अपना मुंह थोड़ा खुला रखे। इसका मकसद ब्लास्ट वेव से होने वाले नुकसान को कम करना है।एक अन्य सुरक्षा अधिकारी ने कहा, मेट्रोपॉलिटन ताइवान में हकीकत यह है कि कई लोग ऊंची इमारतों में रहते हैं और तीन मिनट के भीतर शरण स्थलों तक नहीं पहुंच सकते। इसलिए सरकार उन्हें वैकल्पिक सुरक्षा उपायों के लिए प्रशिक्षित करना चाहती है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से ताइवान ने देशभर में एयर-रेड शेल्टर्स बनाने की दिशा में तेजी से कदम उठाए हैं। इसमें मेट्रो स्टेशन, शॉपिंग मॉल और अन्य सार्वजनिक स्थान शामिल हैं। सिर्फ राजधानी ताइपेई में 4,600 से अधिक शरण स्थल हैं जो करीब 1.2 करोड़ लोगों को आश्रय दे सकते हैं, जबकि शहर की जनसंख्या इससे चार गुना कम है।हाल के दिनों में, चीन ने ताइवान स्ट्रेट में अपनी सैन्य गतिविधियों को तेज किया है। खबरों के अनुसार, पिछले शुक्रवार की सुबह तक चीन ने ताइवान की ओर 74 लड़ाकू विमान भेजे, जिसमें से 61 ने ताइवान स्ट्रेट की मध्य रेखा को पार किया, जो अनौपचारिक रूप से दोनों पक्षों की सीमा मानी जाती है। विमानों की असामान्य रूप से बड़ी संख्या क्षेत्र में बढ़ते तनाव को दर्शाती है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि चीनी युद्धपोतों का एक समूह भी द्वीप क्षेत्र में देखा गया है, जिसके बाद ताइवान ने अपनी सेनाओं को हाई अलर्ट पर रखा है।चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बार-बार ताइवान को चीन का अभिन्न हिस्सा बताकर इसके एकीकरण की बात कहते है। 2024 के अंत में, शी ने कहा था कि ताइवान का चीन में एकीकरण कोई नहीं रोक सकता। इसके अलावा, ताइवान के खुफिया ब्यूरो ने दावा किया है कि चीन ने ताइवान पर हमले की तैयारियां शुरू कर दी हैं, इसके तहत गुप्त सैन्य गतिविधियां बढ़ रही हैं। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि चीन यूक्रेन और इजरायल-ईरान संघर्षों से प्रेरित होकर ताइवान पर आक्रमण का समय और रणनीति तय कर सकता है।ताइवान ने नई एयर-रेड गाइडेंस नीति तैयार की है। इस नीति के तहत ताइवान ने अपने तटों पर एंटी-शिप मिसाइलों को तैनात किया है, जो दुश्मन के जहाजों, मिसाइलों, और फाइटर जेट्स को नष्ट करने में सक्षम हैं। इसके अलावा, एफ-16 वी फाइटर जेट्स को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है। ताइवान की विशेष सेनाओं को अमेरिका की नेवी सील टीम 6 द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा है, ताकि किसी भी संभावित चीनी हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया जा सके।

पाकिस्तानी सांसद ने पीएम मोदी की तारीफ कर अपनी ही शाहबाज सरकार को दिखाया आईना

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। भारत के साथ दुश्मनी के बीच पाकिस्तान की संसद में इन दिनों नरेंद्र मोदी सरकार की खूब तारीफ हो रही है। सांसद गोहर अली खान ने तीखे भाषण में अपनी ही सरकार की बजट नीतियों की आलोचना कर भारत की योजनाओं और निवेश को एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा, "भारत हमारा दुश्मन हो सकता है, लेकिन कुछ सच्चाइयों को स्वीकार करना होगा। पीएम मोदी ने हाल ही में घोषणा की है कि देश में 10,000 नए मेडिकल सीट्स जोड़ी जाएगी, जबकि हमारी सरकार स्वास्थ्य बजट में कमी कर रही है।" पाकिस्तानी सांसद खान ने उत्तर प्रदेश का उदाहरण देकर कहा, "पाकिस्तान का कुल बजट 62 अरब डॉलर है, जबकि भारत में सिर्फ उत्तर प्रदेश का बजट 97 अरब डॉलर है। हमें यह समझना होगा कि हम कहां खड़े हैं। उन्होंने कहा, "भारत ने एआई अनुसंधान के लिए 500 करोड़ रुपये अलग रखे हैं, जबकि पाकिस्तान के बजट में एआई का कोई जिक्र तक नहीं है।"उन्होंने चेताया कि यह दिशा यह देश के भविष्य के लिए खतरनाक साबित हो सकती है।

आतंकवाद मानवता के विरुद्ध अपराध पालने वालों को कटघरे में लाएं

एससीओ की बैठक में डोभाल ने आतंक के खिलाफ कार्रवाई पर दिया जोर

बीजिंग,(ईएमएस)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने बीजिंग में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सदस्य देशों की सुरक्षा परिषद सचिवों की 20वीं बैठक में भाग लिया। मंगलवार को बैठक को संबोधित करते हुए डोभाल ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंड छोड़ने और संयुक्त राष्ट्र से प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों और उनके नेटवर्क के खिलाफ ठोस कार्रवाई करने की जरुरत पर बल दिया।डोभाल ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले और उसके जवाब में भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' का उल्लेख करते हुए कहा कि यह आतंक के ढांचे को नष्ट करने और सीमा पार से भारत में घुसपैठ की कोशिशों को रोकने के लिए एक संतुलित और गैर-उकसाने वाला कदम था। उन्होंने कहा कि टीआरएफ ने इस हमले में 26 लोगों को मौत के घाट उतार दिया था। एनएसए ने कहा कि भारत को लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, अल-कायदा, आईएसआईएस और उनके सहयोगी संगठनों से बने यूएन द्वारा नामित आतंकी संगठनों से लगातार खतरा बना है, जिनका मुख्यालय पाकिस्तान में है और जिन्हें राज्य का समर्थन प्राप्त है।उन्होंने एससीओ देशों से आग्रह किया कि वे आतंकवाद को मानवता के विरुद्ध अपराध मानें और उसके प्रायोजकों, आयोजकों, वित्तीय मददगारों और हमलावरों को न्याय के कटघरे में लाने में मदद करें। डोभाल ने एससीओ मंच पर भारत की ओर से कई प्रस्ताव भी रखे। इनमें अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठनों के खिलाफ संयुक्त कार्यों का एक 'एल्गोरिदम ऑफ जॉइंट एक्शन्स', आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद की ओर ले जाने वाले कट्टरपंथ से निपटने के लिए संयुक्त उपाय और आतंकी विचारधाराओं से मुकाबला करने के लिए संयुक्त सूचना अभियान शामिल है।उन्होंने इन प्रस्तावों को समर्थन देने के लिए अन्य सदस्य देशों का आभार भी जताया। इससे पहले, अजीत डोभाल ने चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग और रूस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के उप सचिव अलेक्ज़ेंडर वेनेडिक्टोव से भी मुलाकात की। रूस ने जल्द ही भारत-रूस रणनीतिक संवाद के अगले चरण के लिए डोभाल को आमंत्रित किया।

इजरायली सेना पर हमास का बड़ा हमला, सात सैनिक मारे गए

गाजा,(ईएमएस)। खान यूनिस इलाके में हमास ने इजरायली सेना पर एक बड़े हमले को अंजाम दिया है। हमले में इजरायली सेना के सात सैनिक मारे गए, जिसमें एक अधिकारी भी शामिल है। सभी मृतक सैनिक 605वीं कॉम्बैट इंजीनियरिंग बटालियन के थे। हमले की जिम्मेदारी फिलिस्तीनी संगठन हमास की सैन्य शाखा अल-कस्साम ब्रिगेड्स ने ली है।खुद इजराइली सेना के अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया खान यूनिस शहर में एक इजरायली बख्तरबंद वाहन के एक विस्फोटक की चपेट में आने से सात सैनिकों की मौत हो गई। सैन्य नियमों के अनुसार नाम न उजागर करने की शर्त पर अधिकारी ने बताया कि छह सैनिकों की पहचान जारी की गई है जबकि एक की पहचान को गोपनीय रखा गया है।हमास की सैन्य शाखा अल-कस्साम ब्रिगेड्स ने कहा कि एक आवासीय इमारत के अंदर छिपे इजरायली सैनिकों पर घात लगाकर हमला किया।

फिर मुकरे ट्रंप बोले, ईरान में सत्ता बदलना हमारा मकसद नहीं

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अपनी बात से मुकर गए हैं। पहले उन्होंने साफ तौर पर कहा था कि ईरान की सत्ता भी बदली जा सकती है। अब कह रहे हैं कि सत्ता परिवर्तन हमारा मकसद नहीं है। मीडिया से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा, नहीं... अगर ऐसा कुछ था भी, तो था। मैं चाहता हूं कि सबकुछ जल्द से जल्द शांत हो जाए। शासन परिवर्तन अराजकता लाता है, और आदर्श रूप से हम इतनी अराजकता नहीं देखना चाहते, तो देखते हैं आगे क्या होता है। ट्रंप का यह ताजा बयान ऐसे समय आया है जब वह ईरान में शासन परिवर्तन को लेकर तीसरी बार अपना रुख बदल चुके हैं। रविवार (स्थानीय समय) को उन्होंने इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच तेहरान में शासन परिवर्तन की संभावना जताई थी, जबकि कुछ दिन पहले ही उन्होंने इससे इनकार किया था।रविवार को ट्रंप ने एक्स पर लिखा था, अगर मौजूदा ईरानी शासन ईरान को फिर से महान नहीं बना सकता, तो शासन परिवर्तन क्यों न हो! ट्रंप ने दोहराया कि ईरान को परमाणु हथियार नहीं मिलेंगे और वह एक महान व्यापारिक राष्ट्र बनेगा। उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि सबकुछ जल्द से जल्द शांत हो जाए। यह बयान इजराइल और ईरान के बीच संघर्षविराम (सीजफायर) की घोषणा के कुछ घंटों बाद आया।ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट साझा करते हुए सीजफायर की पुष्टि की और कहा, इजराइल और ईरान दोनों ही युद्ध रोकना चाहते थे। यह मेरे लिए बड़े सम्मान की बात थी कि मैंने सभी परमाणु ठिकानों और क्षमताओं को नष्ट किया, और फिर, युद्ध रोक दिया! ब ट्रंप से पूछा गया कि क्या सीजफायर प्रभाव में है, तो उन्होंने कहा कि हां, यह पूरी तरह प्रभाव में है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि इजराइल ने पीछे हटने का फैसला किया, जिसे उन्होंने सराहा। ट्रंप ने कहा, इजराइल, जैसा कि आप जानते हैं, पीछे हट गया। उन्होंने आज सुबह वह हमला नहीं किया। यह बड़ी बात थी। इसके लिए आभार। उनके पास बहुत सारे जेट तैयार थे और वे कुछ करने जा रहे थे, लेकिन उन्होंने नहीं किया। हम इससे खुश हैं। बहुत खुश हैं।इससे पहले सोमवार (स्थानीय समय) को ट्रंप ने ऐलान किया था कि इजराइल और ईरान के बीच सीजफायर पर सहमति बन गई है। हालांकि, कुछ घंटों बाद इजराइल ने ईरान पर संघर्षविराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया।

पीएम मोदी के लिए स्पेशल डिनर के चलते भड़क गए शी जिनपिंग, सम्मेलन में नहीं होंगे शामिल

रियो डी जेनेरियो(ईएमएस)। अगले हफ्ते ब्राजील में होने जा रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग शामिल नहीं होंगे। जिसको लेकर ब्राजील के राष्ट्रपति लूला द सिल्वा परेशान हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन के राष्ट्रपति की ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की शिड्यूल से परेशानी हैं और इसलिए वो इसमें शामिल नहीं होंगे। चीनी राष्ट्रपति की जगह देश के प्रधानमंत्री ली कियांग अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ इसमें शामिल होंगे। लेकिन परदे के पीछे से आ रही रिपोट्र्स में कहा गया है कि शी जिनपिंग, भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए रखी गई डिनर पार्टी से नाराज हैं।रिपोट्र्स के मुताबिक, ब्राजील के राष्ट्रपति लूला द सिल्वा ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मेलन के बाद विशेष स्टेट डिनर के लिए आमंत्रित किया है। इसकी वजह से बीजिंग काफी असहज हो गया है। कहा जा रहा है कि चीन को आशंका है कि यदि शी जिनपिंग सम्मेलन में शामिल होते हैं, तो ब्राजील और भारत के नेताओं की आपसी मुलाकात इस मंच से महफिल लूट लेगी। और चीनी राष्ट्रपति की भूमिका सिर्फ साइड एक्टर की तरह नजर आएगी। जो विदेशों में बनाई गई उनकी सशक्त नेता की छवि को धूमिक कर सकती है। ब्राजील के अधिकारियों के मुताबिक राष्ट्रपति लूला ने मई 2025 में चीन की यात्रा भी विशेष रूप से इसलिए की थी, ताकि शी जिनपिंग को ब्रिक्स सम्मेलन में आमंत्रित किया जा सके। उन्होंने इसे गुडविल जेस्चर बताते हुए उम्मीद जताई थी, कि शी जिनपिंग ब्राजील दौरे को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया देंगे। ब्राजील के विशेष विदेश नीति सलाहकार सेल्सो अमोरीम ने भी चीनी विदेश मंत्री वांग यी के सामने इस मुद्दे को उठाया भी था। फिर भी चीनी राष्ट्रपति ने ब्रिक्स में शामिल नहीं होने का फैसला किया है।दूसरी तरफ चीनी अधिकारियों का कहना है कि शिखर सम्मेलन में शी जिनपिंग की अनुपस्थिति की अटकलों का एक और कारण यह है, कि लूला और शी जिनपिंग एक साल से भी कम समय में दो बार मिल चुके हैं। उनकी पहली मुलाकात जी20 शिखर सम्मेलन में पिछले साल नवंबर में ब्रासीलिया की राजकीय यात्रा के दौरान, और फिर मई में बीजिंग में चीन-सेलाक फोरम के दौरान हो चुकी है।चीन ने कहा है कि वह ब्राजील की ब्रिक्स अध्यक्षता का समर्थन करता है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा कि बीजिंग अपने सदस्यों के बीच गहन सहयोग को बढ़ावा देना चाहता है। चीनी अधिकारियों ने कहा है कि एक अस्थिर और अशांत दुनिया में, ब्रिक्स राष्ट्र अपने रणनीतिक संकल्प को बनाए रखते हैं और वैश्विक शांति, स्थिरता और विकास के लिए मिलकर काम करते हैं। लेकिन चीन की ये दलील पल्ले नहीं पड़ रही है। क्योंकि द्विपक्षीय मुलाकात अलग है और ब्रिक्स एक मल्टीफोरम प्लेटफॉर्म है। साल 2008 में जब ब्रिक्स का पहला शिखर सम्मेलन ब्राजील में ही हुआ था, उस वक्त चीन के राष्ट्रपति हू जिंताओ चीन में आए विनाशक भूकंप के बावजूद शामिल हुए थे। वो भले ही एक ही दिन रहे, फिर भी वो शामिल हुए थे। विदेश मामलों के एक्सपट्र्स का मानना है कि शी जिनपिंग अगर ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल नहीं होते हैं तो इससे ब्राजील-चीन रिश्तों को झटका लगेगा और चीन की उन कोशिशों को भी झटका लगेगा, जिसमें वो खुद को ब्रिक्स में नेतृत्वकारी भूमिका में दिखाना चाहता है।

आयुष की भारतीय अंडर-19 टीम ने इंग्लैंड यंग लायंस को हराया

लॉफबोरो (ईएमएस)। एक ओर जहां शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम को पहले टेस्ट मैच में बड़े स्कोर के बाद भी हार का सामना करना पड़ा है। वहीं भारतीय अंडर-19 टीम ने लॉफबोरो में खेले गए एक रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड यंग लायंस को 231 रनों से हरा दिया। आयुष म्हात्रे की कप्तानी में ; भारतीय जूनियर टीम इस मैच में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में हावी रही। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय अंडर-19 टीम ने इस मैच में 50 ओवरों में 9 विकेट पर 444 रनों का बड़ा स्कोर बनाया। इसे बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड यंग लायंस की टीम केवल 213 रन ही बना पायी। भारतीय जूनियर टीम की जीत में सलामी बल्लेबाज हरवंश पंगालिया के नाबाद शतक 103 रनों की अहम भूमिका रही। इस बल्लेबाज के सामने मेजबान टीम के गेंदबाज टिक नहीं पाये। हरवंश के अलावा, राहुल कुमार, कनिष्क चौहान और आरएस अमरीश ने भी अर्धशतक लगाये। इन बल्लेबाजों ने इंग्लैंड यंग लायंस के गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया।
445 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड यंग लायंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही। लायंस की ओर से कप्तान थिल बेनिसन ने शतकीय पारी खेली पर वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। वहीं अन्य बल्लेबाज असफल रहे। भारतीय अंडर-19 टीम के गेंदबाजों ने इस मैच में कसी हुई गेंदबाजी की जिससे इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर दबाव बन गया। दीपेश देवेंद्रन ने तीन जबकि नमन पुष्पक और विहान मल्होत्रा ने दो-दो विकेट हासिल किए।

डकेट को इसलिए मिला प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड

दो शतक के बाद भी खाली हाथ रहे ऋषभ

हेडिंग्ले (ईएमएस)। यहां भारत के खिलाफ हुए पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में 149 रन बनाकर इंग्लैंड की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले सलामी बल्लेबाज बेन डकेट को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड दिया गया है। इस मैच में पांच शतक लगाने के बाद भी खराब गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण के कारण भारतीय टीम को 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में डकेट ने अपने जोड़ीदार जैक क्राउली के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए रिकॉर्ड 188 रन की बनाये। इंग्लैंड ने इस मैच में जीत के साथ ही पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच की दोनो पारियों में शतक लगाने के बाद भी भारतीय टीम के बल्लेबाज ऋषभ पंत की जगह डकेट को प्लेयर ऑफ द मैच इसलिए दिया गया क्योंकि उन्होंने कठिन हालातों में शतक लगाकर इंग्लैंड की जीत में अहम भूमिका निभाई। इंग्लैंड को पांचवें और अंतिम दिन जीत के लिए 350 रन चाहिए थे और उसके दोनों ही सलामी बल्लेबाजों बेन डकेट और क्राउली ने टीम को अच्छी शुरुआत दिलाकर जीत की ओर अग्रसर किया। डकेट ने क्राउली के साथ शतकीय साझेदारी कर 76 साल पहले इसी मैदान पर बना सबसे बड़ी साझेदारी का रिकार्ड भी तोड़ दिया। डकेट और क्राउली ने साल 1949 में इसी इसी मैदान पर न्यूजीलैंड के वर्दुन स्कॉट और बर्ट सुटक्लिफ की चौथी पारी में पहले विकेट के लिए बनाये 112 रन के रिकॉर्ड को तोड़ दिया.
डकेट को इसलिए प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया क्योंकि उन्होंने कठिन हालातों में लक्ष्य का पीछा करते हुए बड़ी पारी खेली। उनकी शानदार पारी से मेजबान टीम को जीत मिली जबकि ऋषभ ने पहली ओर दूसरी पारी ममें 134 और 118 रन बनाए थे लेकिन तब उनपर कोई दबाव नहीं था। भारतीय टीम अगर ये मैच जीतती तो उन्हें ये अवार्ड मिलता।

ओस्ट्रावा में अमेरिका के क्रिस रोबिंसन पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ जीतने के बाद उत्साहित होते हुए।

आईसीसी रैंकिंग में सातवें स्थान पर पहुंचे ऋषभ

दुबई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) रैंकिंग में सातवें स्थान पर पहुंच गये हैं। ऋषभ को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में दो शतक लगाने से लाभ हुआ है। इससे वह एक स्थान के लाभ के साथ ही सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। ऋषभ के अभी 801 रेटिंग अंक हैं। यह उनके करियर की सबसे अच्छी रेटिंग है। उन्होंने लीड्स टेस्ट की पहली पारी में 134 और दूसरी पारी में 118 रन बनाए थे। भारतीय टीम कप्तान शुभमन गिल को भी शतक लगाने से लाभ हुआ है और पांच स्थान ऊपर आये हैं। शुभमन ने 147 रन बनाये थे जिससे अब वह 20 वें नंबर पर पहुंच गये हैं। भारत के यशस्वी जायसवाल ने भी पहले टेस्ट में शतक लगाया था। जिससे वह चौथे स्थान पर बने हुए हैं। वहीं इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट को बल्लेबाजों की सूची में पांच स्थान का लाभ हुआ है। इससे डकेट अब आठवें पायदान पर पहुंच गए हैं। डकेट की 149 रनों की पारी से इंग्लैंड को जीत मिली। डकेट ने पहली पारी में अर्धशतक लगाया था।

बुमराह के दूसरे टेस्ट में खेलने पर फैसला ब्रेक के बाद लिया जाएगा : शुभमन

हेडिंग्ले (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम की इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में हार के बाद एक बार फिर ये सवाल उठा है कि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह दूसरा टेस्ट खेलेंगे या नहीं ? बुमराह को लेकर सीरीज के पहले ही कहा गया था कि वह तीन टेस्ट ही खेलेंगे जिससे उनपर अधिक बोझ न पड़े। पहले टेस्ट में बुमराह के अलावा अन्य भारतीय गेंदबाज असफल रहे थे। ऐसे में बुमराह दूसरा टेस्ट नहीं खेलते तो भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। वहीं जब कप्तान शुभमन गिल से बुमराह के दूसरे मैच में खेलने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'बुमराह की उपलब्धता पर मैच दर मैच फैसला लिया जाएगा। दूसरे टेस्ट मैच के शुरू होने में अभी 7 दिन का समय है। लंबे ब्रेक के बाद जब हम अगले मैच की तरफ जाएंगे तब देखेंगे क्या करना है।'शुभमन ने टीम की हार का कारण कमजोर गेंदबाजी और खराब फील्डिंग को दिया जिसका का पूरा लाभ उठाते हुए मेजबान टीम केबेन डकेट ने शानदार लगा दिया जिससे इंग्लैंड ने 371 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। डकेट ने 170 गेंद में 21 चौकों और एक छक्के की मदद से 149 रन बनाए जबकि जैक क्रॉली ने 65 रन की पारी खेली। दोनों ने पहले विकेट के लिए 188 रन बनाकर अपनी टीम को जीत तय कर दी। इसके बाद जो रूट ने 53 और जैमी स्मिथ ने 44 रन बनाकर टीम को जीत तक पहुंचाया। पांच मैचों की सीरीज में अब इंग्लैंड 1-0 से आगे है। भारत की ओर से इस मैच में पांच शतक बने पर इसके बाद भी टीम को हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम ने कई कैच गिराये। बुमराह को दूसरे छोर से गेंदबाजी में सहयोग नहीं मिल पाने से भी भारत की मुश्किलें बढी।

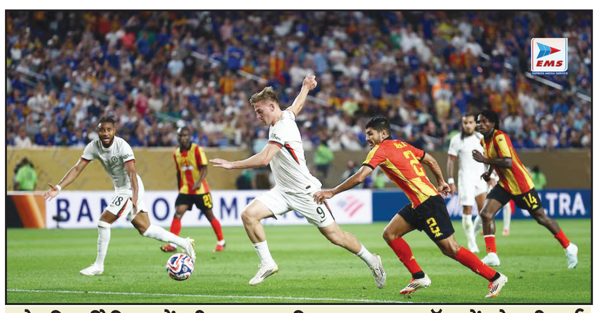

पेनसिलविनिया में फीफा क्लब विश्व कप फुटबॉल में खेलती हुई ट्यूनिस और चेलेसा की टीमें।

तिलक ने काउंटी चैम्पियनशिप के अपने पहले ही मैच में लगाया शतक

लंदन (ईएमएस)। भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज तिलक वर्मा ने इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट में अपने डेब्यू मैच में ही शतक लगाया है। तिलक ने हैम्पशायर की ओर से खेलते हुए एसेक्स के खिलाफ शतकीय पारी खेली। तिलक ने तीसरे दिन काउंटी में पहला शतक बनाया। वह 241 गेंदों पर 100 रन आउट हुए। तिलक ने अपनी पारी में 11 चौके और तीन छक्के लगाए। वह इसी के साथ ही 2019 में अजिंक्य रहाणे के बाद हैम्पशायर की ओर से शतक बनाने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं। तिलक ने दूसरे दिन के बाद कहा, मैं अब रहाणे से कह सकता हूं कि मैंने भी यहां शतक बनाया है। तिलक आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेलने वाले अच्छे टी20 बल्लेबाजों में से एक हैं। आईसीसी रैंकिंग में वह नंबर 3 रैंक वाले टी20 बल्लेबाज है। इस युवा बल्लेबाज ने कहा, मैं हमेशा कहता हूं, टेस्ट क्रिकेट मेरा पसंदीदा है। टी20 में नंबर 3 बल्लेबाज होने के कारण हर कोई सोचता है कि मैं एक अच्छा टी20 बल्लेबाज हूं पर लंबे समय से मैं कहता आ रहा हूं कि मैं एक अच्छा टेस्ट खिलाड़ी बनना चाहता हूं। मुझे टेस्ट खेलना पसंद है। आईपीएल के बाद मुझे यहां खेलने का अच्छा मंच मिला।

डबल्यूटीसी अंक तालिका में पहले नंबर पर पहुंची इंग्लैंड

भारतीय टीम चौथे स्थान पर खिसकी

लीड्स (ईएमएस)। यहां भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में मिली जीत के साथ ही मेजबान इंग्लैंड की टीम विश्व टेस्ट चैम्पियशिप(डबल्यूटीसी) अंक तालिका में पहले नंबर पर पहुंच गयी है। वहीं पहले मैच में मिली पांच विकेट की हार से भारतीय टीम चौथे नंबर पर खिसक गयी है। डबल्यूटीसी के नए चक्र की शुरुआत गाले में 17 जून से शुरु हुए बांग्लादेश और श्रीलंका टेस्ट से हुई थी पर ये टेस्ट ड्रॉ रहने से दोनों ही टीमों के अंक बराबर हैं। इससे ये टीमें अंक तालिका में दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं। पहले टेस्ट में पांच विकेट से जीत से इंग्लैंड को जहां 12 अंक मिले हैं। वहीं भारतीय टीम को एक भी अंक नहीं मिला। इंग्लैंड की टीम का जीत का प्रतिशत 100.00 है। वहीं दूसरे नंबर पर बांग्लादेश जबकि तीसरे नंबर पर श्रीलंका की टीम है। दोनों टीमों के एक बराबर 4-4 अंक हैं जबकि जीत का प्रतिशत 33.33-33.33 है। भारतीय टीम को अंक तालिका में उपर उठने के लिए अब 2 जुलाई से एजबेस्टन में होने वाले दूसरे टेस्ट को हर हाल में जीतना होगा। भारतीय टीम डब्ल्यूटीसी 2019-21 अंक तालिका में शीर्ष पर रहा था जबकि 2021-23 डब्ल्यूटीसी चक्र में टीम इंडिया दूसरे स्थान पर रही। वहीं डब्ल्यूटीसी 2023-25 चक्र में तीसरे स्थान पर रहा. भारत डब्ल्यूटीसी 2023-25 के फाइनल के लिए भी क्वालीफाई कर सकता था, लेकिन पिछले 8 टेस्ट में 6 हार ने उसे बहुत नुकसान पहुंचाया।

हीली अभी नहीं लेंगी संन्याय

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान एलिसा हीली ने कहा है कि अभी उनका संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है और वह इसी साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के बाद भी खेलती रहेंगी। 35 साल की इस क्रिकेटर ने कहा है कि वह साल 2026 में भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज तक तो रहेंगी ही। हीली पिछले साल से ही लगातार चोटों से परेशान रही हैं, टी20 विश्व कप के दौरान उनके पैर में स्ट्रेस फ्रेक्चर भी हुआ था। इसके बाद घुटने में दर्द के कारण उन्हें कई मैचों से बाहर होना पड़ा। हीली ने माना है कि पहले वह इस साल भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के बाद संन्यास लेने का सोच रहीं थीं पर अब उनका इरादा बदल गया है। हीली ने कहा, '' मेरे संन्यास लेने की तारीख बदल गई है। फिटनेस में आ रही परेशानी के कारण मैं अब भी शायद जितना सोचा था, उससे थोड़ा अधिक करना चाहती हूं।'' वह ऑस्ट्रेलियाई टीम की ओर से की घरेलू मैदान पर एशेज जीत के दौरान कुछ मैच खेलीं पर फिट नहीं होने के कारा न्यूजीलैंड के दौरे और भारत में महिला प्रीमियर लीग में भाग नहीं ले पाईं। हीली ने कहा, ''कभी-कभी जीवन में ऐसी चीजें होती हैं जो हरे और सुनहरे रंग की जर्सी पहनने से थोड़ी अधिक अहम होती हैं। इसलिए यह केवल आंकलन है।'' उन्होंने कहा, ''इस समय मैं स्वदेश में गर्मियों में खेलना चाहती हूं और विश्व कप घर जीतना चाहती।''

रूट अब टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा कैच पकड़ने के मामले में संयुक्त रुप से पहले नंबर पर

लीड्स (ईएमएस)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट में दो कैच पकड़ने के साथ ही एक अहम उपलब्धि हासिल कर ली है। रुट अब टेस्ट टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा कैच पकड़ने वाले खिलाड़ियों की सूची में भारत के पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। द्रविड़ के 210 केच थे, वहीं अब रुट के भी इतने ही कैच हो गये हैं। द्रविड़ ने यह आंकड़ा 164 टेस्ट मैचों में हासिल किया था, जबकि जो रूट ने इसे सिर्फ 154 टेस्ट में ही हासिल कर लिया है। गौरतलब है कि द्रविड़ ने साल 1996 से लेकर 2012 तक भारतीय टीम के लिए टेस्ट क्रिकेट खेला था। वहीं अब जो रूट ने उनकी बराबरी कर ली है और इस सीरीज में उनके पास द्रविड़ का रिकार्ड तोड़ने का भी अवसर है। टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा कैच पकड़ने की सूची में तीसरे नंबर पर श्रीलंका के पूर्व बल्लेबाज महेला जयवर्धने हैं। इस श्रीलंकाई ने अपने करियर में 149 टेस्ट मैच खेले और कुल 205 कैच पकड़े। उनकी गिनती भी विश्व क्रिकेट के सबसे भरोसेमंद फील्डर में होती थी। वहीं चौथे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ बल्लेबाज स्टीव स्मिथ हैं, जिन्होंने 117 टेस्ट मैचों में 200 कैच लिए हैं। पांचवें स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के पूर्व महान ऑलराउंडर जैक्स कैलिस हैं, जिन्होंने 166 टेस्ट मैचों में 200 कैच लिए थे।

आईएसपीएल में नई दिल्ली फ्रेंचाइजी के मालिक बने सलमान

मुम्बई (ईएमएस)। बॉलीवुड सुपर स्टार सलमान खान भी अब इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग (आईएसपीएल) में टीम मालिक बन गये हैं। सलमान नई फ्रेंचाइजी नई दिल्ली के मालिक होंगे। आईएसपीएल लीग टेनिस गेंद से खेली जाती है और इसमें 10-10 ओवर के मैच होते हैं। आईएसपीएल की कोर कमिटी में सचिन तेंदुलकर, एशियन क्रिकेट काउंसिल के सदस्य आशीष शेलार, मिनाल अमोल काले और सूरज सामत शामिल हैं। इस लीग का दूसरा सत्र काफी सफल रहा था। उसे टीवी पर 2.8 करोड़ से ज्यादा दर्शकों का प्यार मिला था। पहले सत्र के मुकाबले दूसरे सत्र में टीवी व्यूअरशिप में 47 फीसदी की बढ़त दर्ज की गयी। अब लीग में दो और फ्रेंचाइजी शामिल हो गयी हैं। नई दिल्ली के बाद दूसरी फ्रेंचाइजी अहमदाबाद की औपचारिक घोषणा भी आने वाले दिनों में हो सकती है। अभी तक इस लीग में अमिताभ बच्चन, सैफ अली खान, करीना कपूर खान, अक्षय कुमार, सूर्या, ऋतिक रोशन और राम चरण ने टीमें खरीदी हैं।

विराट ने पहले ही संन्यास की जानकारी बीसीसीआई को दे दी थी : गांगुली

कोलकाता (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने खुलासा किया है कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की बात भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को पहले ही पता थी। गांगुली ने हालांकि कहा कि संन्यास का फैसला पूरी तरह से विराट का था और उनपर किसी प्रकार का दबाव नहीं था। साथ ही कहा कि कोहली ने संन्यास की घोषणा के चार दिन पहले ही बता दिया था कि वह टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले हैं। हालांकि, बीसीसीआई ने विराट को अपने फैसले पर फिर से विचार करने के लिए भी कहा था पर वे नहीं माने।गांगुली ने बताया कि कोहली ने यह फैसला खुद लिया था। संन्यास को लेकर उन पर किसी तरह का दबाव नहीं था। विराट ने ऑस्ट्रेलिया के निराशाजनक दौरे के बाद घरेलू क्रिकेट में वापसी की थी। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में दिल्ली का प्रतिनिधित्व किया था। इसके बाद उन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी थी। विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से अनाचक संन्यास लेने के फैसले ने कई लोगों को हैरान किया था। गांगुली भी उनमें से एक थे। कोहली ने पहले ही टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया था। ऐसे में सभी को उम्मीद थी कि वे कुछ और सालों तक टेस्ट क्रिकेट खेलेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। ऐसे में गांगुली ने कहा कि हर अच्छी चीज का अंत होता है।गांगुली ने अपने खेल से संन्यास लेने के बारे में भी बात की। उन्होंने कोहली के फैसले और अपने फैसले में समानता बताई। उन्होंने 37 साल की उम्र में टेस्ट से संन्यास ले लिया था।

टीम नहीं जीती तो व्यक्तिगत उपलब्धियों का मतलब नहीं : गंभीर

लीड्स (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के दो शतक को लेकर कहा कि अगर टीम जीत नहीं पाती है तो व्यक्तिगत उपलब्धियों का कोई मतलब नहीं रह जाता। वहीं जब उनसे इंग्लैंड के हाथों पहले टेस्ट में मिली हार के बीच भी सकारात्मक बातों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि सबसे अहम परिणाम होता है जो टीम अपने पक्ष में नहीं ला पायी। वहीं गंभीर से जब ऋषभ के दो शतकों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा ,''तीन और शतक बने थे। ये सब सकारात्मक बातें हैं।''वहीं मैच के सकारात्मक पहलुओं के बारे में पूछने पर गंभीर ने कहा ,''अगर आप कहते कि यशस्वी जायसवाल ने शतक जमाया और शुभमन गिल ने कप्तान के तौर पर पहले ही मैच में शतक लगाया तो मुझे अच्छा लगता। इसके अलावा केएल राहुल ने भी शतक लगाया और ऋषभ ने दो शतक लगाये। एक टेस्ट में पांच शतक बड़ी बात है। यह सवाल बेहतर हो सकता था।'' कोच ने कहा कि अगर टीम हारती है तो व्यक्तिगत उपलब्धियां काम नहीं आतीं। उन्होंने हालांकि कहा ,''ये सब सकारात्मक पक्ष हैं। जसप्रीत बुमराह ने पांच विकेट लिये पर अंत में तो टीम हार ही गयी।'' उन्होंने कहा , ''व्यक्तिगत प्रदर्शन अच्छी बात है। हमें शीर्ष छह से बड़ी पारियां चाहिये थी पर अंत में तो हम टेस्ट मैच जीत नहीं सके। अब हमें इससे सीख लेकर आगे बढ़ना होगा।''

एशिया कप से बाहर किया जा सकता है पाकिस्तान , प्रोमो में भी नहीं मिली जगह

मुम्बई (ईएमएस)। आगामी एशिया कप में पाकिस्तान के भाग लेने को लेकर संशय बना हुआ है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही जिस प्रकार से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाब बढ़ा है। उससे साफ है कि पाक को एशिया कप से बाहर किया जा सकता है। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के बाद दोनो देशों के बीच तनाब बढ़ा है। वहीं अब एशिया कप के आधिकारिक प्रसारक के एक प्रोमो से भी अटकलें लगने लगी हैं कि एशिया कप में पाकिस्तान को शायद ही खेलने को मिले। एशिया कप सितंबर में होना तय है। साल 2026 के टी-20 विश्व कप को देखते हुए यह टूर्नामेंट टी-20 फॉर्मेट में खेला जाना है। टूर्नामेंट के प्रसारक ने एशिया कप का एक प्रोमो जारी किया है। इसमें प्रोमो में भारत, बांग्लादेश और श्रीलंका के टी-20 कप्तानों की तस्वीर तो है पर पाकिस्तान के कप्तान की नहीं है। जिससे संदेह और गहराया है। इसके साथ ही ये अनुमान लगाये जा रहे हैं कि पाक को इससे बाहर रखा जा सकता है। प्रोमो में टीम इंडिया के टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव, बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हसन शांतो और श्रीलंका के कप्तान चरित असलंका की ही तस्वीरें हैं। एशिया कप में अफगानिस्तान, ओमान, यूएई और हांगकांग की टीमें भी शामिल होंगी।

ऋषभ इस सीरीज के अंत तक तोड़ सकते हैं द्रविड़ का रिकार्ड : मांजरेकर

लीड्स (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि जिस प्रकार से ऋषभ खेल रहे हैं। उससे वह इस सीरीज के अंत तक इंग्लैंड में सबसे ज़्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले भारतीय खिलाड़ी बन सकते हैं। अभी ये रिकार्ड राहुल द्रविड़ के नाम है। ऋषभ ने पहले टेस्ट की दोनो ही पारियों में शतक लगाये हैं। इससे ऋषभ के इंग्लैंड में टेस्ट शतकों की संख्या 4 हो गई है, जो द्रविड़ 6 शतक से सिर्फ 2 कम है, और मांजरेकर को लगता है कि सीरीज में चार टेस्ट शेष रहने पर वह इंग्लैंड में सबसे अधिक टेस्ट शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बनने के लिए पूर्व कप्तान की बराबरी कर सकते हैं या उनसे आगे निकल सकते हैं। उन्होंने कहा, ऋषभ इस टेस्ट टीम में विकेटकीपर के रूप में भारत की पहली और आखिरी पसंद हैं। अब अगर आप संख्याओं को देखें तो इंग्लैंड में टेस्ट में भारतीयों द्वारा सबसे अधिक 6 शतक साथ द्रविड़ सबसे आगे हैं। अचानक आपके पास उसी विशिष्ट वर्ग में ऋषभ का नाम है। उन्होंने कहा, आपके पास केएल राहुल हैं और आपके पास ऋषभ हैं। कौन जानता है, जब तक यह सीरी समाप्त होगी, ऋषभ द्रविड़ की बराबरी कर सकते हैं या उनसे आगे भी निकल सकते हैं। इस सीरीज में अभी चार टेस्ट मैच होने हैं जो कि ऋषभ के लिए संभावित रूप से 8 पारियां हैं।

नीरज ने ओस्ट्रावा गोल्डन इस्पाइक एथलेटिक्स में स्वर्ण जीता

ओस्ट्रावा (ईएमएस)। भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने चेक गणराज्य में हुए 64वें ओस्ट्रावा गोल्डन इस्पाइक एथलेटिक्स एथलेटिक्स टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता है। नीरज ने पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता में अपने तीसरे प्रयास में 85.29 मीटर भाला फेंककर पहला स्थान हासिल किया। वहीं दक्षिण अफ्रीका के डौव स्मिट 84.12 मीटर भाला फेंककर दूसरे जबकि ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स 83.63 मीटर भाला फेंककर तीसरे स्थान पर रहे। नीरज की यह सत्र की तीसरी जीत रही। इससे पहले वह पोटचेफस्ट्रूम (दक्षिण अफ्रीका) में 84.52 मीटर भाला फेंककर और पेरिस डायमंड लीग – में 88.16 मीटर भाला फेंककर पहले स्थान पर रहे थे। इस सत्र में नीरज अब तक एक बार ही 90 मीटर के आंकड़े तक पहुंच पाये हैं। डोहा डायमंड लीग में नीरज ने पहली बार 90.23 मीटर भाला फेंककर 90 मीटर का आंकड़ा पार किया था पर वह जूलियन वेबर 91.06 मीटर से पिछड़ गये। पोलैंड के जानुस कुशोचिंस्की मेमोरियल में नीरज 84.14मीटर भाला फेंककर एक बार फिर वेबर 86.12 मीटर से पिछड गये। अब नीरज बेंगलुरु में अगले माह एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का इवेंट आयोजित कर रहे हैं। इसमें वह दुनिया भर के शीर्ष स्तर के भाला फेंक खिलाड़ियों से प्रतिस्पर्धा करेंगे। ये भारत का पहला अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक इवेंट होगा। इस इवेंट का आयोजन जेएसडब्ल्यू स्पोर्टस एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया और विश्व एथलेटिक्स मिलकर करेंगे। नीरज इस इवेंट के जरिये अपने प्रदर्शन को और निखारना चाहेंगे।

ओस्ट्रावा में ऑस्ट्रेलिया के गाउट पुरुषों की 200 मीटर रेस जीतने के बाद जश्न मनाते हुए।

बिरहोर बाल निवास और बीजीएच में महिला समिति ने उपलब्ध कराया वाटर कूलर

बोकारो 25 जून को महिला समिति, बोकारो की अध्यक्ष श्रीमती अनिता तिवारी द्वारा ट्रेनीज हॉस्टल स्थित बिरहोर बाल निवास में बिरहोर बच्चों के लिए समिति द्वारा उपलब्ध कराइ गई वाटर कूलर मशीन का शुभारंभ किया गया जिससे बच्चों को चौबीस घंटे जल शोधक सुविधा के साथ स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सकेगा. इसी कड़ी में महिला समिति ने बोकारो जनरल अस्पताल में भी मरीजों की सुविधा के लिए जल शोधक सुविधा के साथ गर्म तथा ठंडा पानी उपलब्ध कराने हेतु दो मशीनें प्रदान की है जिसका शुभारंभ श्रीमती अनिता तिवारी द्वारा किया गया.उल्लेखनीय है कि महिला समिति, बोकारो अपनी विविध गतिविधियों के माध्यम से समाज सेवा की दिशा में हमेशा अग्रणी रही है. वाटर कूलर के शुभारम्भ के मौके पर समिति की उपाध्यक्षगण श्रीमती अल्का मनवती, श्रीमती देवजानी मिश्रा, सचिव श्रीमती ऋचा प्रियदर्शिनी, कोषाध्यक्ष श्रीमती अभिरुचि प्रिया, सांस्कृतिक सचिव श्वेता कुमार, सुरभि प्रभारी अनिशा झा, साबुन व सैनिटरी प्रभारी प्रीति राजेश, विद्यालय प्रभारी आशा राज, समिता मोहंती आदि मौजूद थी. महिला समिति, बोकारो के इस प्रयास की सभी ने सराहना की.

जला हुआ ट्रांसफार्मर को बदलने की मांग

दुमकाःमसलिया प्रखंड क्षेत्र के रांगा गांव के बंगाली टोला का ट्रासफार्मर जल जाने से टोला में अंधेरा छाया हुआ है.ग्रामीण ने 25 केबीए ट्रांसफार्मर को बदलकर 100 केबीए ट्रांसफार्मर लगाने के लिए बिजली विभाग के सहायक अभियंता को लिखित आवेदन दिया है. इस टोला में 80 परिवार निवास करते है.बीते दिनों हुई तेज बारिश के साथ हुई बज्रपात से 25 केबीए ट्रांसफार्मर जल गया है. ट्रांसफार्मर जलने के बाद टोलावासियों के समक्ष बिजली समस्या उत्पन्न हो गयी है. बिजली सेवा बाधित रहने से खासकर बच्चों की पढ़ाई में कठिनाई हो रही है.टोलावासी अंधेरा में रात गुजारने को मजबूर है. ग्रामीणों की बिजली विभाग को लिखित आवेदन देकर अविलंब ट्रांसफार्मर बदलने कि मांग की है.

पप्पू तिवारी को धनबाद जिला का मीडिया चेयरमैन सह प्रवक्ता बनाए जाने पर कांग्रेस पदाधिकारीयों ने दी बधाई

धनबाद, जिला के कांग्रेस पर्यवेक्षक, अशोक कुमार चौधरी के धनबाद आगमन पर धनबाद परिसदन(सर्किट हाऊस) में बुके देकर उनका अभिनंदन स्वागत किया गया l मौके पर पप्पू तिवारी को धनबाद जिला का मिडिया चैयरमेन सह प्रवक्ता बनाएं जाने पर बधाई के साथ शुभकामनाएं दी l साथ ही विधानसभा चुनाव में धनबाद जिला के पूर्व प्रभारी रहे प्रदेश सचिव महेंद्र मिश्रा ने भी उन्हें बधाई दी। मौके पर धनबाद जिला कांग्रेस पर्यवेक्षक अशोक कुमार चौधरी ने पप्पू कुमार तिवारी को धनबाद जिला का मीडिया चेयरमैन सह प्रवक्ता बनाए जाने पर शुभकामनाएं देते हुए झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के.राजू ,झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सम्मानित प्रदेश अध्यक्ष, केशव महतो कमलेश सहित पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ने संगठन के प्रति समर्पित ऊर्जावान कार्यकर्ता पप्पू कुमार तिवारी को धनबाद जिला का मिडिया चैयरमेन सह प्रवक्ता पद की महत्वपूर्ण जिम्मेवारी दी है l जिससे संगठन की मजबूती में बल मिलेगा lआगे उन्होंने कहा कि मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है की संगठन ने जिस आशा और विश्वास के साथ पप्पू तिवारी को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी हैं ,वे अपने जिम्मेवारी को पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निर्वहन करते हुए जिला के हर छोटी-बड़ी ज्वलंत समस्याओं को प्रमुखता के साथ रखेंगे l

64 वें सुब्रतो फुटबाल प्रतियोगिता में मुगमा व उ. म. विद्यालय कालीमाटी विजेता रहा

चिरकुंडा, (धनबाद,), 64 वें सुब्रतो कप अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता का प्रथम लिटिल चैंपियन फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन प्रभात स्टेडियम मुगमा में बुधवार को आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में एग्यारकुंड प्रखंड प्रमुख संगीता महतो एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी मधु कुमारी, उप प्रमुख विनोद दास के नेतृत्व में खेल प्रतियोगिता को प्रारंभ किया। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रमुख संगीता महतो ने कहा कि खेलों का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। यह हमें शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखने में मदद करता हैं। खेल खेलने से हमारी सहनशक्ति मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक कौशल में सुधार होता है। प्रखंड विकास पदाधिकारी एग्यारकुंड मधु कुमारी ने कहा कि फुटबॉल हमारे शरीर की कसरत है,जो मांसपेशियों की वृद्धि, हड्डियों के घनत्व और जोड़ों के लचीलेपन को बढ़ावा देता है। समारोह को संबोधित करते हुए अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ निर्देशक तीन इकाई के अध्यक्ष प्रमोद कुमार झा ने कहा कि फुटबॉल खेलने से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में कई फायदे होते हैं। यह एक टीम गेम है। सहन शक्ति ताकत समन्वय और टीमवर्क को बढ़ावा देता है। जिला परिषद सदस्य गुलाम कुरैशी के द्वारा दोनों विजेता टीम को फुटबॉल, जर्सी आदि खेल से संबंधित सामग्री अपने निजी कोष से देने की घोषणा की। प्रतियोगिता कार्यक्रम में एग्यारकुंड प्रखंड अधीनस्थ तीन उच्च विद्यालय तथा पांच मध्य विद्यालय के बालकों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में उच्च विद्यालय मुगमा की टीम विजता व उपविजेता टीम नदलाल इंस्टीट्यूशन चिरकुंडा के टीम रहे। वहीं मध्य विद्यालय की ओर से विजेता टीम उत्क्रमित मध्य विद्यालय कलीमाटी, उप विजेता टीम मध्य विद्यालय केसरकुलर की टीम हुई। विजेता टीम को शिल्ड, जर्सी एवं प्रशस्ति पत्र विभिन्न अतिथि गण के द्वारा प्रदान की गई।

स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया तथा बोकारो जनरल अस्पताल के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन

बोकारो जनरल अस्पताल के तत्वावधान में आज दिनाँक 25 जून को स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया सेक्टर -04 शाखा में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. रक्तदान शिविर में स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया सेक्टर -04 शाखा के कर्मचारियों तथा ग्राहकों से कुल 20 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया. रक्तदान का मुख्य उद्देश्य, थैलेसिमीया, सिकल सेल एनीमिया के मरीजों को रक्त मुहैया कराना, तथा रक्त की कमी से लोगों की जान न जाए इसलिए लोगों के बीच जागरूकता फैलाना है. एक यूनिट रक्त से तीन लोगों की जान बचाई जा सकती है.ब्लड बैंक के प्रभारी डा० सुरेन्द्र कुमार (ए सी एम ओ) ने बताया कि 18 वर्ष से 60 वर्ष तक का कोई भी स्वस्थ पुरूष स्वेच्छा से एक वर्ष में चार बार तथा एक स्वस्थ महिला एक वर्ष में तीन बार रक्तदान कर सकती है. रक्तदान करने से शरीर के किसी भी अंग में कोई कमजोरी नहीं आती है. इस रक्तदान शिविर को सफल बनाने के लिए रक्त केन्द्र, बोकारो जेनरल अस्पताल के काउन्सलर कविता कुमार (झारखण्ड सरकार), नर्सिंग सिस्टर रजिता एक्का, विनिता, लैब टेकनीशियन मनीष पैट्रिक, विभूतिका एवं कौशल कुमार का अहम योगदान था.

27,28,29 जून को इस्कॉन द्वारा ऐतिहासिक त्रिदिवसीय जगन्नाथ रथ यात्रा का किया गया भव्य आयोजन

धनबाद, इस्कॉन धनबाद, के अध्यक्ष नामप्रेम प्रभुजी ने एक ऐतिहासिक त्रिदिवसीय जगन्नाथ रथयात्रा के आयोजन की घोषणा की l जिसमें कुल 60000 से अधिक धनबादवासियों के आने की, तथा प्रतिदिन 25000 से अधिक प्लेट महाप्रसाद बाटे जाने की आशा जाताई lनाम प्रेम प्रभु ने हिंदी दैनिक अखबार कोयलांचल संवाद के वरिष्ठ पत्रकार, आर एन चौरसिया को बताया की गोल्फ ग्राउंड में त्रिदिवसीय आयोजन रथ को 200के जी की रस्सी से खींचा जाएगा। आई आई टी, आई एस एम के छात्रों द्वारा ऑटोमैटिक रथ गोल्फ ग्राउंड में 40 फिट ऊंचा गुंडीचा मंदिर रथ की ऊंचाई अपने आप 15 फिट से 35 फिट तक जा सकती है। साथ ही उन्होंने बतलाया की 200kg आम का वितरण, एवं 50000 से अधिक प्लेट प्रसाद का वितरण किया जाएगा l26 जून संध्या 5 बजे रथ यात्रा मार्ग पर सैकड़ों भक्तों द्वारा आदिवास नगर संकीर्तन किया जाएगा l27 जून 2025 प्रातः 9 बजे दुर्गा मंडप में जगन्नाथ की आरती की जायेगी l प्रातः 10 बजे, जगन्नाथ रथ के समक्ष ओडिसी नृत्य और मुख्य अतिथि द्वारा स्वर्ण झाड़ू लगाकर यात्रा का प्रारंभ किया जाएगा lसंध्या 4 बजे रथ का गोल्फ ग्राउंड में आगमन तथा पूजा एवं संध्या 4 बजे से रात 10 बजे तक प्रसाद वितरण का कार्यक्रम किया जाएगा l28 जून प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे श्रील प्रभुपाद के श्री विग्रह की स्थापना की जसएगी l

27-29 जून को 5 बजे से 9 बजे तक देश विदेश प्रसिद्ध कलाकार तथा ग्रुप्स द्वारा सांस्कृतिक महोत्सव, भागवत कथा रथ यात्रा मेला, जगन्नाथ दर्शन, इस्कॉन स्पेशल प्रसाद वितरण, आनंद बाजार, रथ परिक्रमा किया जाएगा lउन्होंने आगे बताया की परम श्रद्धेय, देवकीनंदन प्रभु, इस्कॉन ट्रस्टी एवं जोनल सचिव, धनबाद के सांसद ढुल्लु महतो, राज सिन्हा, धनबाद विधायक, रागिनी सिंह, झरिया विधायक के अलावे धनबाद के जाने माने व्यवसायी और प्रमुख लोग इस कार्यक्रम में शामिल होने की आशा व्यक्त की l 25000 धनबाद वासियों कि इस ऐतिहासिक एकत्रीकरण को संभालने के लिए उपयुक्त व अनेक प्रबंध किए जाएंगे l यात्रियों की प्यास बुझाने के लिए दो टैंकर शीतल जल, चार प्रकार के शरबत, ठंडाई आदि अनगिनत मात्रा में सारे समय उपलब्ध कराए जाएंगे। किसी भी अनहोनी से सतर्क रहते हुए रथ के आगे पीछे दो एंबुलेंस भी चलते रहेगी l इसके अलावा यात्री समूह के सुरक्षित मार्गदर्शन हेतु एक विशेष टीम और पुलिस कर्मचारी की चार प्रशासनिक गाड़ियां भी चलते रहेगी l रथ के पीछे एक वाहन केवल और केवल धनबाद वासियों द्वारा भक्ति पूर्वक जगन्नाथ के लिए बनाए गए भोग रखने के लिए लगाई जाएगी। उन्होंने आगे बतलाया की गोल्फ ग्राउंड में विशाल पंडाल बनाया गया है। पंडाल में सारे भक्तों के लिए बैठकर कथा तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम देखने की व्यवस्था होगी। 40 फिट ऊंचे गुंडीचा मंदिर में जगन्नाथ बलदेव सुभद्र तीन दिन के लिए पधारेंगे तथा उनके दर्शन की व्यवस्था होगी। जगन्नाथ के दिव्य रथ की परिक्रमा हेतु पंडाल में विशेष सुविधा होगी। दर्शनार्थियों के लिए इस विशाल पंडाल में प्रसाद स्टॉल तथा आनंद बाजार का आयोजन भी किया गया है।

बीएसएल में "फुल-स्टैक डैशबोर्ड डेवलपमेंट" प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो बोकारो स्टील प्लांट द्वारा डिजिटल परिवर्तन एवं डेटा-आधारित परिचालन उत्कृष्टता की दिशा में निरंतर प्रयासों के तहत "फुल-स्टैक डैशबोर्ड डेवलपमेंट" विषय पर मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में श्री राजन कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (सी एंड आईटी) एवं सुश्री नीता बा, मुख्य महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) उपस्थित थे. मुख्य महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) सुश्री नीता बा ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और वर्तमान समय में ऐसे कार्यक्रमों के महत्व को रेखांकित किया. श्री राजन कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (सी एंड आईटी) ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण से अधिकतम लाभ लेने और आत्म-अध्ययन के माध्यम से तकनीकी ज्ञान बढ़ाने के लिए प्रेरित किया. प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के कुल 18 अधिकारी शामिल हो रहे हैं.यह पहल बीएसएल की व्यापक डिजिटल रणनीति से जुड़ी है, जिसका उद्देश्य इन-हाउस क्षमताओं को मजबूत करना और बाहरी विक्रेताओं पर निर्भरता कम करते हुए डेटा सुरक्षा एवं गवर्नेंस को सुदृढ़ करना है. इस कार्यक्रम में श्री रंजीत कुमार, सहायक महा प्रबंधक (सीएंडआईटी) बतौर फैकल्टी सहयोग प्रदान कर रहे हैं जिन्होंने बीएसएल में कई डैशबोर्ड के विकास में अग्रणी भूमिका निभाई है. कार्यक्रम के द्वितीय चरण का आयोजन जुलाई 2025 में किया जाएगा.कार्यक्रम के द्वितीय चरण के अंत तक प्रतिभागी डैशबोर्ड विकास एवं डेटा विजुअलाइज़ेशन, प्रतिक्रियाशील डैशबोर्ड बनाना, Python (Django) से सुरक्षित बैकएंड API का विकास, MSSQL/Oracle के साथ रीयल-टाइम डाटा कनेक्टिविटी, प्रदर्शन अनुकूलन, सुरक्षा प्रमाणीकरण और प्राधिकरण प्रोटोकॉल का कार्यान्वयन जैसे आधुनिक विजुअलाइज़ेशन टूल्स के प्रयोग की क्षमताओं में दक्ष हो सकेंगे.कार्यक्रम का संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के सहायक महाप्रबंधक श्री अमित आनंद ने किया. कार्यक्रम के आयोजन मे ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के पर्यवेक्षक श्री ऋषिकेश रंजन तथा प्रशिक्षक श्री सिधो चरण मुर्मू का सराहनीय योगदान रहा.

भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी और एसबीआई बीआरओ धनबाद रूरल के संयुक्त तत्वाधान में रक्तदान शिविर का किया गया आयोजन

धनबाद, भारतीय रेडक्रास सोसाइटी धनबाद एवं एसबीआई बीआरओ धनबाद रूरल के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान कैंप मेमको मोड़ स्थित प्रांगण में एसबीआई बैंक के 70वें फाउंडेशन के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। जिसमें भारतीय रेडक्रास समिति धनबाद के चेयरमैन कौशलेंद्र कुमार सिंह, चेयरमैन सलाहकार कुमार मधुरेन्द्र सिंह , नोडल पदाधिकारी ब्लड डोनेशन प्रोग्राम बेनजीर परवीन, नोडल पदाधिकारी वाहन अनिल भगत, रंजीत कुमार सिंह आजीवन सदस्य सिंदरी क्षेत्र, आजीवन सदस्य सुजीत कुमार, आजीवन सदस्य इरशाद आलम, एसबीआई की तरफ़ से निर्मल कुमार रीजनल मैनेजर, सुभाष कुमार, संजय कुमार वर्मा,ईशा सिंह, संगीता कुमारी, सुमन कुमारी ने आयोजन में अपनी सहभागिता सुनिश्चित की।

कोडरमा में दर्दनाक हादसा, टोटो चढ़ने से बच्चे की हुई मौत

कोडरमा(ईएमएस)।कोडरमा दर्दनाक घटना सामने आई है।यहां के होली फैमिली अस्पताल के पास एक बच्चे के ऊपर टोटो चढ़ गई। इस हादसे में बच्चे की मौत हो गई। घटना दोपहर 12 बजे के करीब हुई है। बच्चे की उम्र 5 साल थी। बच्चे की पहचान विनय हंसदा के रूप में हुई है।मिली जानकारी के अनुसार, दोपहर 12 बजे के करीब विनय आम चुन रहा था।

इस दौरान एक टोटो आई और उसको कुचल गई।

आसपास के लोगों ने भी बताया कि स्कूल से लौट रहा था, इसी दौरान रास्ते में आम चुनने लगा तभी एक टोटो ने उसे चपेट में ले लिया। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने बच्चे का शव कब्जे में लेकर सदर अस्पताल कोडरमा पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

पूर्व मध्य रेल

खुली ई-निविदा सूचना

(निर्माण विभाग)

e-Tender No. ELCSMHX-ETEN-20-24-25

भारत के राष्ट्रपति के तरफ से निम्न कार्य हेतु ई.निविदा आमंत्रित की जाती है **1. कार्य का नाम एवं स्थानः** उपमुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण/दक्षिण के अधीन पूर्व मध्य रेलवे के बानदाग–हजारीबाग में इलेक्ट्रिकल जनरल वर्क्स और Banadag रैपिड लोडिंग सिडिडिंग धनबाद डिवीजन में प्रकाश व्यवस्था और किसी भी अन्य स्थान पर dy.cee/con/दक्षिण/MHX अंतर्गत काम करने के लिए खुली निविदा। **2. अनुमानित कार्य की लागतः** रु. 99017640.14 **3. जमा किए जाने वाले बयाना राशि एवं निविदा प्रपत्र का मूल्यः** NIT के अनुसार एवं रु. शून्य **4. कार्य पूर्ण करने का समय :** 06 माह **5. निविदा बंद होने की तिथि एवं समयः** 15.07.2025 दोपहर 12:00 बजे तक। **6. वेबसाइट का विवरण, नोटिस बोर्ड का स्थान जहां निविदा की पूर्ण जानकारी देखा जा सकता है तथा कार्यालय का पता जहां से निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता हैः** आई.आर.ई.पी.एस वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदि डाउन लोड किया जा सकता है एवं सीईई/कॉन महेन्द्रूघाट, कार्यालय सीएओ/कॉन ईसीआर ऑफिस परिसर, पटना–800004 में निविदा पट पर देखा जा सकता है। हिन्दी एवं अंग्रेजी की सूचना में किसी प्रकार की भिन्नता पाये जाने पर अंग्रेजी में प्रकाशित सूचना को सही माना जायेगा।

उप मुख्य विद्युत अभियंता/निमार्ण/दक्षिण
पू.म.रे./महेन्द्रूघाट/पटना

पीआर/0473/एमएचएक्स/एस/टी/25–26

देश में 11 वर्षों से अघोषित आपातकाल जैसी स्थिति : ब्रजेंद्र सिंह

धनबाद, झारखंड प्रदेश कांग्रेस के अनुशासन समिति के अध्यक्ष सह उपाध्यक्ष ने भाजपा पर पलटवार करते हुए कहां है कि देश में 11 वर्षों से एक व्यक्ति का ही शो चल रहा है l यहां तक कि पार्टी के लोग भी उनकी बातों को गलत बताने की हिम्मत नहीं करते हैं lआज भी आजादी के बाद जितने कल कारखाने और उद्योग कांग्रेस के शासनकाल में लगाए गए उसका 5 प्रतिशत भी 11 वर्षों में कुछ नहीं हुआ। कभी भी अगर सरकार से कुछ गलती होती है, तो नेहरू जी को ही आज भी कोसा जाता है l स्थिति ऐसी हो गई है की देश में संविधान बचाने के लिए कांग्रेस पार्टी को अभियान चलाना पड़ा lभाजपा के द्वारा इमरजेंसी का सहारा इसलिए लिया जा रहा है, क्योंकि अभी कुछ राज्यों में चुनाव आने वाला है। जनता का ध्यान भटकाने के लिए किस तरह का घटिया कार्यक्रम चलाया जा रहा है क्योंकि उनके पास पॉजिटिव नाम की कोई चीज ही नहीं है। उनके शासनकाल में महंगाई बढ़ी बेरोजगारी बेतहाशा, रेल गाड़ी का टिकट मांगा हुआ। हवाई जहाज का सफर महंगा हुआ lयहां तक की यह सरकार जीएसटी लाकर भारी कमाई का जरिया बनाया है और जनता का पॉकेट खाली हो रही है l उन्होंने कहा 2014 में जो डीजल पेट्रोल का कीमत था कच्चे तेल का दाम वही है लेकिन डीजल पेट्रोल यहां100 पार कर गया। इस तरह से भाजपा सरकार उपलब्धि में बता सकती है l इसीलिए आज इमरजेंसी के नाम पर तरह-तरह का हथकंडा अपना रही है और जनता को गुमराह करने में लगी है lकेंद्र सरकार से आग्रह है जनता के हित में अभी भी उपयोगी काम करना शुरू करें l ताकि जनता खुशहाल हो सके l

धनबाद में कांग्रेस संगठन सृजन 2025 के तहत जमीन पर सशक्त संगठन बनाने का हैं लक्ष्य : अशोक चौधरी

धनबाद में कांग्रेस संगठन को प्रखण्ड मंडल, पंचायत स्तर पर मजबूत किया जिलाध्यक्ष, संतोष सिंह

धनबाद, जिला कांग्रेस कार्यालय हाउसिंग कॉलोनी धनबाद में संगठन सृजन के तहत समीक्षात्मक बैठक संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष, संतोष कुमार सिंह ने की। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष सह संगठन प्रवेक्षक अशोक कुमार चौधरी एवं सह प्रवेक्षक महेंद्र मिश्रा मौजूद थे। संगठन सृजन समीक्षात्मक बैठक में जिले के सभी मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति की गई एवं नियुक्ति प्रमाण पत्र वितरण किया गया। जिले के सभी प्रखंड नगर अध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक उपस्थित होकर संगठन सृजन के तहत चलाए गए कार्यक्रम के अनुसार अपना-अपना रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत किया। संगठन सृजन समीक्षात्मक बैठक को संबोधित करते हुए संगठन प्रभारी, अशोक कुमार चौधरी ने कहा कि अभी तक प्रखंड नगर कांग्रेस कमिटी एवं 29 मंडलों के अध्यक्ष का चयन हुआ है l आप अगला पड़ाव ग्रामीण स्तर पर उतरकर सभी पंचायत का गठन करना होगा। साथ ही सभी प्रखंड नगर अध्यक्ष के अलावा मंडल अध्यक्षो को नियुक्ति पत्र वितरण कर बधाई भी दी। ज़िलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि एआईसीसी एवं प्रदेश कांग्रेस के द्वारा संगठन सृजन के तहत जितने भी कार्यक्रम किया वह सभी जिलों से बढ़कर धनबाद जिला कांग्रेस कमेटी ने किया l चाहे वह जिला स्तरीय संविधान बचाओ रैली हो या प्रखंड स्तर का हो, चाहे वह मंडल स्तर का, संविधान रैली हो या सैनिक सम्मान समारोह, हमें जो जो जवाब देही दी है उसकी पूरी दास्तां के साथ पूर्ण किया हूं।श्री सिंह ने आगे कहा कि धनबाद जिले के सभी 18 प्रखंड नगर अध्यक्षों में जो मंडल अध्यक्ष नियुक्त हुआ है, वहां जाकर कार्यक्रम आयोजित कर प्रदेश द्वारा भेजा गया। नियुक्ति पत्र वितरण भी करूंगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से झारखंड प्रदेश कांग्रेस के धनबाद जिला प्रवेक्षक अशोक कुमार चौधरी, महेंद्र मिश्रा, , शमशेर आलम, राम प्रीत यादव, दुर्गा दास, रविरंजन सिंह, वैभव सिंहा,पूर्णेंदु सिंह, मनोज कुमार हाड़ी, योगेश रजक, पप्पु पासवान, आशिष सिंहा, इम्तियाज अली, मृत्युंजय सिंह, शशि भूषण नाथ तिवारी, गंगा बाल्मिकी, श्याम कुमार साव, प्रमोद यादव, बलराम महतो, रणजीत पांडेय मुकेश प्रसाद, निशा सिंह, जियाउल हुसैन, इदु अंसारी,बबलू दास, शहजादा हुसैन, अख्तर अंसारी, इकबाल अंसारी,सनोज श्रीवास्तव, नंदन कुमार, क्षतबली भूईया, हसन अंसारी,

Office : Civil surgeon Cum CMO dhanbad
Contac 9431711098 email-cs.dhanbad@gmail.com

NIT cancellation Notice

All Intended Bidders – " NOTICE INVITING E-TENDER (PR – 354621 Health Med Edu and Family welfare (25-26)#D, memo no. 1444 dated-09.06.2025) " are informed that tender number 1444 dated 09.06.2025 is cancelled with immediate effect due to some unavoidable technical causes.

All intended bidders are request to do needful.

PR 355962 Health Med Edu and Family Welfare (25-26)_D

Civil Surgeon
Cum CMO, Dhanbad

बीसीसीएल द्वारा कॉर्पोरेट स्तरीय राजभाषा समिति की तिमाही समीक्षा बैठक का आयोजन

धनबाद । कार्यालयीन गतिविधियों में राजभाषा हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग एवं इसके सफल क्रियान्वयन हेतु कोयला भवन, मुख्यालय में आज बीसीसीएल द्वारा कॉर्पोरेट स्तरीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। अध्यक्षता निदेशक (मानव संसाधन) श्री मुरलीकृष्ण रमैया ने की। अवसर पर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री कुमार मनोज, विभागाध्यक्ष (जनसंपर्क) श्री उदयवीर सिंह सहित मुख्यालय के सभी विभागों के महाप्रबंधक/विभागाध्यक्ष, सभी क्षेत्रों के क्षेत्रीय प्रबंधक (मानव संसाधन), नोडल राजभाषा अधिकारियों के साथ कंपनी के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।बैठक की शुरुआत इस वर्ष 24 फरवरी को आयोजित पिछली बैठक के कार्यवृत्त की स्वीकृति के साथ हुई, जिसके उपरांत उस बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुपालन पर कार्यान्वयन रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इसके पश्चात पॉवर-पॉइंट प्रस्तुति के जरिये जनवरी-मार्च 2025 तिमाही के लिए मुख्यालय एवं सभी क्षेत्रीय कार्यालयों की हिंदी कार्य प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की गई। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों और क्षेत्रों में किए गए राजभाषा प्रयासों की जानकारी साझा की और भावी योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की।

इस दौरान राजभाषा के समुचित उपयोग एवं उसके समग्र क्रियान्वयन को व्यवस्थित एवं सफल बनाने की दिशा में बैठक में अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। इसमें विशेष रूप से सभी क्षेत्रों एवं विभागों की राजभाषा रोस्टर को अद्यतन करने का निर्णय लिया गया, जिससे हिंदी कार्यान्वयन से संबंधित उत्तरदायित्वों का स्पष्ट निर्धारण किया जा सके। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार द्वारा अनुशंसित यूनिकोड आधारित देवनागरी इनस्क्रिप्ट कीबोर्ड लेआउट पर आधारित टाइपिंग प्रशिक्षण को बीसीसीएल के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को उपलब्ध कराने की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई।

साथ ही, वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंतिम तिमाही के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले क्षेत्रों और विभागों को राजभाषा के चल वैजयंती शील्ड से सम्मानित किया गया। मुख्यालय स्तर पर कर्मचारी स्थापना विभाग और क्षेत्रीय स्तर पर बस्ताकोला क्षेत्र को उनके उल्लेखनीय योगदान हेतु यह सम्मान प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के समापन-सत्र में निदेशक (मानव संसाधन) श्री मुरलीकृष्ण रमैया ने अपने समीक्षात्मक वक्तव्य में राजभाषा कार्यान्वयन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विभागों और क्षेत्रों की सराहना की एवं उन्हें प्रोत्साहित किया। साथ ही, जिन इकाइयों का प्रदर्शन अपेक्षित मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया, उन्हें निदेशित किया कि वे समयबद्ध सुधार सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि राजभाषा केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि संस्था की कार्यसंस्कृति का अभिन्न हिस्सा है और इसके प्रभावी क्रियान्वयन हेतु अनुशासन, समर्पण और पारदर्शिता आवश्यक है।

कार्यक्रम की समाप्ति पर सभी विभागों एवं क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने आगामी तिमाही में राजभाषा के क्षेत्र में किये जाने वाले प्रस्तावित गतिविधियों का ब्यौरा भी प्रस्तुत किया। मंच संचालन प्रबंधक (राजभाषा)/ विभागाध्यक्ष (जनसंपर्क) श्री उदयवीर सिंह ने किया।

सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने सीएमडी से मुलाकात कर 21 सूत्री मांगों को लेकर की विस्तृत चर्चा

बीसीसीएल सीएमडी ने तुरंत हिलटॉप कंपनी द्वारा किए जा रहे कार्य को बंद कराया

धनबाद । सांसद चन्द्रप्रकाश चौधरी ने कोयला भवन, धनबाद में बीसीसीएल के सीएमडी से मुलाकात कर ब्लॉक -2 के विस्थापितों के लिए मुआवजा, नियोजन, स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, सड़क व आमजनों की सुरक्षा एवं प्रदूषण पर नियंत्रण, कोयले के ट्रांसपोर्टिंग में अनियमितता, कोयला चोरी, मैन्युअल लोडिंग, प्रशिक्षु अप्रेंटिस की बहाली सबंधित विभिन्न विषयों व 21 सुत्री मांगों को लेकर सकारात्मक वार्ता की । इसके साथ हिलटॉप हायरिंग प्राइवेट लिमिटेड द्वारा अवैधानिक तरीके से काम किए जाने पर आपत्ति जतायी और काम रोकने का आदेश दिया । जिसके फलस्वरूप बीसीसीएल सीएमडी ने तुरंत हिलटॉप कंपनी द्वारा किए जा रहे कार्य को बंद कराया । कोयला चोरी पर रोक लगाने के लिए भी जरूरी दिशा निर्देश दिए और 15 दिनों के अंदर कोयला चोरी पर रोक एवं अन्य मांगों पर अनुपालन करने का दिशा निर्देश भी दिया ।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने किया ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण

धनबाद, जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त, आदित्य रंजन ने बुधवार को राजनीतिक दलों के साथ कोहिनूर मैदान स्थित ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ईवीएम व वीवीपैट कक्ष का सील, सुरक्षा, सीसीटीवी कैमरे, अग्निशमन यंत्र सहित पूरे परिसर का निरीक्षण किया। साथ ही रख-रखाव एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

निरीक्षण के बाद जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि सभी राजनीतिक दलों के साथ यह ईवीएम वेयरहाउस का तिमाही निरीक्षण है।

मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी, कालिदास मुंडा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सोनु दुबे, भारतीय जनता पार्टी के नरेन्द्र त्रिवेदी, आजसू के रतिलाल महतो, आम आदमी पार्टी के अरविंद कुमार, बहुजन समाज पार्टी के अभय कुमार, निर्वाचन शाखा के सागर कुमार भजोहरि एवं अन्य कर्मी मौजूद थे।

स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण - 2025 के तहत जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

शिवलीबाड़ी उत्तर के वाल्व ऑपरेटर को तत्काल बदलने का उपायुक्त ने दिया निर्देश

धनबाद, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन की अध्यक्षता में आज जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रारंभ किए गए स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण - 2025 के सफल क्रियान्वयन एवं जिला स्तर पर इसकी तैयारियों को सशक्त करने के लिए समाहरणालय सभागार में एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

उपायुक्त ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता, पेयजल प्रबंधन और जनभागीदारी को सशक्त बनाना है। "स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण" का आयोजन पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, भारत सरकार द्वारा किया जाता है, जिसके माध्यम से ग्राम स्तर पर स्वच्छता के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के मूल्यांकन के आधार पर जिलों एवं राज्यों की रैंकिंग की जाती है। सर्वेक्षण का उद्देश्य गुणवत्ता आधारित स्वच्छता आकलन कर राष्ट्रीय स्तर पर जिलों और राज्यों को रैंक प्रदान करना है।

उक्त अवसर पर जिला जल एवं स्वच्छता समिति के पदाधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारियों, पंचायत प्रतिनिधियों एवं संबंधित विभागों के कर्मियों को "स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण" 2025 के उद्देश्यों, प्रक्रिया एवं मूल्यांकन मानकों से अवगत कराया गया। कार्यशाला में विभिन्न बिंदुओं पर तकनीकी प्रस्तुतियाँ दी गईं और सहभागियों को स्वच्छता रैंकिंग प्रणाली को बेहतर ढंग से समझाने के लिए प्रशिक्षित किया गया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण - 2025 एक ऐसा मंच है, जिसके माध्यम से ग्राम स्तरीय सफाई, खुले में शौच से मुक्ति, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, जन जागरूकता तथा सतत स्वच्छता को प्राथमिकता दी जाती है। जिसका उद्देश्य ग्रामीण भारत को एक स्वच्छ और समृद्ध राष्ट्र की दिशा में अग्रसर करना है।

शिवलीबाड़ी उत्तर के वाल्व ऑपरेटर को तत्काल बदलने का उपायुक्त ने दिया निर्देश,

कार्यशाला के दौरान उपायुक्त को बताया गया कि शिवलीबाड़ी उत्तर पंचायत के वाल्व ऑपरेटर द्वारा दो पंचायतों में पानी खोलने के दौरान घोर अनियमितता बरती जा रही है। कारण पूछने पर पता चला कि वहां के मुखिया से संबंध खराब होने के कारण वाल्व ऑपरेटर उनके क्षेत्र में पानी की सप्लाई नहीं करता है। जिसके कारण ग्रामीण पानी से वंचित रह जाते है। इस पर कड़ी नाराजगी जताते हुए उपायुक्त ने तत्काल उस वाल्व ऑपरेटर को बदलने का निर्देश दिया।

कार्यशाला में उप विकास आयुक्त, सादात अनवर, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, मुकेश कुमार बाउरी, निदेशक डीआरडीए, राजीव रंजन, पीएचईडी 1 के कार्यपालक अभियंता, रंजीत कुमार ठाकुर, पीएचईडी 2 के कार्यपालक अभियंता, मुकेश कुमार मंडल, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती अनीता कुजूर, जिला शिक्षा पदाधिकारी, अभिषेक झा, जेएसएलपीएस के डीपीएम, शैलेश रंजन, पीएचईडी के सहायक अभियंता, समरेंद्र मल्लिक, जनार्दन प्रसाद सिंह, यूनिसेफ रांची के सहयोगी घनश्याम शाह, जिला समन्वय आईईसी, पवन कुमार गुप्ता, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी जिला समन्वयक एवं प्रखण्ड वॉश कॉर्डिनेटर उपस्थित थे।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने बैठक कर स्वर्गीय पत्रकार अजय तिवारी की पत्नी नीतू तिवारी को सौंपा गया पेंशन आदेश की प्रति

धनबाद, मेपल वुड में कर्मचारी राज्य बीमा निगम के पूर्वी क्षेत्र के बीमा आयुक्त प्रणय सिन्हा के अध्यक्षता में झारखंड क्षेत्र के शाखा प्रबंधक, अधीक्षक एवं सामाजिक सुरक्षा अधिकारी की बैठक आयोजित की गई । जिसमें निगम के कार्यकलापों पर चर्चा की गई। बीमा आयुक्त द्वारा निगम द्वारा प्रदत्त सेवाओं को बेहतर तरीके से बीमाकृत व्यक्तियों को उपलब्ध कराने हेतु दिशा निर्देश प्रदान किए गए । बैठक में क्षेत्रीय निदेशक राजीव रंजन द्वारा सभी अधिकारियों को वर्तमान समय के ध्यान में रखते हुए अपने कार्यकलापों को सुधार करते हुए बेहतर लीडरशिप का उदाहरण प्रस्तुत करने का अनुरोध किया । ताकि बीमाकृत व्यक्तियों को बेहतर सेवा मुहैया की जा सके। बैठक के दौरान बीमा आयुक्त द्वारा बीमाकृत व्यक्ति स्वर्गीय अजय कुमार तिवारी के आश्रित विधवा श्रीमती नीतू तिवारी को पेन्सन आदेश की प्रति सौंपा। विदित हो कि स्वर्गीय अजय कुमार तिवारी दैनिक भास्कर में रिपोर्टर के रूप में कार्यरत थे। वें कार्य उपरांत घर वापस जाने के क्रम में सड़क दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गयी थी । जिसे कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम के तहत रोजगारजनित चोट के रूप में स्वीकृत करते हुए उनके आश्रितों को प्रतिमाह रू॰ 17040/ प्रतिमाह पेंशन के रूप में मृत्यु की तिथि से भुगतान किया जाएगा।

बैठक के दौरान आशुतोष आनंद, अधिवक्ता, झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम के तहत अभियोजन की कारवाई हेतु विभिन्न प्रावधानों के बारे मे चर्चा की।

इस अवसर पर डॉ. अशोक कुमार सामंता , डीन, कर्मचारी राज्य बीमा मेडिकल कॉलेज, रांची, डॉ. अर्चना तिर्की, राज्य चिकित्सा अधिकारी, डॉक्टर डी. के. राकेश, कर्मचारी राज्य बीमा योजना, डॉक्टर मधुलिका कुमारी, उप चिकित्सा अधीक्षक, शिवेंद्र कुमार, संयुक्त निदेशक, राजेंद्र टुडू, उप निदेशक एवं अन्य अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

देश कालानुकूल भोजन, सकारात्मक दृष्टिकोण और स्वस्थ जीवनशैली समग्र स्वास्थ्य का आधार: डॉ. जी एस तोमर

धनबाद, आरोग्य भारती धनबाद द्वारा आईआईटी, आईएसएम में वर्तमान स्वास्थ्य देखभाल चुनौतियाँ और स्वस्थ जीवन शैली विषय पर एक प्रबोधन कार्यक्रम आयोजित किया गया । जिसकी अध्यक्षता संस्थान के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ० पंकज मिश्रा ने की । बतौर मुख्य वक्ता आरोग्य भारती के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य प्रो.डॉ. जी एस तोमर ने बताया कि आरोग्य भारती स्वास्थ्य संरक्षण एवं संवर्धन के क्षेत्र में कार्य कर रहा एक देश व्यापी संगठन है । काश्मीर से कन्याकुमारी तक लगभग सभी जिलों में इसके कार्यकर्ता सक्रिय हैं । सन 2002 में कोची से प्रारंभ हुआ यह संगठन राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ अशोक कुमार वार्ष्णेय के कुशल नेतृत्व में देश भर में स्वास्थ्य संरक्षण के क्षेत्र में नए नए आयाम स्थापित कर रहा है । उन्होंने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन का ध्यान वर्तमान में संक्रामक रोगों से हटकर नॉन कम्युनिकेबल रोगों की तरफ आकृष्ट हो रहा है । इन रोगों को जीवनशैली जन्य रोग भी कहते हैं । चिकित्सा वैज्ञानिकों के अनुसार पचहत्तर प्रतिशत से अधिक जीवनशैली जन्य रोगों को जीवनशैली को सुधार कर रोका जा सकता है । डायबिटीज़, हाइपरटेंशन, अर्थराइटिस, अस्थमा, कैंसर, आईबीएस, महिलाओं में पीसीओएस,आदि बीमारियों की निरन्तर बढ़ती हुई संख्या विकृत जीवनशैली का ही परिणाम है । उन्होंने बताया कि आयुर्वेद में आहार, निद्रा और ब्रह्मचर्य जीवन के तीन उपस्तंभ बताए गए हैं । हमारा आहार ही स्वास्थ्य एवं रोग दोनों का कारण है । भोजन का चयन हमेशा प्रकृति, देश, काल एवं ऋतु के अनुसार करना चाहिए । पिज़्ज़ा, नूडल्स एवं बर्गर की पाश्चात्य संस्कृति आज की युवा पीढ़ी की पहली पसंद बनती जा रही है जिसके कारण हमारे पारंपरिक व्यंजन भारतीय रसोई से ग़ायब होते जा रहे हैं । ज्वार, बाजरा, साँवा, कोदों, कुटकी, चैना, कुट्टू रामदाना जैसे मिलेट्स देखते ही देखते हमारी थाली से दूर होते जा रहे हैं । कार्य की व्यस्तता के चलते हम समय पर भोजन नहीं कर पाते । अधिक मानसिक तनाव हमारे पाचनतंत्र को बुरी तरह प्रभावित करता है । परिणामस्वरूप देखते ही देखते हम अनेक मनोदैहिक रोगों की चपेट में आ जाते हैं । शाम के आठ बजे के पहले हमें स्वल्प मात्रा में रात्रि भोजन अवश्य कर लेना चाहिये क्योंकि हमारे शरीर के अधिकांश अंग रात में चयापचय के कार्य को बंद कर देते हैं । परिणामस्वरूप देर रात में मात्रा से अधिक किया गया भोजन अनेक रोगों को जन्म देता है। डॉ, तोमर ने ज़ोर देकर कहा कि ब्राह्म मुहूर्त में उठकर योग, व्यायाम एवं प्रशस्त जीवनशैली अपना कर व्यक्ति चिरकाल तक स्वस्थ जीवन जी सकता है । इसके अलावा सकारात्मकता जीवन की गुणवत्ता में चार चाँद लगा देती है । यह संस्थान देश में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है । यहाँ कार्यरत वैज्ञानिकों की कार्यक्षमता राष्ट्र को प्रत्यक्ष प्रभावित करती है । अतः आरोग्य भारती ने इस संस्थान को चुना है । कार्यक्रम में चुनिंदा वैज्ञानिकों के साथ साथ आरोग्य भारती झारखंड के सह सचिव जयप्रकाश नारायण सिंह, डॉ विकास रमन, पर्यावरण प्रमुख झारखंड अरुण राय, जिला महिला प्रमुख ममता सिंह, जिला सचिव पी एन सिंह, कार्याध्यक्ष डी एस चौबे, यतीन्द्र नाथ ठाकुर, अजय सिन्हा, विकास ओझा, अविनाश कुमार, सुषमा प्रसाद, मधु सिन्हा, रमा सिन्हा आदि मौजूद थे ।

सीएसआईआर केंद्रीय ईंधन अनुसंधान संस्थान में आयोजित किया गया वर्तमान स्वास्थ्य देखभाल चुनौतियां एवं स्वस्थ जीवन शैली पर एक दिवसीय कार्यशाला

धनबाद । सीएसआईआर-केंद्रीय खनन एवं ईंधन अनुसन्धान सस्थान, धनबाद में बुधवार को "वर्तमान स्वास्थ्य देखभाल चुनौतियाँ और स्वस्थ जीवन शैली" विषय पर मानव संसाधन विकास विभाग द्वारा, सिम्फर निदेशक प्रो०, डॉ० अरविन्द कुमार मिश्रा केअध्यक्षता में एक व्याख्यान का आयोजन किया गया । जिसमे विज्ञान भारती के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य प्रो. डॉ. जी एस तोमर ने अपना व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान धन्वन्तरी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर किया गया ।

बतौर मुख्य वक्ता आरोग्य भारती के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य प्रो.डॉ, जी एस तोमर ने बताया कि आरोग्य भारती स्वास्थ्य संरक्षण एवं संवर्धन के क्षेत्र में कार्य कर रहा एक देश व्यापी संगठन है । काश्मीर से कन्याकुमारी तक लगभग सभी जिलों में इसके कार्यकर्ता सक्रिय हैं । सन 2002 में कोची से प्रारंभ हुआ । यह संगठन राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ, अशोक कुमार वार्ष्णेय के कुशल नेतृत्व में देश भर में स्वास्थ्य संरक्षण के क्षेत्र में नए नए आयाम स्थापित कर रहा है । उन्होंने आगे बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन का ध्यान वर्तमान में संक्रामक रोगों से हटकर नॉन कम्युनिकेबल रोगों की तरफ आकृष्ट हो रहा है । इन रोगों को जीवनशैली जन्य रोग भी कहते हैं । चिकित्सा वैज्ञानिकों के अनुसार पचहत्तर प्रतिशत से अधिक जीवनशैली जन्य रोगों को जीवनशैली को सुधार कर रोका जा सकता है । डायबिटीज़, हाइपरटेंशन, अर्थराइटिस, अस्थमा, कैंसर, आईबीएस, महिलाओं में पीसीओएस,आदि बीमारियों की निरन्तर बढ़ती हुई संख्या विकृत जीवनशैली का ही परिणाम है । उन्होंने बताया कि आयुर्वेद में आहार, निद्रा और ब्रह्मचर्य जीवन के तीन उपस्तंभ बताए गए हैं । हमारा आहार ही स्वास्थ्य एवं रोग दोनों का कारण है । भोजन का चयन हमेशा प्रकृति, देश, काल एवं ऋतु के अनुसार करना चाहिए । पिज़्ज़ा, नूडल्स एवं बर्गर की पाश्चात्य संस्कृति आज की युवा पीढ़ी की पहली पसंद बनती जा रही है । जिसके कारण हमारे पारंपरिक व्यंजन भारतीय रसोई से ग़ायब होते जा रहे हैं । ज्वार, बाजरा, साँवा, कोदों, कुटकी, चैना, कुट्टू रामदाना जैसे मिलेट्स देखते ही देखते हमारी थाली से दूर होते जा रहे हैं । कार्य की व्यस्तता के चलते हम समय पर भोजन नहीं कर पाते । अधिक मानसिक तनाव हमारे पाचनतंत्र को बुरी तरह प्रभावित करता है। परिणामस्वरूप देखते ही देखते हम अनेक मनोदैहिक रोगों की चपेट में आ जाते हैं । शाम के आठ बजे के पहले हमें स्वल्प मात्रा में रात्रि भोजन अवश्य कर लेना चाहिये । क्योंकि हमारे शरीर के अधिकांश अंग रात में चयापचय के कार्य को बंद कर देते हैं । परिणामस्वरूप देर रात में मात्रा से अधिक किया गया भोजन अनेक रोगों को जन्म देता है । डॉ, तोमर ने ज़ोर देकर कहा कि ब्राह्म मुहूर्त में उठकर योग, व्यायाम एवं प्रशस्त जीवनशैली अपना कर व्यक्ति चिरकाल तक स्वस्थ जीवन जी सकता है । इसके अलावा सकारात्मकता जीवन की गुणवत्ता में चार चाँद लगा देती है । यह संस्थान देश में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है । यहाँ कार्यरत वैज्ञानिकों की कार्यक्षमता राष्ट्र को प्रत्यक्ष प्रभावित करती है । अतः आरोग्य भारती ने इस संस्थान को चुना है । सिम्फर के निदेशक प्रो०,डॉ०अरविन्द कुमार मिश्रा मार्गदर्शन में मानव संसाधन विकास विभाग द्वारा उपर्युक्त व्याख्यान का आयोजन किया गया । इसमें एचआरडी प्रमुख दिलीप कुम्भकार के साथ साथ डॉ जे. के. सिंह एवं जी सुरेश ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।

इस अवसर पर सिम्फर के मुख्य वैज्ञानिक ई० अमरनाथ, दिलीप कुम्भकर, डॉ पी० के० मंडल, राम लोलारक, डॉ, अरुण कुमार सिंह समेत 50 से अधिक वैज्ञानिकों, तकनीकी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं वोकेशनल प्रशिक्षुओं ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया ।

कार्यक्रम में सिम्फर कर्मियों के साथ साथ आरोग्य भारती झारखंड के संयुक्त सचिव, जयप्रकाश नारायण सिंह, अध्यक्ष, आरोग्य भारती धनबाद जिला डॉ, विकास राणा एवं प्रांत पर्यावरण प्रमुख अरुण राय भी मौजूद थे ।

भगवान जगन्नाथ मंदिर में नेत्रदान गुरुवार को, श्रद्धालुओं का उमड़ेगा सैलाब

रांची(ईएमएस)।रांची के धुर्वा स्थित जगन्नाथपुर मंदिर केवल आस्था और विश्वास का केंद्र नहीं है, बल्कि यह आदिवासी और सदान समुदाय के सम्मिलित सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक भी है। इसी आस्था के दरबार में गुरुवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है, क्योंकि गुरुवार दोपहर बाद भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और माता सुभद्रा का नेत्रदान अनुष्ठान संपन्न होगा।इसके अगले दिन 27 जून को ऐतिहासिक रथ मेला का आयोजन होगा, जिसमें लाखों श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए जुटेंगे।स्थानीय बुज़ुर्गों के अनुसार, बड़कागढ़ क्षेत्र में स्थित यह भव्य मंदिर 250 फीट ऊंची पहाड़ी पर निर्मित है। मंदिर की वास्तुकला लगभग 100 फीट ऊंची है।इसका निर्माण बड़कागढ़ के ठाकुर महाराजा रामशाही के चौथे पुत्र ठाकुर ऐनीनाथ शाहदेव द्वारा 25 दिसंबर 1691 को करवाया गया था।

वर्तमान में जो मंदिर दिखाई देता है, उसका जीर्णोद्धार और पुनर्निर्माण वर्ष 1991 में लगभग एक करोड़ रुपये की लागत से करवाया गया था।मंदिर से करीब आधा किलोमीटर दूर स्थित मौसीबाड़ी में रथ यात्रा के अवसर पर नौ दिनों तक भव्य मेला आयोजित होता है।स्थानीय निवासियों के अनुसार, ठाकुर ऐनीनाथ शाहदेव को कुल 97 गांव विरासत में प्राप्त हुए थे। उन्होंने डोयसागढ़ स्थित अपनी पुरानी राजधानी को छोड़कर स्वर्णरेखा नदी के पास सतरंजी में नई राजधानी की स्थापना की थी।वहीं पर उन्होंने एक किले (गढ़) का निर्माण भी करवाया था।आज यह ऐतिहासिक स्थल इतिहास के पन्नों में सिमटकर रह गया है। जहां कभी राजधानी हुआ करती थी, आज वहां एचईसी का फाउंड्री प्लांट स्थापित हो गया है।हालांकि उनके द्वारा बसाया गया हटिया बाजार आज भी जीवित है और पहले से कहीं अधिक विस्तृत और व्यस्त हो गया है।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, के. जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद से मुद्रित एवं विनोद नगर, धनबाद (झारखण्ड)- 826001 से प्रकाशित आर. एन. आई. नं. - 58948/94, पो. रजि. -डी. एन. बी. /54 फोन नं. 0326-2310243, 9431507990 Fax N0. -0326-2310243 Email : koylanchal_dhn@rediffmail.com & koylanchal.hindi@gmail.com ▮ समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।